■ निकाय चुनावों में 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा को पार न करें : सुप्रीम कोर्ट - 12

■ भारत का निर्यात 11.8 प्रतिशत घटकर 34.38 अरब डॉलर पर - 12

■ रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर अब लगाएंगे बहुत कड़ी पाबंदियां - 13

■ कोलकाता टेस्ट में मिली हार के बाद भारतीय टीम के प्रति उठे सवाल - 14

आज का मौसम
26.0° अधिकतम तापमान
13.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.37
सूर्यास्त 05.18

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर
■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष त्रयोदशी 07:12उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 18 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 359, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

बदायूं में साईं मंदिर के पुजारी की हत्या, बंधे मिले हाथ और पैर

संवाददाता, कुंवरगांव (बदायूं)

- दो मुकुट और डीबीआर लूटकर ले गए हत्यारोपी, खुलासे के लिए चार टीमें गठित

अमृत विचार : साईं मंदिर के पुजारी की गला दबाकर हत्या कर दी गई। गमछे से पुजारी का गला कसा था और हाथ और पैर बंधे थे। हत्यारोपी चांदी के दो मुकुट और डीबीआर लूटकर ले गए।

सोमवार सुबह जानकारी होने पर एडीजी रमित शर्मा और आईजी अजय कुमार साहनी ने एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह के साथ मौका मुआयना किया। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए। अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। खुलासे के लिए चार टीमों का गठन किया है। थाना कुंवरगांव क्षेत्र के गांव कल्लिया काजमपुर निवासी मनोज शंखधार 2016 से नवादा स्थित गुरु कृपा सर्वेश्वर साईं ट्रस्ट की ओर से संचालित सर्वेश्वर साईं मंदिर के पुजारी थे। वह मंदिर के ऊपर बने कमरे में रहते थे। सोमवार सुबह पूजा कराने के लिए मंदिर में नहीं आए तो श्रद्धालुओं ने कमरे में जाकर देखा जहां मनोज शंखधार का शव पड़ा मिला। मंदिर प्रबंधन ने बताया कि मंदिर से मुकुट और डीबीआर गायब हैं। अधिकारियों ने जल्द खुलासे के लिए निर्देशित किया। अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

मनोज (फाइल)

रॉकेट बनाने में उमर की मदद करने वाला श्रीनगर से गिरफ्तार

आत्मघाती हमलावर का सक्रिय सहयोगी था जसीर बिलाल वानी, एनआईए ने की कार्रवाई

- आई-20 कार का मालिक आमिर 10 दिन के लिए एनआईए हिरासत में

नई दिल्ली, एजेंसी

एनआईए ने राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के नजदीक हुए विस्फोट की साजिश में शामिल एक और आरोपी जसीर बिलाल वानी को श्रीनगर से गिरफ्तार किया है।

एनआईए के मुताबिक वानी दिल्ली विस्फोट से पहले आतंकी हमलों को अंजाम देने के लिए आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर उन नबी की ड्रोन में संशोधन और रॉकेट बनाने के लिए तकनीकी मदद करता रहा था। इस बीच दिल्ली की एक अदालत ने पिछले दिनों गिरफ्तार किए गए दक्षिणी कश्मीर के पंपोर निवासी दिल्ली विस्फोट के आरोपी लाल किला विस्फोट के आरोपी आमिर राशिद अली को दिल्ली की एक अदालत ने 10 दिन के लिए एनआईए की हिरासत में भेज दिया है। एनआईए के मुताबिक सोमवार को श्रीनगर से गिरफ्तार वानी ने दिल्ली विस्फोट मामले में 'सह साजिशकर्ता' की भूमिका निभाई थी और विस्फोट को अंजाम देने के लिए आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर के साथ सक्रिय रूप से काम किया था। एनआईए के मुताबिक अनंतनाग के काजीगुंड निवासी वानी को दानिश के नाम से भी जाना जाता है।

कोर्ट में आरोपी को ले जाती एनआईए टीम।

दो और घायलों की मौत 15 हुई मृतक संख्या

नई दिल्ली। दिल्ली विस्फोट में दो और घायलों की एलएनजेपी अस्पताल में मौत के बाद इस मामले में मृतकों की संख्या सोमवार को बढ़कर 15 हो गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक मृतकों की पहचान लुकमान (50) और विनय पाठक (50) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि कई और लोगों का अब भी इलाज जारी है।

अल-फलाह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति का छोटा भाई धोखाधड़ी में गिरफ्तार

इंदौर। दिल्ली विस्फोट के बाद जांच के घेरे में आए फरीदाबाद के अल-फलाह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जवाद अहमद सिद्दीकी के छोटे भाई हमूद अहमद सिद्दीकी को मध्यप्रदेश पुलिस ने निवेशकों से धोखाधड़ी के करीब 25 साल पुराने कुछ मामलों में गिरफ्तार किया है। हमूद की गिरफ्तारी पर 10,000 रुपये का इनाम घोषित था। इंदौर की पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) यांगचेन डोलकर भूटिया के मुताबिक महू पुलिस थाने में 25 साल पहले दर्ज तीन मामलों में हमूद को रविवार को हैदराबाद से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि सिद्दीकी के खिलाफ धोखाधड़ी के ये मामले वर्ष 2000 में दर्ज किए गए थे।

ब्रीफ न्यूज

नए कलेवर वाली शोले फिल्म 12 दिसंबर को देशभर में होगी रिलीज

मुंबई। मशहूर हिंदी फिल्म शोले नए कलेवर में 'शोले-द फाइनल कट' नाम से 12 दिसंबर को पूरे भारत में सिनेमाघरों में फिर रिलीज होने वाली है। यह इस मशहूर फिल्म का पूर्णत: पुनर्स्थापित 'फोर के' संस्करण है। नये संस्करण में फिल्म का अंत बदल दिया गया है 'फोर के' को 'अल्ट्रा हाई डेफ़िनिशन' भी कहा जाता है जिसमें फिल्म ज़्यादा स्पष्ट और विस्तृत छवि नजर आती है। धर्मेन्द्र, अमिताभ बच्चन, हेमा मालिनी, जया बच्चन, संजीव कुमार और अमजद खान अभिनीत इस फिल्म ने इस वर्ष 15 अगस्त को अपनी स्वर्ण जयंती मनाई।

असम की मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण आज से

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने नागरिकता के संबंध में विशिष्ट प्रावधानों वाले सीमावर्ती राज्य असम की मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) मंगलवार से कराने की घोषणा की है जिसमें आगामी पहली जनवरी तक मतदाता बनने की अर्हता वालों के नाम शामिल किये जा सकते हैं। असम में एसआर की घोषणा ऐसे समय की गई है जबकि बिहार में एसआईआर का काम सितंबर में पूरा किया गया था।

हसीना को मौत की सजा

बांग्लादेश की विशेष न्यायाधिकरण ने उनकी अनुपस्थिति में सुनाई सजा

- मानवता के विरुद्ध अपराध का आरोप छात्रों की हत्या का दोषी माना
- हसीना बोलीं- न्यायाधिकरण पूर्वाग्रह से ग्रसित एवं राजनीति से प्रेरित

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को पिछले वर्ष जुलाई में उनकी सरकार के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शनों के दौरान किए गए मानवता के विरुद्ध अपराधों के लिए सोमवार को एक विशेष न्यायाधिकरण द्वारा उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई गई। महीनों तक चले मुकदमे के बाद अपने फैसले में बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने 78 वर्षीय अवामी लीग की नेता को हिंसक, दमन का मास्टरमाइंड और सूत्रधार बताया, जिसमें सैकड़ों की मौत हो गई थी।

पिछले वर्ष 5 अगस्त को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के कारण बांग्लादेश से भागने के बाद से हसीना भारत में रह रही हैं। इससे पहले अदालत ने उन्हें भगोड़ा घोषित किया था। वहीं, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को भी मौत की सजा सुनाई है। अपनी प्रतिक्रिया में हसीना ने कहा कि यह फैसला एक गैरअधिकृत न्यायाधिकरण द्वारा दिया गया है, जिसकी स्थापना और अध्यक्षता एक अनिर्वाचित सरकार द्वारा की गई है, जिसके पास कोई लोकतांत्रिक जनादेश नहीं है।

उन्होंने कहा, वे पक्षपाती और राजनीति से प्रेरित हैं। मृत्युदंड की अपनी घृणित मांग में, वे अंतरिम सरकार के भीतर चरमपंथी लोगों के निर्लज्ज और जानलेवा इरादे को उजागर करते हैं, जो बांग्लादेश की अंतिम निर्वाचित प्रधानमंत्री को हटाना चाहते हैं और अवामी लीग को एक राजनीतिक ताकत के रूप में खत्म करना चाहते हैं। हसीना ने कहा कि वह उन पर आरोप लगाने वालों का सामना उचित न्यायाधिकरण में करने से नहीं डरतीं, जहां साक्ष्यों का निष्पक्ष मूल्यांकन और परीक्षण किया जा सकता है। उन्होंने कहा, इसीलिए मैंने अंतरिम सरकार को बार-बार चुनौती दी है कि वह इन आरोपों को हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के समक्ष लाए। यह फैसला बांग्लादेश में संसदीय चुनावों से कुछ महीने पहले आया है। वहीं, हसीना के सहयोगी, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को भी उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई। पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) चौधरी अब्दुल्ला अल-मामुन, जो सरकारी गवाह बन गए थे, को भी इसी मामले में पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनाई।

बांग्लादेश के लोगों के हितों के लिए हम प्रतिबद्ध : भारत

नई दिल्ली। बांग्लादेश में एक विशेष न्यायाधिकरण द्वारा अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाए जाने के कुछ घंटों बाद, भारत ने सोमवार को कहा कि उसने फैसले पर गौर किया है और वह पड़ोसी देश में शांति, लोकतंत्र और स्थिरता को ध्यान में रखते हुए सभी हितधारकों के साथ रचनात्मक रूप से बातचीत करेगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत लोगों के सर्वोत्तम हितों के लिए प्रतिबद्ध है। अवामी लीग की नेता पिछले साल 5 अगस्त को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के कारण बांग्लादेश से भागने के बाद भारत में रह रही हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा, हम इस दिशा में सभी हितधारकों के साथ सदैव रचनात्मक रूप से जुड़े रहेंगे।

हसीना को प्रत्यर्पित करने का बांग्लादेश ने किया आग्रह

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमां खान कमाल को तुरंत प्रत्यर्पित करने का सोमवार को भारत से आग्रह किया। बांग्लादेश ने यह अनुरोध हसीना को मौत की सजा सुनाए जाने के कुछ घंटे बाद किया। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा, हम भारत सरकार से आग्रह करते हैं कि वह इन दोनों दोषियों को तत्काल बांग्लादेशी अधिकारियों को सौंप दे। मंत्रालय ने कहा कि बांग्लादेश और भारत के बीच मौजूदा द्विपक्षीय प्रत्यर्पण समझौता दोनों दोषियों के स्थानांतरण को नई दिल्ली की अनिवार्य जिम्मेदारी बनाता है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि मानवता के विरुद्ध अपराध के दोषियों को शरण देना एक ऐसा रवैया है जिसे मित्रतापूर्ण नहीं कहा जा सकता और यह न्याय के प्रति अनादर होगा।

आजम और अब्दुल्ला को सात-सात साल की सजा

- दो पैन कार्ड मामले में कोर्ट ने सुनाई सजा 50-50 हजार का लगाया जुर्माना, सजा मिलने के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: दो पैन कार्ड मामले में एमपी एमएलए कोर्ट ने आजम खां व अब्दुल्ला आजम को 7-7 साल की सजा सुनाई। इसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। मुकदमे के वादी विधायक आकाश सक्सेना भी मौजूद रहे।

दो पैनकार्ड मामले में भाजपा विधायक आकाश ने 2019 में सिविल लाइंस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। विधायक ने अब्दुल्ला के अलग-अलग जन्मतिथि से दो पैन कार्ड बनवाने का आरोप लगाया। एक पैनकार्ड में जन्म तिथि 1 जनवरी 1993 है। दूसरे में जन्म तिथि 30 सितंबर 1990 दर्ज है। पुलिस ने जांच पूरी कर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल कर दिए थे। इसमें आजम खां भी आरोपी हैं। मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में हो रही थी। दोनों पर 50-50 हजार का जुर्माना भी लगाया गया।

सजा होने के बाद पिता-पुत्र को कड़ी सुरक्षा में जिला कारागार ले जाया गया। विधायक आकाश सक्सेना के अधिवक्ता संदीप सक्सेना ने बताया कि धारा 120, 420, 467, 468, 471 में सजा सुनाई गई है। सभी धाराओं में अलग-अलग जुर्माना और सजा है। धारा 467 में सात साल की सजा है। दोनों पर 50-50 हजार का जुर्माना लगाया गया है।

कोर्ट में पेश होने जाते आजम खां ।

गुनहगार समझा तो सजा सुनाई : आजम

रामपुर। सोमवार को कोर्ट ने सपा नेता आजम खां और अब्दुल्ला आजम खां को पैन कार्ड मामले में सात साल की सजा सुनाई। जिला जेल के गेट पर मीडियाकर्मियों से आजम खां ने कहा कि कोर्ट ने गुनाहगार समझा तो सजा सुना दी है। कोर्ट के फैसले का हम स्वागत करते हैं। उसके बाद आजम खां जेल के अंदर चले गए।

जनकल्याण को प्रतिबद्ध, इसीलिए जीतती है भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

- मोदी बोले- बिहार के नतीजों से साफ, अपनी आकांक्षाएं पूरा करने वाले दलों पर ही भरोसा करते हैं लोग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि बिहार चुनाव के नतीजों ने यह सबक सिखाया है कि सरकार से लोगों की आकांक्षाएं बहुत ज्यादा हैं और वे अच्छी नीयत वाले राजनीतिक दलों पर भरोसा करते हैं।

मोदी ने यहां छठा रामनाथ गोयनका व्याख्यान देते हुए कहा कि चाहे केंद्र सरकार हो या क्षेत्रीय दलों के नेतृत्व वाली राज्य सरकारें, उनका प्राथमिक ध्यान विकास पर होना चाहिए। भाजपा इसीलिए चुनाव जीतती है क्योंकि वह चौबीस घंटे लोगों के विकास और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

मोदी ने कहा, बिहार चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर भारत के लोगों की ऊंची आकांक्षाओं को लेकर एक सबक सिखाया है। भारत के लोग आज उन राजनीतिक दलों पर भरोसा करते हैं जिनकी नीयत अच्छी है और जो लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करते हैं एवं विकास को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने कहा, मैं राज्य सरकारों को निवेश आकर्षित करके और विकास को बढ़ावा देकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देने के लिए दृढ़तापूर्वक प्रोत्साहित करता हूं। व्यापार को आसान बनाने के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन इस दिशा में एक बड़ा कदम हो सकता है।

मोदी ने कहा कि व्यक्ति को लोगों के कल्याण के लिए हमेशा भावनात्मक रूप से काम करना चाहिए, न कि चुनाव को ध्यान में रखकर। मोदी ने कहा कि दुनिया भारत के विकास मॉडल को उम्मीद के मॉडल के रूप में देख रही है। उन्होंने कहा, वैश्विक अस्थिरताओं के बावजूद हमारा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) लगभग सात प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। भारत न केवल एक उभरता हुआ बाजार है, बल्कि एक उभरता हुआ मॉडल भी है। मोदी ने कहा कि भारत एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए आतुर है, वैश्विक चुनौतियों के बावजूद यह तेजी से विकास कर रहा है।

बिहार में नई सरकार का शपथ ग्रहण 20 को

पटना। बिहार में नयी सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 20 नवंबर को पटना में होने की संभावना है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ राजग के कई शीर्ष नेता और केंद्रीय मंत्रियों के शामिल होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 19 नवंबर को निवर्तमान सरकार के प्रमुख के रूप में राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं। भाजपा की बिहार इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बताया कि नवनिर्वाचित विधायक मंगलवार को बैठक कर अपने विधायक दल के नेता का चुनाव करेंगे।

दुधवा में एक साथ 3 बाघ देख झूमे सैलानी

लखीमपुर खीरी। दुधवा टाइगर रिजर्व के दुधवा पर्यटन क्षेत्र में सोमवार की सुबह पर्यटकों को एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने उनके सफारी अनुभव को जीवनभर के लिए यादगार बना दिया। दिल्ली, लखनऊ व बरेली से आए इन पर्यटकों को सफारी के दौरान अचानक एक साथ तीन बाघ सड़क पर टहलते दिखाई दिए। इनमें एक वयस्क नर, एक वयस्क मादा और एक अर्धवयस्क बाघ शामिल था।

मक्का से मदीना जा रहे 42 भारतीयों की मौत

- सऊदी अरब में हुआ हादसा, बस डीजल टैंकर से टकराकर जली पीएम मोदी ने हादसे पर दुख जताया

नई दिल्ली, एजेंसी

सऊदी अरब के मदीना में रविवार देर रात को हुई भीषण बस दुर्घटना में 42 भारतीय उमराह जायरीन मारे गए हैं। इनमें से अधिकतर तेलंगाना से थे। अधिकारियों ने बताया कि करीब 42 भारतीय बस में यात्रा कर रहे थे।

बस देर रात करीब डेढ़ बजे (भारतीय समयानुसार) तेल के एक टैंकर से टकरा गई थी। बस मक्का से मदीना जा रही थी। जेद्दा स्थित भारतीय मिशन ने स्थिति का आकलन करने के लिए अधिकारियों को दुर्घटनास्थल पर भेजा है। अधिकारियों ने कहा, इस समय हम हताहतों की संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं दे सकते क्योंकि मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। हादसे में सिर्फ ड्राइवर जिंदा बचा है। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने प्रारंभिक सूचना का हवाला देते हुए मृतक संख्या बताई और कहा कि 9 नवंबर को यहां से कुल 54 लोग उमराह के लिए जेद्दा गए थे। जेद्दा स्थित भारतीय मिशन ने बताया कि उसने सहायता समन्वय के लिए एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर दोनों ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है।

मदीना में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कहा कि वह और भारतीय दूतावास सऊदी हज एवं उमराह मंत्रालय तथा अन्य स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं। वे संबंधित उमराह संचालकों के भी संपर्क में हैं।

वाणिज्य दूतावास के कर्मचारियों और भारतीय समुदाय के स्वयंसेवकों की एक टीम विभिन्न अस्पतालों और अन्य स्थलों पर मौजूद है। रियाद स्थित दूतावास और जेद्दा स्थित वाणिज्य दूतावास पूरी सहायता प्रदान कर रहे हैं।

जनता दर्शन | योगी बने सहारा, एंबुलेंस से बच्चे को भिजवाया केजीएमयू

मुख्यमंत्री ने मां की गुहार पर बच्चे का शुरू कराया इलाज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'जनता दर्शन' ने सोमवार को एक मां के जीवन में आशा की किरण जगा दी। वह सात माह के बीमार मासूम बेटे को गोद में लेकर मुख्यमंत्री आवास पहुंची। बच्चे को हृदय संबंधी गंभीर समस्या और आर्थिक तंगी की जानकारी होते ही मुख्यमंत्री ने तत्काल बच्चे के उच्चस्तरीय इलाज के निर्देश दिए। इसके बाद उसे एंबुलेंस से केजीएमयू भेजा गया और कुलपति को इलाज की तत्काल व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए।

'जनता दर्शन' में सोमवार को प्रदेश भर से 60 से अधिक लोग अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं प्रत्येक व्यक्ति के पास गए, उनके प्रार्थना पत्र लिए और समस्या विस्तार से सुनी। इसी दौरान राजेंद्र नगर, ऐशबाग की रहने वाली एक महिला अपने साथ 7 माह के मासूम बेटे को लेकर पहुंची और मुख्यमंत्री को बच्चे की गंभीर बीमारी व आर्थिक हालात खराब होने की जानकारी दी।

महिला की व्यथा सुनते ही मुख्यमंत्री ने बच्चे को दुलारा और भरोसा दिलाया कि सरकार आपकी मदद करेगी, आप निश्चिंत रहें। तत्काल निर्देश पर बच्चे को सीएम आवास से एंबुलेंस द्वारा केजीएमयू भेजा गया और कुलपति को इलाज की तत्काल व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए।

आदेश मिलते ही मासूम का इलाज शुरू कर दिया गया। योगी अन्य मामलों में भी संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए। जमीन कब्जा, पुलिस, बिजली, आर्थिक सहायता और विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रहीं।

अपने बच्चे के इलाज हेतु एक मां की व्यथा सुनते मुख्यमंत्री योगी।

जमीन कब्जे की शिकायत

जनता दर्शन में बुलंदशहर से आए अर्धसैनिक बल के जवान ने अपनी जमीन कब्जे की शिकायत रखी। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आपके परिवार की जिम्मेदारी सरकार की है। उन्होंने अधिकारियों को मामले की जांच कर तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

शहर में आज

- ड्रमंड राजकीय इंटर कालेज में कैरियर मेला सुबह 10 बजे से।
- ज्योराह कल्यानपुर गांव से सरदार पटेल जयंती के उपलक्ष्य में पदयात्रा सुबह 10 बजे से।
- श्री बालाजी नीम करौली धाम कांशीराम ईदगाह कॉलोनी में दरबार दोपहर 12 बजे से।
- यातायात माह नवंबर के तहत शहर में जागरूकता कार्यक्रम सुबह 10 बजे से।
- भारतीय योग संस्थान की ओर से अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर योग शिविर सुबह 5 .30 बजे।

न्यूज ब्रीफ

छात्र को हमला कर पीटा, एफआईआर दर्ज

बीसलपुर, अमृत विचार : पुरानी रंजिश को लेकर एक छात्र को गांव के ही तीन लोगों ने एक अन्य व्यक्ति की मदद से घेराबंदी कर पीट दिया। ग्राम चौखंडी निवासी प्रेमपाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका पौत्र अर्जुन पुत्र सत्यवीर 10 नवंबर को सुबह करीब 11 बजे बरसिया ग्राम स्थित इंटर कॉलेज में परीक्षा देकर वापस आ रहा था। वह कक्षा 11 का छात्र है। इसी दौरान पुरानी रंजिश की वजह से गांव के मलखान, ओमकार, सत्यवान, रिछा बरेली के आकाश ने उसकी रास्ते में घेराबंदी कर जान से मारने की नीयत से पुलिया के पास लात घुसो डंडों से मारा पीटा और सीने पर तमंचा रख धमकाया। शोर पर गांव के धर्मवीर समेत कई लोग पहुंच गए। इस पर आरोपी धमकी देकर भाग गए। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

रावण वध लीला का किया गया मंचन

घुंघचिहाई, अमृत विचार : दुग्धाधारी मंदिर पर मथुरा वृंदावन से आए कलाकारों द्वारा रामलीला का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सोमवार को श्रीराम और रावण युद्ध की लीला का सजीव मंचन किया गया। रावण वध के बाद उसके पुतले का दहन किया गया। इस मौके पर मेला कमेटी अध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह, सौरभ प्रताप सिंह, नवीन प्रताप सिंह, बाबा प्रताप पुरी, प्रधान पति सुनील पासवान, अनिल अग्निहोत्री, सुविंदर सिंह, नछत्तर सिंह , नन्हे मिश्रा, आशीष सिंह, भानू प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह : पूरनपुर में एक दूजे के हुए 420 जोड़े

पहले बायोमैट्रिक सत्यापन फिर संपन्न कराए गए वैवाहिक संस्कार, विधायक समेत अन्य जनप्रतिनिधियों-अफसरों ने दिया आशीर्वाद व उपहार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

पूरनपुर में हुए सामूहिक शादी समारोह में भव्य पंडाल में मौजूद वर-वधु व उनके परिजन। ● अमृत विचार

अमृत विचार : पूरनपुर का श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल का मैदान सोमवार को गंगा-जमुनी तहजीब से ओतप्रोत सामूहिक विवाह समारोह का साक्षी बना। भव्य पंडाल के नीचे 412 जोड़े प्रणय सूत्र में बंधे। वहीं दूसरे पंडाल में आठ मुस्लिम जोड़ों का निकाह संपन्न कराया गया। एक पंडाल में मंत्रोच्चारण के बीच सात फेरे हुए और दूसरे पंडाल में मौलवी ने निकाह पढ़वाया। हजारों लोग इस विवाह समारोह के साक्षी बने। इस दौरान विधायक समेत अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अफसरों ने पुष्प वर्षा कर वर-वधुओं को सफल दांपत्य जीवन का आशीर्वाद दिया। वैवाहिक संस्कार संपन्न होने के बाद नवविवाहित जोड़ों को उपहार देकर विदा किया गया।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के चौथे चरण में सोमवार को पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र का सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। समारोह को लेकर पूर्व से तैयारियां चल रहीं थी। सामूहिक शादियों को लेकर भव्य पंडाल बनाया गया। वहीं मुस्लिम समुदाय के निकाह संपन्न कराने के लिए पास में ही एक अन्य पंडाल की व्यवस्था की गई। सोमवार सुबह से ही वर-वधु पक्ष समेत उनके रिश्तेदारों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। विवाह समारोह में व्यवस्थाएं छिन्न-भिन्न न हो, इसको लेकर पंडाल को सेक्टरवार बांटा गया। वर-वधुओं के बायोमैट्रिक सत्यापन के लिए 10 काउंटरों की व्यवस्था की गई थी। जहां बारी-बारी से जोड़ों ने पहुंचकर बायोमैट्रिक सत्यापन कराया और फिर पंडाल में पहुंचे। इस बीच विधायक बाबूराम पासवान ने समारोह स्थल पर पहुंचकर दीप प्रज्ज्वलन करने के साथ भगवान गणेश को पुष्प अर्पित कर शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने डीएम ज्ञानेंद्र सिंह के साथ पंडाल का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और वर-वधुओं पर पुष्प वर्षा कर उनके सुखी जीवन की कामना की।

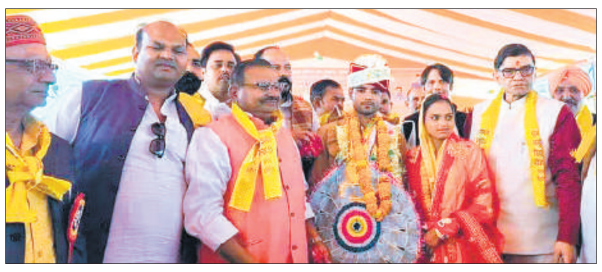

प्रणय सूत्र में बंधे जोड़े के साथ विधायक बाबूराम पासवान व डीएम ज्ञानेंद्र सिंह।

उन्होंने कहा कि गरीब एवं निर्धन परिवारों की बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक एवं धार्मिक रीति-रिवाज से संपन्न हो सके, इसके लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की शुरुआत की गई है। समारोह में भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, पालिका चेयरमैन शैलेंद्र गुप्ता, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अपूर्व सिंह, रितुराज पासवान, समाजसेवी संदीप खंडेलवाल, सुंदर लाल, बलवंत पासवान, सुनील शर्मा , प्रेमराज वर्मा आदि ने भी वर-वधुओं का हाल जाना और उन्हें सुखी दांपत्य जीवन का आशीर्वाद दिया। वहीं एडीएम न्यायिक रोशनी यादव, एसडीएम अजीत प्रताप सिंह, बीडीओ हेमंत कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी चंद्रमोहन विश्नोई आदि अफसरों ने भी प्रणय सूत्र में बंधे नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया।

विवाह समारोह को भव्य पंडाल में लेकर 120 विवाह वेदी स्थापित की गई। प्रत्येक विवाह वेदी पर 04-04 वर-वधुओं को बिठाया गया। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विवाह संस्कार शुरू हुए। पंडाल में मौजूद वर-वधुओं ने एक दूसरे को वरमाला पहनाई। इसके बाद कन्यादान की रस्म संपन्न हुई। विवाह वेदियों में अग्नि प्रज्ज्वलित होने के बाद मंत्रोच्चारण के बीच वर-वधुओं ने सात फेरे लिए। व्यवस्थाएं छिन्न-भिन्न न हो, इसको लेकर पंडाल को 07 सेक्टरों में विभाजित कर विवाह संस्कार संपन्न कराए गए।

समारोह में नहीं पहुंचे 45 जोड़े

समाज कल्याण विभाग की ओर से हुए विवाह समारोह में 465 शादियां संपन्न कराई जानी थीं। जिला समाज कल्याण अधिकारी चंद्रमोहन विश्नोई के मुताबिक सोमवार को हुए सामूहिक विवाह समारोह में 420 जोड़े ही शामिल हुए। इसमें 412 हिंदू जोड़े और 08 मुस्लिम जोड़े निकाह करने के लिए पहुंचे। 45 जोड़े समारोह में नहीं पहुंच सके।

अभिभावकों के आधार से जाएगी यूनिफार्म के लिए धनराशि

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **अभिभावकों के बैंक खातों के आधार पर भेजी जाएगी 1200 रुपये की राशि**

अमृत विचार : अब बच्चों का आधार कार्ड न होने पर भी डीबीटी का लाभ मिल सकेगा। शासन ने अब ऐसे बच्चों के अभिभावकों के आधार कार्ड के सत्यापन पर ही उन्हें डीबीटी का लाभ देने के निर्देश दिए हैं। ताकि वह योजना से वंचित न रह सके। नए शैक्षिक सत्र में योजना का लाभ देने के लिए विभागीय स्तर पर सर्वे शुरु कर दिया है। सर्वे के बाद 137255 बच्चों के खातों में धनराशि ट्रांसफर कर दी गई है। शेष के खाते में धनराशि भेजने की तैयारी पूरी कर ली गई है। जिससे जल्द ही भेज दिया जाएगा।

जनपद में परिषदीय विद्यालयों की कुल संख्या 1508 है, जिनमें 291 कंपोजिट, 928 प्राथमिक और 280 उच्च प्राथमिक विद्यालय शामिल हैं। इसके अलावा नौ कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय भी संचालित हैं, जिनमें कक्षा एक से आठ तक 162134 छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं।

शासन द्वारा प्रत्येक शैक्षिक सत्र में इन बच्चों को नए जूता-मोजे, यूनिफार्म सहित अन्य सामान खरीदने के लिए 1200-1200 रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई जाती है। इस राशि में 600 रुपये यूनिफार्म, 175 रुपये स्कूल बैग, 125 रुपये जूते- मोजे के अलावा स्वेटर के लिए 200 और स्टेशनरी के लिए 100 रुपये शामिल हैं। नवीन शैक्षिक सत्र 2025-26 में 162134 बच्चों के अभिभावकों के खाते में धनराशि भेजी जानी है। जिससे बच्चे सामान की खरीदारी कर सकें।

पहले बिना बच्चों के आधार कार्ड के डीबीटी की धनराशि नहीं दी जाती थी। मगर अब शासन ने इस व्यवस्था में बदलाव करते हुए बच्चों के अभिभावकों के आधार कार्ड से सत्यापन किया जाएगा। जिसके आधार पर धनराशि ट्रांसफर कर दी जाएगी। जिला समन्वयक सचिन चौधरी ने बताया कि अब डीबीटी के लिए बच्चों के अभिभावकों के बैंक खातों का विवरण ही जरूरी है। अभी तक बच्चों का आधार कार्ड जरूरी था। मगर अब धनराशि मिलेगी। शेष बच्चों के सत्यापन की प्रक्रिया चल रही है। शीघ्र ही शत प्रतिशत बच्चों को लाभ दिला दिया जाएगा।

शासन से सीनियर अफसर आने की दी थी जानकारी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **पीटीआर में परिवार संग तीन दिन की छुट्टियां बिताकर हुए रवाना मुख्य सचिव**
- **जिले के अफसरों को नहीं हुई कोई खबर, तीन दिनों में नहीं हो सके बाघ के दीदार**

अमृत विचार : प्रदेश के मुख्य सचिव एसपी गोयल पीलीभीत टाइगर रिजर्व में तीन दिन की छुट्टियां बिताकर रविवार को रवाना हो गए, लेकिन स्थानीय अफसरों को कानों-कान खबर तक नहीं हुई। यह दीगर बात है कि मुख्य सचिव और उनके परिवार को तीनों दिन बाघों के दीदार नहीं हुए। हालांकि रवानगी से पूर्व उन्होंने टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर के साथ जंगल सफारी का लुत्फ उठाया। मुख्य सचिव का दौरा बेहद गोपनीय रहा।

मुख्य सचिव एसपी गोयल बीते शुक्रवार को परिवार के साथ जनपद आए थे। दरअसल, बीते दिनों मुख्य सचिव कार्यालय से पीलीभीत टाइगर रिजर्व के वन अफसरों के पास फोन कॉल आई थी। इसमें किसी सीनियर अफसर के पहुंचने की जानकारी दी गई थी।

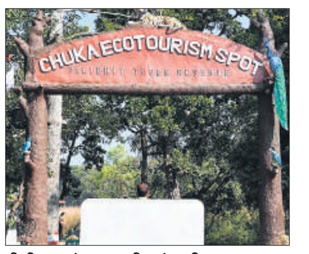

पीटीआर के चूका बीच में एंट्री करता सफारी वाहन।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ऑल इंडिया फॉरेस्ट स्पोर्ट्स मीट में भाग लेने गए हुए थे। ऐसे में मुख्य सचिव कार्यालय से जानकारी मिलने के बाद अन्य वन अफसरों की ओर से सीनियर अफसर के रहने-ठहरने के सारे इंतजाम कर लिए गए।

बीते शुक्रवार को मुख्य सचिव अपने परिवार के साथ तीन दिन के लिए यहां पहुंचे थे। खास बात यह रही कि मुख्य सचिव के आने की भनक जिला के आला अफसरों तक को नहीं लग सकी और न ही उन्हें मुख्य सचिव के आने की कोई सूचना दी गई थी।

दरअसल, मुख्य सचिव का कार्यक्रम बेहद गोपनीय रखा गया। बताते हैं कि मुख्य सचिव की कार पर लगने वाली नीली-बत्ती को भी हटवा दिया गया। इतना ही नहीं ड्राइवर से लेकर साथ आए कर्मचारियों भी सादा ड्रेस में देखे गए। बिना किसी तामझाम के पहुंचे मुख्य सचिव और उनके परिवार ने पहले दिन जंगल के गेस्ट हाउस में बिताया। बाकी दो दिन उन्होंने जंगल से सटे इलाके में बने एक रिसोर्ट में बिताए। इस दौरान मुख्य सचिव और उनके परिवार ने जंगल सफारी का भी आनंद लिया। मगर, बाघों के दीदार के मामले में मुख्य सचिव को निराशा ही हाथ लगी।

डिप्टी डायरेक्टर के साथ जंगल सफारी की

बताते हैं कि तीनों दिन में उन्हें बाघों के दीदार नहीं हुए। इधर जब पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह स्पोर्टस मीट से वापस लौटे तो उन्होंने टाइगर रिजर्व में ठहरे सीनियर अफसर के बारे में मालूमात की तो पता चला कि दो दिन से जिस अफसर को आवभगत हो रही है तो वह मुख्य सचिव सीपी गोयल और उनका परिवार है। रविवार को रवाना होने से पूर्व मुख्य सचिव ने डिप्टी डायरेक्टर के साथ जंगल सफारी कर पीलीभीत टाइगर रिजर्व का भ्रमण किया और रविवार दोपहर ही लखनऊ के लिए रवाना हो गए।

पूरनपुर चीनी मिल के पेराई सत्र की हुई शुरुआत

पेराई सत्र की शुरुआत पर मौजूद जनप्रतिनिधि व अधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: सहकारी चीनी मिल पूरनपुर के पेराई सत्र की शुरुआत हुई। रविवार को अखंड रामायण पाठ रखा गया था, जिसका सोमवार सुबह समापन हुआ। फिर यज्ञ संपन्न कराया। जिसमें जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने आहुतियां दीं।

तौल के लिए आई एक बैलगाड़ी एवं ट्रॉली का पूजन अतिथियों ने किया और गन्ने को पटले में डालकर मिल का बटन दबाकर शुरुआत कराई। चीनी मिल के संस्थापक पूर्व राज्य मंत्री डॉ. विनोद तिवारी, विधायक बाबूराम पासवान, सभापति/ डीएम ज्ञानेंद्र सिंह, उपसभापति बहादुर सिंह, पूर्व उपसभापति नूर मोहम्मद, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अपूर्व सिंह, एसडीएम अजीत प्रताप सिंह, मिल के प्रधान प्रबंधक टीपी पाल, सीसीओ अजय यादव, मुख्य अभियंता अशोक कुमार, मुख्य लेखाकार भुवनेश कुमार, मुख्य रसायन विद बालेंद्र सिंह यादव, मिल संचालक पूरनलाल, अवधेश कुमार आदि मौजूद रहे।

20 से भूख हड़ताल की दी चेतावनी

दियोरियाकलां, अमृत विचार: क्षेत्र के ग्राम सखिया में प्राचीन ब्रह्मदेव स्थल पर श्रद्धालुओं की आवाजाही और जिम्मेदारों द्वारा रोके जाने का मामला फिर गरमाता दिखाई दे रहा है। साधु संतों ने इसके खिलाफ भूख हड़ताल की चेतावनी दी है।

श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा मेला रामनगरिया पांचाल घाट फतेहगढ़ फर्रुखाबाद एवं संत समिति अध्यक्ष महाराज सत्य गिरि ने बताया कि दियोरिया कलां कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सखिया में प्राचीन ब्रह्मदेव स्थान है। वहां हजारों लोगों की आस्था जुड़ी है। पुलिस किसी उच्च अधिकारी की बात मानने को तैयार नहीं। उनका कहना है कि संपूर्ण समाधान दिवस में एएसपी ने भी कोतवाल को निर्देशित किया था कि किसी श्रद्धालु को नहीं रोकेंगे, फिर भी सोमवार को श्रद्धालुओं को परेशान किया गया। वाहनों के चालान किए। चौकी इंचार्ज और एक सिपाही पर बेवजह परेशान करने का आरोप लगाया। इसके खिलाफ 20 नवंबर से साधु संत भूख हड़ताल शुरू करेंगे।

विद्यार्थी विशेषज्ञों से संवाद कर चुनेंगे भविष्य की राह

कार्यालय संवाददाता,पीलीभीत

- **आज कैरियर मेले में जिले के 30 राजकीय कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ अभिभावक भी होंगे शामिल**

अमृत विचार : जिले के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में छात्रों का भविष्य संवारने की नई पहल शुरू होने जा रही है। मंगलवार को ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज में विद्यार्थियों को अपने मनपसंद कैरियर का रास्ता चुनने में अनुमान नहीं, बल्कि विशेषज्ञों की सीधी सलाह मिलेगी। प्रस्तावित कैरियर मेलों में विभिन्न सेक्टरों के एक्सपर्ट विद्यार्थियों और अभिभावकों से संवाद करते हुए उनकी योग्यता, रुचि और संभावनाओं के अनुरूप बेहतर विकल्प सुझाएंगे।

जिले में 30 राजकीय माध्यमिक विद्यालय हैं। इनमें पढ़ने वाले विद्यार्थियों को कैरियर संबंधित जानकारी देने व उनकी समस्याओं के समाधान के लिए मंगलवार को ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज में कैरियर मेले का आयोजन किया जाएगा। मेला ड्रमंड कॉलेज के प्रधानाचार्य संतोष कुमार की निगरानी में होगा। मेले में जिले के सभी राजकीय कॉलेजों के छात्र-छात्राएं हिस्सा लेंगे। जिनसे संवाद करने के लिए एक्सपर्ट को आमंत्रित किया गया। जिनमें पुलिस विभाग से अफसर, बीएसए, डॉक्टर, प्रवक्ता, अधिवक्ता, इंजीनियर समेत विभिन्न सेक्टर के अफसरों को बुलाया गया, जो छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद कर उनकी कैरियर संबंधित समस्याओं का समाधान करेंगे। छात्र-छात्राओं की क्षमता के तहत उनका पंसदीदा कैरियर चुनने में भी सहायता करेंगे। जिला समन्वयक प्रशांत कुमार ने बताया कि कैरियर मेले में छात्र-छात्राओं के साथ अभिभावकों को भी बुलाया गया है। इसके लिए राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को निर्देश दे दिए गए हैं।

शफी डिग्री कॉलेज में हुआ संगोष्ठी का आयोजन

बीसलपुर, अमृत विचार : शफी डिग्री कॉलेज में सोमवार को मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका संचालन बीएड विभाग की प्रशिक्षु श्वेता गुप्ता ने किया। डीएलएड की प्रशिक्षु मंजिल रस्तोगी ने बताया कि रजिया सुल्तान ने अपना जीवन राजनीति और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित किया। उन्होंने दिल्ली सल्तनत की पहली महिला सुल्तान बनने का गौरव हासिल किया। बीसीए के प्रवक्ता प्रियांशी सक्सेना ने बताया कि रजिया सुल्तान ने बहादुरी और साहस के साथ दुनिया में एक मिसाल कायम की है। इन्होंने दिल्ली सल्तनत में शिक्षा और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए। समन्वयक अनीस बेग ने भी विचार रखे। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. राजेन्द्र कुमार, फईम सिद्दीकी, रविन्द्र पाल सिंह गंगवार, चिरंजीव गंगवार, रिज़वान खान, मुकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

सुभाष हाउस ने जीती चैंपियनशिप, विजेता पुरस्कृत

दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे। ● अमृत विचार

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: पीलीभीत मार्ग स्थित मदर्स पब्लिक स्कूल में वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें सुभाष हाउस की टीम ने चैंपियनशिप पर कब्जा जमाया।

प्रतियोगिताओं की शुरुआत प्रधानाचार्य आरसी सेमवाल ने किया। कक्षा एक की दौड़ प्रतियोगिता में सूर्यांश प्रथम, अथर्व द्वितीय,पार्थ तृतीय रहे। कक्षा दो की स्पून रेस में रिषा प्रथम,फ़ातिमा द्वितीय,रुद्र तृतीय,कक्षा तीन में दौड़ प्रतियोगिता में आयांश प्रथम,अगमदीप द्वितीय,अभिराज तृतीय रहे।

कक्षा चार की 50 मीटर दौड़ में देव प्रथम,आयांश द्वितीय,अंश तृतीय,कक्षा पांच की 50 मीटर रेस में चिराग, दीपक और आदित्य संयुक्त रूप से विजेता रहे। कक्षा छह की सैक रेस में सोफिया प्रथम, स्पर्श द्वितीय,अल्सिफ़ा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संचालन दीप्ति ने किया। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

परीक्षा नजदीक, शिक्षक एसआईआर में व्यस्त

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **1499 शिक्षक चुनावी कार्य में व्यस्त, 28 नवंबर से 3 दिसंबर तक प्रस्तावित है परीक्षाएं**

अमृत विचार : जिले में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) की जिम्मेदारी निभा रहे 1499 शिक्षक अब अर्धवार्षिक परीक्षाओं के बीच दोहरी चुनौती से जूझ रहे हैं। एक ओर निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन तो दूसरी ओर 28 नवंबर से शुरू होने जा रही परीक्षाओं की तैयारी। ऐसे में विद्यालयों में शिक्षकों की कमी ने परीक्षा व्यवस्था से लेकर बच्चों की पढ़ाई तक को असंतुलन के कगार पर ला दिया है। स्थिति यह है कि कई विद्यालयों में पठन-पाठन प्रभावित हैञ। परीक्षा का संचालन भी विभाग के लिए कठिन राह बनता दिख रहा है।

जिले में इन दिनों निर्वाचन आयोग के निर्देश पर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य पूरी गति से चल रहा है। इस महत्वपूर्ण कार्य में अन्य विभागों के कर्मचारियों के अलावा बेसिक शिक्षा विभाग के भी 1499 परिषदीय शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। ये शिक्षक घर-घर जाकर मतदाता आवेदन फार्म वितरित कर रहे हैं और भरे हुए प्रपत्रों का संकलन भी कर रहे हैं। ऐसे में अध्यापकों का अधिकांश समय इसी प्रक्रिया में निकल रहा है, जबकि विद्यालयों में उनकी उपस्थिति न के बराबर रह गई है। उधर, जिले के 1499 परिषदीय विद्यालयों में एक लाख 62 हजार 134 बच्चे अध्ययनरत हैं। शासन के निर्देश पर इन बच्चों की अर्धवार्षिक परीक्षा 28 नवंबर से तीन दिसंबर तक संपन्न कराई जानी है, लेकिन एसआईआर कार्य चार दिसंबर तक चलता रहेगा।

ऐसे में शिक्षकों की कमी ने परीक्षा की पूरी तैयारी को पटरी से उतार दिया है। शिक्षकों की अनुपस्थिति से न केवल बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई है, बल्कि समय पर पाठ्यक्रम पूरा न हो पाने के कारण छात्रों में भी तैयारी को लेकर चिंता बढ़ी हुई है। कई विद्यालयों में तो हालत यह है कि परीक्षा संचालन और कक्षवार व्यवस्था बनाना भी चुनौतीपूर्ण हो गया है।

बताते हैं कि अधिकतर स्कूलों में एक ही शिक्षक है। इसलिए वहां की व्यवस्था अब शिक्षामित्र और अनुदेशकों के हवाले है। शिक्षा विभाग की परीक्षा को विधिवत और सुचारु रूप से कराने की राह और कठिन होती दिखाई दे रही है। ऐसे में निर्वाचन कार्य की व्यस्तता और परीक्षा की तात्कालिकता के बीच फंसे अध्यापक दोहरी जिम्मेदारी निभा रहे हैं, जिसके चलते इस बार की अर्धवार्षिक परीक्षाएं विभाग के लिए एक बड़ी परीक्षा जैसी साबित हो सकती हैं। प्रभारी बीएसए धरवेश सिंह ने बताया कि एसआईआर महत्वपूर्ण कार्य है। इसलिए स्कूलों के शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। परीक्षा की तैयारी भी चल रही है। स्कूल में कार्यरत अन्य शिक्षक पढ़ाई करा रहे हैं।

विद्यार्थियों ने किया विधानसभा का शैक्षिक दौरा

पीलीभीत, अमृत विचार: बेनहर पब्लिक स्कूल के छात्रों के एक समूह ने यूपी विधानसभा का शैक्षिक दौरा गुरुवार को किया। प्रबंध निदेशक डा. परविंदर सिंह सैहमी ने निर्देशन और क्रियान्वयन शिक्षक सुधीर त्रिवेदी ने किया। यात्रा की शुरुआत अपर जिला जज त्रिभुवन नाथ पासवान, अपर जिला जज सुनील कुमार ने संयुक्त रुप से हरी झंडी दिखाकर कराई। लखनऊ विधानसभा पहुंचने पर सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर कुश गुप्ता ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। लोकतंत्र को करीब से समझा। प्रधानाचार्या करिश्मा सैहमी ने कहा कि हमारा मानना है कि शिक्षा केवल कक्षाओं तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए। इस ऐतिहासिक दौरे ने हमारे छात्रों को पॉलिटिकल साइंस की किताब के पन्नो से बाहर निकलकर लोकतंत्र की जीवंत प्रक्रिया को समझने का मौका दिया।

तौल पर विराम, उठान का वैकल्पिक इंतजाम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **अधिकारी बोले- जल्द ही उठान में तेजी आने के बाद सुधरेंगे हालात**

अमृत विचार : सरकारी धान खरीद गति नहीं पकड़ पा रही है। सप्ताह भर से अधिक समय से सरकारी क्रय केंद्रों पर धान की तौल ठप पड़ी हुई है। केंद्रों पर खरीदे गए धान का उठान भी शुरू नहीं हो सका है। हालांकि अब अधिकारियों के निर्देश पर वैकल्पिक व्यवस्था शुरू करा दी है। हालांकि अभी इसको गति नहीं मिल सकी है। वहीं, धान के रिजेक्ट किए जाने को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं।

जिले में धान खरीद तीन अक्टूबर से शुरू हुई थी। पहले 132 क्रय केंद्र बनाए गए थे, जोकि बढ़ाकर 150 किए जा चुके हैं। 2.40 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद का लक्ष्य है। अभी दस फीसदी के आसपास धान खरीदा जा सका है। मंडी की आढ़तें भी सूनी पड़ने लगी है। धान की आवक कम हो गई है। इसका एक असर ये भी माना जा रहा है कि अभी खरीदे गए धान का उठान नहीं हो सका है। जिसकी वजह से क्रय केंद्रों पर टिनशेड धान की बोरियों से पट चुके हैं। सामने की तरफ सड़क पर भी धान का ढेर लगा हुआ है। मंडियां सोमवार को भी सूनी पड़ी रही। क्रय केंद्रों पर धान की ट्रालियां खड़ी रही लेकिन तौल अधिकांश पर नहीं हो रही थी। धान के उठान की समस्या का समाधान करने को कुछ वाहन लगाकर उठान शुरू करा दिया गया है। जिम्मेदारों का मानना है कि इससे जल्द ही तस्वीर बेहतर हो सकेगी। डिप्टी आरएमओ वीके शुक्ला ने बताया कि धान खरीद पारदर्शिता के साथ कराई जाएगी। धान के उठान को लेकर भी समाधान किया गया है, इसका असर जल्द ही दिखेगा। पूरनपुर क्षेत्र में किसान ने आत्मदाह तक करने की कोशिश की। इस मामले में माधोटांडा थाने में तहरीर दी गई थी। अधिकांश मामले पीसीयू के क्रय केंद्र से जुड़े निकले थे। इस पर जवाब तलब भी किया गया, लेकिन इसके बाद आगे की कार्रवाई नहीं हो सकी। इसे लेकर भी कई चर्चाएं तेज रही।

मंडी समिति में एक क्रय केंद्र से किया जाता धान का उठान। ● अमृत विचार

बीसलपुर में भी उठान न होने से दिक्कत

बीसलपुर, अमृत विचार : मंडी समिति परिसर में खोले गए 33 धान क्रय केंद्रों पर 3 अक्टूबर से तौल कराई जा रही है। अभी तक करीब 65 हजार क्विंटल धान की खरीद हो चुकी है। मगर, पिछले कई दिनों से धान का उठान न होने से समस्या आ रही है। टिनशेड खरीदे गए धान की बोरियों से पट चुके हैं। अधिकांश क्रय केंद्रों पर खरीद भी ठप पड़ी है। एमओ जय सिंह का कहना है कि वह प्रयासरत है कि शीघ्र ही धानों का उठान शुरू हो जाएगा। किसानों का धान भी खरीदा जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

बाइक और साइकिल में टक्कर, चार घायल

बीसलपुर, अमृत विचार : बरेली मार्ग पर ग्राम भड़रिया के पास बाइक और साइकिल की टक्कर हो गई। हादसे में चार लोग घायल हो गए। हादसा रविवार रात करीब नौ बजे हुआ। ग्राम अखौली के निवासी अभिषेक कुमार, सुमित कुमार बाइक से बीसलपुर आए थे। काम निपटा कर अपने घर जा रहे थे। भड़रिया मोड़ के पास पहुंचते ही सामने से आ रही साइकिल से टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार दोनों युवक और साइकिल सवार मोहल्ला बख्तावर लाल निवासी धर्मदेव, हसनैन घायल हो गए। सीएचसी से प्राथमिक इलाज के बाद अभिषेक और सुमित को हालत मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

चोरी की स्कूटी बरामद आरोपी भेजा जेल

पीलीभीत, अमृत विचार : चाय के ठेले के पास खड़ी स्कूटी चोरी करने वाला सुनगढ़ी पुलिस ने धर दबोचा। उसके पास से चोरी की गई स्कूटी बरामद कर जेल भेज दिया है। इंस्पेक्टर सुनगढ़ी नरेश त्यागी ने बताया कि 15 नवंबर को एक महिला जोकि असम चौराहा के पास चाय का ठेला लगाती है। उसकी स्कूटी चोरी हो गई थी। सुरागरसी के बाद आरोपी बरखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम बर्रामऊ निवासी हेमंत कुमार पुत्र नरेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया गया है। उसके कब्जे से चोरी की स्कूटी भी बरामद हुई है।

कार की टक्कर से ई-रिक्शा पलटा

घुंघचिहाई, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव मटेहना ताल्लुके घुंघचिहाई के रहने वाले मुकेश कुमार पुत्र नत्थू लाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 16 नवंबर की शाम पांच बजे अपना ई-रिक्शा लेकर घुंघचिहाई से अपने घर जा रहे थे। इस दौरान आरोप है कि पीछे से आ रही कार ने ई रिक्शा में टक्कर मार दी। विरोध करने पर कार सवार लोगों ने मारपीट की। ई रिक्शा खाई में पलटकर क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवती ने खाया जहर हालत गंभीर

बीसलपुर, अमृत विचार : दियोरियाकलां क्षेत्र की रहने वाली शीतल पुत्री जगदीश को परिवार वाले सोमवार को सीएचसी लेकर पहुंचे। उसने घर में रखे कीटनाशक का सेवन किया था। जिससे उसकी हालत बिगड़ गई थी। सीएचसी में प्राथमिक इलाज के बाद हालत गंभीर होने पर उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। इसकी जानकारी अस्पताल प्रशासन ने कोतवाली में भी दी है।

तीन दिवसीय स्काउट गाइड शिविर का समापन

संवाददाता, बरखेड़ा

- शिविर में विभिन्न गतिविधियों में कौशल और ज्ञान को बढ़ाया

अमृत विचारः आदेश ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस में चल रहे तीन दिवसीय स्काउट्स और गाइड्स प्रशिक्षण शिविर का सोमवार को समापन हो गया। मुख्य अतिथि बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद ने शुरुआत कराई। 110 स्काउट्स गाइड्स ने भाग लिया। विभिन्न गतिविधियों में कौशल और ज्ञान को बढ़ाया।

स्काउट गाइड ने टीम वर्क, नेतृत्व और समुदाय सेवा के बारे में सीखा और जन जागरूकता रैली के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, सड़क सुरक्षा, साइबर सुरक्षा आदि विषय को लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया। जिसमें थाना बरखेड़ा के दरोगा सुभाष चंद्र पाठक मौजूद रहे। स्काउट गाइड ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। नृत्य, गीत और नाटक शामिल रहे। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि ने स्काउट गाइड को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में डीएलएड प्रशिक्षुओं ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। इस मौके पर डीएलएड विभागाध्यक्ष अश्विनी भटनागर, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश कुमार गंगवार, राजेंद्र पाठक उर्फ राजू, डॉ. मनोज सिंधी, नीरज सिंह, अरविंद गंगवार, आईटीआई प्रधानाचार्य इंजीनियर निमित शर्मा, फार्मेसी प्रधानाचार्य उदय प्रकाश, संस्था के संरक्षक पीटीआई ओमप्रकाश गंगवार आदि मौजूद रहे।

सरदार पटेल की जयंती पर निकाली एकता तिरंगा यात्रा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : सरदार पटेल की जयंती पर शहर में निकाली गई एकता तिरंगा यात्रा और जनसभा को लेकर पहले से तैयारियां चलती रहीं। इसका रूट भी निर्धारित था और उमड़ने वाली भीड़ का आकलन भी हो चुका था। मगर, इसके बावजूद यात्रा की शुरुआत के बाद यातायात पुलिस की आधी-अधूरी तैयारी राहगीरों के लिए मुसीबत का सबब बन गई। अचानक ट्रैफिक रोकने के बाद कुछ ही देर में जाम के हालात बन गए और फिर राहगीर फंसकर रह गए। स्कूली वाहन और एंबुलेंस को भी निकलने की जगह नहीं मिल सकी। करीब पौन घंटे तक हाईवे पर आवागमन बाधित रहा।

पदयात्रा की शुरुआत कचहरी के आगे मामिनगंज गांव के पास से की गई। पदयात्रा के कचहरी से आगे की तरफ बढ़ते ही अचानक पुलिसकर्मियों ने नकटादाना चौराहा के पास पुलिसकर्मियों ने गौहनिया चौराहा की तरफ से आ रहे वाहनों को बैरियर लगाकर रोक दिया। करीब बीस मिनट तक वाहन चालक रोके गए। फिर जब यहां से रैली आवास विकास चौराहा की तरफ निकल गई। तब रोके गए वाहनों को छोड़ा गया। हालांकि तब तक लंबी कतार लग गई थी।

राम इंटर कॉलेज में जनसभा थी। ऐसे में गौहनिया चौराहा, से लेकर डिग्री कॉलेज चौराहा तक जाम की स्थिति बनी रही। वाहनों का लोड बढ़ते ही राहगीर जाम में फंसकर परेशान होते रहे। कई एंबुलेंस भी इस जाम में फंसी दिखी। जिनको निकलवाने के लिए पुलिसकर्मी जद्दोजहद करते दिखाई दिए। पूरे रूट पर सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए गए थे। सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी भी आगे चल रहे थे।

टनकपुर हाईवे पर नकटादाना चौराहा के पास वाहनों को रोकती पुलिस। ● अमृत विचार

- टनकपुर हाईवे पर जाम में फंसे राहगीर, स्कूली वाहन व एंबुलेंस को भी नहीं मिली जगह
- हाईवे से सटे मुख्य मार्गों पर भी अचानक वाहन पहुंचने से बिगड़े हालात

जाम खुलवाने के लिए जूझते दिखाई दिए पुलिसकर्मी

जब राम इंटर कॉलेज की तरफ रैली पहुंची तो हाईवे से सटे गांधी स्टेडियम रोड, रेलवे स्टेशन रोड, उपाधि कॉलेज मार्ग व आसपास के कई मार्गों पर भी जाम की स्थिति बनी रही। यात्रा व जनसभा में बसों, टेंपो और मैजिको से भी ग्रामीण अंचलों से लोग पहुंचे थे। उनके वाहन रामलीला मैदान की तरफ पार्क कराए गए थे। जिसकी वजह से जनसभा समाप्त होने प भीड़ निकली तो रामलीला मार्ग पर भी कुछ देर जाम की स्थिति बनी रही। पुलिसकर्मी भी जाम खुलवाने के लिए जूझते दिखाई दिए।

पदयात्रा में देशभक्ति गीतों की गूंज के साथ लहाराया तिरंगा

मोमिनगंज से राम इंटर कॉलेज पहुंचकर हुई संपन्न, फिर हुई जनसभा, राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने की अगुवाई, कई नेता हुए शामिल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में सोमवार सुबह शहर में भव्य एकता तिरंगा पदयात्रा निकाली गई। राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार की अगुवाई में निकाली गई पदयात्रा में बड़ी संख्या में लोग जुटे। देशभक्ति गीतों की गूंज के दौरान तिरंगा लहाराया। कई जगह स्वागत किया गया। अंत में विशाल जनसभा हुई, जिसमें राज्यमंत्री ने विपक्षी दलों पर जमकर सियासी निशाना साधा। बिहार में एनडीए की जीत से लेकर लोकल स्तर पर चल रही खींचतान पर भी खुलकर बात की गई।

पिछले कई दिनों से पदयात्रा और जनसभा को सफल बनाने की तैयारी चलती रहीं। सोमवार सुबह राज्यमंत्री की अगुवाई में टनकपुर हाईवे पर ग्राम मोमिनगंज से पदयात्रा शुरू की गई। जिसमें राज्यमंत्री के अलावा भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, मरौरी ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा, नगर पंचायत नौगवां पकड़िया की चेयरमैन संदीप कौर, जिला उपाध्यक्ष रेखा परिहार, नगराध्यक्ष इंद्रेश सिंह चौहान समेत कई नेता शामिल हुए। बड़ी संख्या में लोग जमा हुए थे। हाथों में तिरंगा लिए जनसमूह देशभक्ति गीतों की धुन के बीच नारेबाजी करते हुए चल रहा था।

एकता तिरंगा यात्रा में राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह व उमड़ी भीड़। ● अमृत विचार

पदयात्रा कचहरी तिराहा, नकटादाना चौराहा, आवास विकास चौराहा, ठेका चौकी तिराहा, गैस चौराहा होते हुए राम इंटर कॉलेज पर पहुंचकर संपन्न हुई। यहां पर समापन के मौके पर जनसभा की गई। जिसमें सरदार पटेल का नमन किया गया। राज्यमंत्री ने सरदार पटेल के योगदान पर विचार रखे। कहा कि आज भी सरदार पटेल के विचार दुनिया में हैं, उनको जीवन में अपनाएं। सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार में एनडीए को मिला बहुमत आगामी विधानसभा चुनाव 2027 का इशारा विपक्षी दलों को दे चुका है।

सपा मुखिया अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि 2024 में छल से कुछ सीटें जीतने के बाद फिर सपना देखने लगे हैं, मगर दिन में सपना देखने की आदत छोड़ देनी चाहिए। कहा कि अभी तक विकसित भारत के सपने को साकार होने तक वर्ष 2047 तक लगातार कमल खिलता रहेगा। स्थानीय स्तर मेडिकल कॉलेज, सड़कें आदि पर हुए विकास कार्यों को बताया। भरा पचपेड़ा में विकसित हो रहे औद्योगिक हब, नर्सिंग कॉलेज आदि सरकार के कार्य बताए। कहा कि जिस जगह पर कब्जा कराकर पूर्व की सरकारों के जनप्रतिनिधि कमाई करते थे, उस पर युवाओं को रोजगार देने के लिए औद्योगिक हब स्थापित कराया गया है।

एसआईआर को लेकर भी जागरूक किया। भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, दिनेश पटेल आदि ने भी विचार रखे। इस मौके पर संतोख सिंह संधू, कपिल अग्रवाल, अजय गोयल, संजीव मोहन अग्रवाल, जगदीश सक्सेना, स्वतंत्र देवल, बबलू चौहान, चेतन शर्मा, रतना शुक्ला आदि मौजूद रहे।

आज बरखेड़ा में निकाली जाएगी पदयात्रा : सरदार पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर मंगलवार को बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र में विशाल पदयात्रा एवं जनसभा का आयोजन किया जाएगा। इसकी शुरुआत सुबह दस बजे ग्राम ज्योरह कल्यानपुर से की जाएगी। पदयात्रा मुख्य मार्ग से होती हुई जूनियर हाई स्कूल बरखेड़ा मैदान पर पहुंचेगी। वहां पर एक बजे से सभा होगी। इसकी तैयारियां एक दिन पूर्व पूरी कर ली गई है।

राम इंटर कॉलेज मैदान पर जनसभा से पूर्व। ● अमृत विचार

आखिर किस पर साधा, कौन हैं आस्तीन के सांप

राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने राम इंटर कॉलेज ग्राउंड पर हुई जनसभा के दौरान सरकार की उपलब्धियों को बताया। बिहार विधानसभा चुनाव में मिली जीत से लेकर आगामी यूपी विधानसभा चुनाव तक बात रखी। इसी बीच वह बिना नाम लिए आस्तीन का सांप तक कह दिया गया। तंज कसते हुए कहा कि उनके भी बहुत शुभचिंतक हैं। जहां मौका मिले डसने से पीछे नहीं हटते हैं। शिकायतें भी किया करते हैं। इसकी भी उन्हें पूरी जानकारी है। मंच से कही गई उनकी ये बात चर्चा का विषय बनी रही।

फिर दिखी विजय की कुशल रणनीति की झलक

सरदार पटेल की जयंती पर शहर में निकाली गई पदयात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस पदयात्रा और जनसभा की जिम्मेदारी राज्यमंत्री के अनुज विजय सिंह गंगवार को दी गई थी। वह करीब 15 दिनों से इसे सफल बनाने के लिए तैयारियों में जुटे हुए थे। एक ओर कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गई, वहीं बूथ स्तर से लेकर सेक्टर तक लोगों को एकत्र करने की अलग रणनीति तैयार की गई थी। यह तैयारी विजय सिंह गंगवार ने उसी तरह से की थी, जिस तरह से वह राज्यमंत्री के चुनावों में करते आए हैं। अब पदयात्रा की सफलता के बाद उनकी कुशल रणनीति को लेकर भी सराहना की गई।

भाषण में इसमीत प्रथम, अतुल-मानसी ने रहे द्वितीय

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : स्प्रिंगडेल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वी जयंती के अवसर पर पोस्टर, रंगोली , निबंध और भाषण प्रतियोगिता कराई गई। कार्यकारी निदेशक डॉ. हेमन्त जगोता ने इसकी शुरुआत कराई।

उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है। यह हमारे भीतर के देशप्रेम, सृजनशीलता और जिम्मेदारी को भी जाग्रत करती है। सरदार पटेल ने जिस समर्पण और ईमानदारी से देश की सेवा की वैसी ही भावना हमें अपने जीवन और कार्यों में भी लानी चाहिए।

प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। ● अमृत विचार

प्राचार्य डॉ. इलयास अहमद ने कहा कि रंगों के माध्यम से छात्रों ने यह संदेश दिया कि विविधता में ही भारत की असली शक्ति है। रंगोली प्रतियोगिता में आकांक्षा, ज्योति प्रथम, जैसमीन, साक्षी द्वितीय, अपर्णा, अंकिता तृतीय, पोस्टर प्रतियोगिता में राहुल प्रथम, सत्यम द्वितीय अंजली तृतीय रहीं। निबन्ध प्रतियोगिता में कृतिका सक्सेना प्रथम , नंदनी गौतम द्वितीय व साक्षी सक्सेना तृतीय रही। भाषण प्रतियोगिता में इसमीत कौर प्रथम, अतुल व मानसी ने संयुक्त रूप से द्वितीय, तुषार व कृतिका संयुक्त रूप से तृतीय रही। इस मौके पर साक्षी सक्सेना, नैना गंगवार, सोनम, दिव्यांशी, काव्या, अनुष्का, प्राची, शुभम, दक्ष, निहारिका, अंशिका आदि मौजूद रहे।

प्रेमजाल में फंसाकर शोषण का आरोप

पीलीभीत, अमृत विचारः एसपी को दिए शिकायती पत्र में बंडा (शाहजहांपुर) क्षेत्र की एक महिला ने बताया कि उसके पति का निधन हो चुका है। आरोप है कि घुंघचाई क्षेत्र के एक युवक ने उसे प्रेमजाल में फंसाया और यौन शोषण किया। आरोपी ने नौकरी का झांसा देकर बड़े भाई के साथ कोर्ट मैरिज करा दी। आरोप है कि पति बाहर जाता था तो उसका जेठ शोषण करता रहा। विरोध करने पर मारने की धमकी दी जाती रही। सास-ससुर से शिकायत की गई तो जेठ शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाता रहा। जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डीडी ने उप प्रभागीय वनाधिकारी को सौंपी जांच

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- बराही रेंजर ने कॉल कर फारेस्टगार्ड को अपशष्द के साथ अटैच करने की दी धमकी
- एक दिन पूर्व सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी आडियो क्लिप, बराही रेंज का मामला

> वायरल आडियो का मामला संज्ञान में आया है। इस मामले में जांच कराई जाएगी। जांच उप प्रभागीय वनाधिकारी पूरनपुर को दी गई है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। -**मनीष सिंह**, डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व।

अमृत विचारः बराही रेंज में रेंजर द्वारा एक फॉरेस्ट गार्ड को फोन पर धमकी देने के मामले की जांच उप प्रभागीय वनाधिकारी पूरनपुर को सौंपी गई है। वन अफसरों का कहना है कि घुसपैठ का कोई मामला नहीं है, बल्कि रेंजर द्वारा दो वॉचरों को भेज गया था। इसी पर फारेस्ट गार्ड ने आपत्ति जताई थी। बता दें कि रेंजर द्वारा फारेस्ट गार्ड को धमकी देने की आडियो एक दिन पूर्व सोशल मीडिया वायरल हुआ था।

बीते रविवार को सोशल मीडिया पर वन विभाग से जुड़ा एक आडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिसके बाद वन महकमे में हड़कंप मच गया। वायरल आडियो बराही रेंज से संबंधित होना बताया जा रहा है। वायरल आडियो में बराही रेंज के रेंजर एक फारेस्ट गार्ड को अपशब्द कहने के साथ कार्रवाई की धमकी देते सुनाई दिए। आडियो क्लिप में रेंजर द्वारा चालाक बताने पर फारेस्ट गार्ड भेजे गए व्यक्तियों पर कार्रवाई की बात कह रहा था। उसका कहना था कि यदि उसके क्षेत्र में कोई नुकसान होता है तो वह उन व्यक्तियों के खिलाफ केस काट देगा। जिस पर रेंजर फारेस्ट गार्ड को अपशब्द कहने के साथ कार्रवाई के धमकी देते हुए रेंज आने की बात कहते हैं। जिस पर फारेस्ट गार्ड से इंकार करते हुए कहा कि जो कार्रवाई करनी है कर दीजिए। फारेस्ट गार्ड में यह भी कहा कि यदि किसी को भेजा जाए तो उसकी उसे सूचना भी दी जाए। आडियो वायरल होने के बाद महकमे में हड़कंप मच गया। वायरल आडियो को अवैध घुसपैठ का मामला होने की चर्चा भी तेजी से शुरू हो गई।

इधर टाइगर रिजर्व प्रशासन ने वायरल आडियो का मामला संज्ञान में लिया है। वन अफसरों ने अवैध घुसपैठ वाली बात पर सफाई देते हुए कहा कि मामला अवैध घुसपैठ से जुड़ा नहीं है। रेंजर द्वारा दो वॉचरों को संबंधित क्षेत्र में भेजा गया था। यह रेंजर के अधिकार क्षेत्र में भी आता है कि वह किसी भी कर्मचारी को भेज सकता है। फिलहाल इस पूरे प्रकरण में डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने जांच के निर्देश दिए हैं। इस मामले की जांच टाइगर रिजर्व उप प्रभागीय वनाधिकारी पूरनपुर रमेश चौहान को सौंपी गई है।

स्पष्टीकरण न देने वाले सचिवों पर होगी कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- आरआरसी सेंटरों का संचालन न होने पर डीपीआरओ ने तलब की रिपोर्ट
- 67 सचिवों को दिए थे नोटिस, निर्धारित समय में जवाब न देने पर होगी सख्ती

अमृत विचारः डीपीआरओ ने बीते दिनों आरआरसी सेंटरों का संचालन न करने वाली ग्राम पंचायतों के पंचायत सचिवों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए तीन दिन अंदर जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए थे। साथ ही उन्होंने सचिवों को आरआरसी सेंटर का संचालन करते हुए ओएसआर की धनराशि खाते में डालते हुए उसकी सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। बताते हैं कि कुछ सचिवों ने नोटिस का जवाब ही नहीं दिया। मामला संज्ञान में आने पर डीपीआरओ ने स्पष्टीकरणों के संबंध में रिपोर्ट तलब की है। ऐसे में अब स्पष्टीकरण न देने वाले सचिवों पर कार्रवाई की संभावना भी बढ़ गई है।

शासन ने गांवों को कचरा मुक्त बनाने के लिए के लिए जनपद की सभी 720 ग्राम पंचायतों में आरआरसी सेंटर बनाने के आदेश दिए हैं। विभाग के मुताबिक अब तक जनपद की 660 से अधिक ग्राम पंचायतों में आरआरसी सेंटर बन चुके हैं। जबकि शेष बची ग्राम पंचायतों में आरआरसी सेंटरों का निर्माण होने की बात कही जा रही है। गांवों के सार्वजनिक स्थलों से निकलने वाले कूड़े को एकत्र कर आरआरसी सेंटरों तक पहुंचना था। इसमें वर्मी कंपोस्ट पिट भी बनाए गए थे, ताकि केंचुए और गोबर डालकर खाद बनाई जा सके।

इधर करोड़ों रुपये खर्च कर आरआरसी सेंटरों का तो निर्माण करा दिया गया, लेकिन ग्राम पंचायतों में तैनात सफाई कर्मी गांवों से निकलने वाले कूड़े को आरआरसी सेंटरों में न डालकर इधर-उधर डाल रहे हैं। सिंगल यूज प्लास्टिक भी नालियों समेत जहां-तहां पड़ी दिखाई दे रही है। हालांकि आरआरसी सेंटरों के संचालन को लेकर जिलास्तर से संबंधित सचिवों को लगातार दिशा निर्देश भी दिए जा रहे हैं। आरआरसी सेंटरों का मामला संज्ञान में आने के बाद बीते दिनों डीपीआरओ रोहित भारती ने सभी सात ब्लाक के एडीओ पंचायत से आरआरसी सेंटरों के संचालन एवं उनसे अर्जित धनराशि (ओएसआर) की रिपोर्ट मांगी थी। प्राप्त रिपोर्ट में 250 से अधिक आरआरसी सेंटरों का संचालन ठप पाया गया। जिस पर डीपीआरओ की ओर से संबंधित ग्राम पंचायतों के 67 पंचायत सचिवों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए तीन दिन के अंदर आरआरसी सेंटर का संचालन करते हुए जवाब दाखिल करने के आदेश दिए गए थे।

बताते हैं कि कुछ पंचायत सचिवों ने आरआरसी सेंटरों का संचालन तो दूर, अपना स्पष्टीकरण तक नहीं भेजा। इधर मामला संज्ञान में आने पर डीपीआरओ ने संबंधित पटल सहायक से स्पष्टीकरण देने वाले सचिवों से संबंधित रिपोर्ट मांगी है। डीपीआरओ रोहित भारती ने बताया कि आदेश की अवेहना करने वालों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

गोमांस तस्करों तक नहीं पहुंच सकी पुलिस

घुंघचिहाई, अमृत विचार : गन्ने के खेत को स्लाटर हाउस की तर्ज पर इस्तेमाल कर रहे गोमांस तस्करों तक पुलिस नहीं पहुंच सकी है। तीन दिन में दो बार अवशेष मिलने पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर सुरागरसी शुरू कर दी है। मगर तीन टीमें गठित होने के बाद भी अभी गोमांस तस्कर हत्थे नहीं चढ़ सके हैं।

बता दें कि क्षेत्र में इन दिनों गोमांस तस्करों की सक्रियता उजागर हुई है। पहले शुक्रवार को मदारपुर गांव के गन्ने के खेत में गोवंशीय पशु के अवशेष मिले थे। इसकी एफआईआर दर्ज कर पुलिस जांच शुरू नहीं कर सकी थी कि दूसरी वारदात सामने आ गई। रविवार को दोबारा चंद कदम की दूरी पर गन्ने के खेत में वारदात की गई। एएसपी विक्रम दहिया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे थे। तीन टीमों का गठन किया गया है, जोकि तस्करों के बारे में सुराग जुटा रही हैं। विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता सिलसिलेवार तरीके से अंजाम दी गई घटनाओं पर आक्रोशित हैं और आंदोलन की चेतावनी दे चुके हैं। कई पुराने तस्करों के बारे में भी पुलिस पड़ताल कर रही है। इंस्पेक्टर प्रकाश सिंह ने बताया कि टीमें सुराग जुटा रही हैं, जल्द ही खुलासा किया जाएगा।

डीएम ने पूरनपुर मंडी समिति में धान खरीद केंद्रों का लिया जायजा

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने पूरनपुर स्थित मंडी समिति पहुंचकर धान खरीद केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंडी में मौजूद किसानों से वार्ता की। वहीं केंद्र प्रभारियों को तौल में तेजी लाने के निर्देश दिए।

डीएम ज्ञानेंद्र सिंह सोमवार को पूरनपुर में हुए सामूहिक शादी समारोह में गए हुए थे। इस दौरान उन्होंने मंडी परिसर पहुंचकर धान क्रय केंद्रों का भी औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंडी परिसर में मौजूद किसानों से बातचीत की और उनकी समस्याओं का संज्ञान लेते हुए जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी को निर्देशित किया कि जो भी किसान धान बिक्री के लिए केंद्रों पर आए हैं, उनकी तौल मानक के अनुरूप कराना सुनिश्चित की जाए।

पूरनपुर मंडी में किसानों से धान खरीद के संबंध में जानकारी लेते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह।

- किसानों से वार्ता कर केंद्र प्रभारियों को तौल में तेजी लाने के दिए निर्देश

किसानों से धान खरीदने में अनावश्यक देरी न की जाए। जिन किसानों की धान तौल नहीं हुई उसे शीघ्र किया जाएगा। कहा कि हम सभी का दायित्व है कि किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का पूर्ण लाभ दिया जाये। इस मौके पर जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी वीके शुक्ला, एसडीएम अजीत प्रताप सिंह, मंडी सचिव समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अमरिया में दो दुकानों में चोरी, पांच में की कोशिश

वायरल वीडियो ने खोली पुलिस की रात्रि गश्त की पोल, थाने से 300 मीटर दूर मुख्य बाजार में चोर घंटों बेखौफ ताले काटते रहे

संवाददाता, अमरिया (पीलीभीत)

अमृत विचार : कस्बा अमरिया में रविवार रात चोरों ने दस्तक दी और पुलिस की परेशानी बढ़ा दी। सराफा समेत दो दुकानों से चोर सामान समेट ले गए। जबकि अन्य पांच दुकानों पर चोरी की कोशिश की गई। खास बात रही कि थाने से महज 300 मीटर की दूरी पर मुख्य बाजार में चोर घंटों बेखौफ घूमते रहे। दुकानों के ताले काटते रहे और पुलिस को भनक तक नहीं लगी। सुबह दुकानें खुलीं तो व्यापारियों में हड़कंप मच गया। पुलिस गश्त के दावों पर चोरों ने सवाल खड़े कर दिए हैं।

अमरिया कस्बे में रविवार देर रात चोरी की घटनाओं ने बाजार में दहशत का माहौल बना दिया। मेन रोड स्थित सात दुकानों के ताले चोरों ने काट दिए। कस्बे में स्थित बालाजी ज्वैलर्स नामक दुकान को चोरों ने निशाना बनाया। ताला तोड़कर चोर भीतर घुस गए। यहां से सोने, चांदी के जेवरात, 30 हजार रुपये समेट ले गए। चोरों ने तिजोरी तोड़ने की कोशिश की लेकिन नाकाम रहे। सराफा कारोबारी के मुताबिक अगर तिजोरी टूट जाती तो बड़ा नुकसान हो सकता था। इसके बाद इकरार इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान को निशाना बनाया। जहां से चोरों ने 3500 रुपये का सामान समेटा। सोमवार सुबह जब व्यापारी दुकानें खोलने पहुंचे तो चोरी का पता चला। कुछ ही देर में भीड़ जमा हो गई। बताते है कि बीती रात कस्बे में ड्यूटी पर दरोगा और दो सिपाही मुस्तैदी का दंभ भर रहे थे, लेकिन उन्हें भी चोरी का पता नहीं चल सका। व्यापारियों ने इसे लेकर नाराजगी जताई। सूचना मलिने पर सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और जानकारी की। एसओजी और सर्विलांस टीम भी पड़ताल में जुटी रही।

घटनास्थल पर निरीक्षण करती सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल।

घटना स्थल पर लगी भीड़ व मौजूद पुलिस। ● अमृत विचार

दुकान में चोरी करते सीसीटीवी फुटेज।

सीसीटीवी में कैद हुई तस्वीर

चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले चोरों की तस्वीर सीसीटीवी में कैद हुई है। सराफा कारोबारी की दुकान में लगे सीसीटीवी में दो चोर दुकान में घुसते हुए दिखाई दे रहे हैं। जहां वह दुकान की दराज में रखे सोने-चांदी के जेवरात चोरी करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद वह तिजोरी खोलने की कोशिश करते रहे। इसके अलावा कस्बे में लगे अन्य सीसीटीवी में भी चोर कैद हुए हैं। अब पुलिस सीसीटीवी के आधार पर चोरों की तलाश में जुटी हुई है। साथ ही पुराने अपराधियों का भी रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है।

> चोरी की सूचना मिलने पर मौके पर गए थे। घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सुरागरसी को टीम लगाई गई हैं। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।
> **- नताशा गोयल**, सहायक पुलिस अधीक्षक/सीओ सदर।

पांच दुकानों के तोड़े ताले, बच गई चोरी

सर्राफा और इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान के अलावा चोरों ने अन्य दुकानों में भी निशाने पर लिया था। दोनों स्थानों पर चोरी करने के बाद कस्बे में राजीव कुमार की टेंट हाउस, राजेश ज्वैलर्स, शमा गारमेंट्स, कमर ब्रदर्स मोबाइल शॉप और कृपाल मेडिकल स्टोर के ताले भी काटे। हालांकि इन दुकानों से सामान चोरी नहीं हो सका। एक ही रात में आधा दर्जन से अधिक दुकानों में सेंधमारी से व्यापारियों में नाराजगी है। उनका कहना है कि पुलिस पिकेट होने के बाद भी अगर चोर ताले काटकर निकल जाएं तो बड़ा प्रश्नचिह्न है।

मुख्यमंत्री से की मुलाकात कई मुद्दों पर हुई बात

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से पूरनपुर विधायक के साथ मुलाकात करते गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय पूरनपुर के प्राचार्य। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● महाविद्यालय आगमन के लिए मुख्यमंत्री को दिया निमन्त्रण

अमृत विचारः गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय पूरनपुर के प्राचार्य डॉ. सुधीर शर्मा ने रविवार को पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान के साथ लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इस दौरान महाविद्यालय की पत्रावली पर वार्ता की गई। मुख्यमंत्री ने पत्रावली को निस्तारित कराने का आश्वासन दिया। महाविद्यालय आगमन के लिए मुख्यमंत्री को निमन्त्रण दिया गया।

प्राचार्य ने कहा कि गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय को अनुदान सूची पर लिया जाना न्याय संगत है। पूरनपुर क्षेत्र में कोई भी अनुदानित/राजकीय महाविद्यालय नहीं है, जिससे यहां के निर्धन छात्रों को उच्च शिक्षा ग्रहण करने में कठिनाई आ रही है। उन्होंने क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराते हुए मुख्यमंत्री से निवेदन किया कि इस पत्रावली पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए निस्तारण कराया जाए। बताया कि महाविद्यालय में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गन्ने की प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय स्तर के संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय में प्रतिवर्ष किया जा रहा है। बीएससी कृषि की कक्षाएं प्रारंभ हो चुकी है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग का संचालन भी महाविद्यालय में हो रहा है। प्राचार्य द्वारा किए गए विभिन्न कार्यों की भी जानकारी दी गई।

एलाइट अकादमी ने गुर्जर क्रिकेट अकादमी को हराया

जलालाबाद, अमृत विचारः काकोरी शहीद इंटर कॉलेज मैदान पर आयोजित अंडर-14 क्रिकेट लीग में सोमवार को एलाइट क्रिकेट अकादमी ने गुर्जर क्रिकेट अकादमी पर 10 विकेट से एकतरफा जीत दर्ज की। सुबह खेले गए मुकाबले में एलाइट क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। बल्लेबाजी के लिए उतरी गुर्जर क्रिकेट अकादमी शाह क्लब शाहजहांपुर की टीम सिर्फ 67 रन ही बना सकी। टीम की ओर से कृष्णा ने 15 और आर्यन ने 10 रन का योगदान दिया। एलाइट के गेंदबाजों में अंश तिवारी ने सबसे अधिक चार विकेट चटकाए, जबकि आरव ने तीन विकेट लेकर गुर्जर की पारी को जल्दी समेट दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए एलाइट क्रिकेट अकादमी की शुरुआत शानदार रही और टीम ने 17 ओवर में एक विकेट खोकर लक्ष्य आसानी से प्राप्त कर लिया।

क्रय केंद्रों पर लूट बंद न हुई तो आंदोलन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

कृषि भवन परिसर में पंचायत के बाद ज्ञापन सौंपने पहुंचे कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

● कृषि भवन में हुई मासिक पंचायत में उठी किसानों की समस्याएं, सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की मासिक पंचायत में किसानों से धान खरीद के नाम पर अवैध वसूली समेत कई अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई। पंचायत के बाद कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष की अगुवाई में डीएम को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा गया।

भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की मासिक पंचायत सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित कृषि भवन में हुई। पंचायत की अध्यक्षता करते हुए जिला प्रभारी दिनेश कुमार ने कहा कि जनपद में धान क्रय केंद्रों पर क्रय केंद्र प्रभारियों द्वारा किसानों से बारदाना आदि के नाम अवैध वसूली की जा रही है। जिला प्रशासन छापमार अभियान चलाकर केंद्र प्रभारियों पर कार्रवाई करें और फर्जी खरीद बंद तथा अवैध वसूली बंद कराए। कहा कि यदि किसानों के साथ लूट खसोट बंद नहीं कराई गई तो भाकियू आंदोलनात्मक कार्रवाई करने को बाध्य होगी।

पंचायत में यह भी कहा गया कि गन्ना किसानों का बकाया गन्ना मूल्य भुगतान आज भी बाकी है। ऐसे में भुगतान करने वाली बजाज चीनी मिल शाखा बरखेड़ा और शाखा मकसूदापुर पर गन्ना एक्ट के तहत कार्रवाई की जाए तथा किसानों का भुगतान अभिलंब दिलाया जाए। नहरों की सफाई कर टेल तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था की जाए। पंचायत के बाद कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष की अगुवाई में डीएम को संबोधित छह सूत्रीय ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा गया। संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष कृष्णा शर्मा ने किया। पंचायत में ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रसेन, पूरनलाल ,ज्वाला प्रसाद, हरे राम, हरेंद्र, मुन्ना, सोना देवी, अशोक, धर्मेंद्र समेत तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रामलीला में किया केवट संवाद का मंचन

संवाददाता, बिलसंडा

लीला का मंचन करते कलाकार। ● अमृत विचार

अमृत विचारः गांव बमरौली में आयोजित रामलीला में कलाकारों ने केवट संवाद और दशरथ मरण की लीला मंचन किया। लीला में दिखाया गया कि भगवान राम वनवास को जाते समय सरयू नदी के किनारे पहुंचते हैं।

नाव से नदी पार करने के लिए केवट से आग्रह करते हैं। केवट भगवान राम के पैर पखारकर नदी पार कराने की बात कहता है।भगवान राम केवट की मान लेते हैं। जिसके बाद भगवान के पैर धुलवाकर नदी पार कराता है। उधर राजा दशरथ भगवान राम के वन जाने से विचलित होते हैं। वह मंत्री सुमंत को भगवान राम को वापस लाने के लिए भेजते हैं, लेकिन भगवान राम यह कहकर मंत्री सुमंत को वापस कर देते हैं कि वह पिता के वचन को पूरा करने के बाद ही नगर में लौटेंगे। मंत्री सुमंत वापस अयोध्या लौट जाते हैं। पूरा वृतांत राजा दशरथ को सुनाते हैं। राजा दशरथ पुत्र वियोग सहन नहीं कर पाते हैं और प्राण त्याग देते हैं। मौजूद दर्शक लीला का मंचन देख भावुक हो जाते हैं। इस मौके पर अध्यक्ष संतोष सिंह, आयोजक अनिल मिश्रा, हरिओम मिश्रा, संतोष शुक्ला, विवेक अवस्थी, विकास अवस्थी आदि मौजूद रहे।

वाहन की टक्कर से बाकि सवार दंपती घायल

तिलहर, अमृत विचारः थाना रोजा क्षेत्र के गांव सल्लियां निवासी नरेंद्र सोमवार दोपहर अपनी पत्नी सुमन देवी के साथ बाइक से थाना तिलहर क्षेत्र के गांव खिरिया माल रिश्तेदारी में आ रहे थे। करीब डेढ़ बजे जब दंपती हाईवे पर स्थित गांव बिलहरी मोड़ के पास पहुंचा, तभी पीछे से आए अज्ञात वाहन ने बाइक में तेज टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई, जिससे नरेंद्र और उनकी पत्नी सुमन देवी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने एंबुलेंस सेवा को सूचना देकर मदद पहुंचाई। दोनों घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

हवालात में व्यक्ति को पड़ा दिल का दौरा, मचा हड़कंप

शाहजहांपुर, अमृत विचारः जलालाबाद के मोहल्ला नवीनगर निवासी गौरी शाह के सोनू और शाकिर सगे पुत्र हैं। दोनों भाइयों को अपने भाई गुड्डू से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। उनकी मां मुन्नी ने पांच भाइयों में से शाकिर और सोनू के नाम तीन बीघा जमीन रजिस्ट्री कर दी थी, जिससे भाइयों में विवाद चल रहा था। गुड्डू ने इस संबंध में थाना पर भाइयों के खिलाफ तहरीर दी थी। पुलिस ने शिकायत दर्ज की थी। पुलिस दोनों भाई सोनू और शाकिर को थाना पर सोमवार को बुलाया था। पुलिस ने दोनों भाइयों को हवालात में बंद कर दिया। हवालात में बंद होते ही शाकिर को अचानक दिल का दौरा पड़ गया। पुलिस कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गयी। पुलिस ने उसे मेडिकल कालेज में भर्ती कराया है।

दंपती को पीटा, पेशाब पिलाने का आरोप

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● गाय घर में घुसने पर हुआ विवाद एसपी ने घटना की जांच कराई

● शिकायत करने पर परौर पुलिस ने नहीं सुनी फरियाद

अमृत विचार : गाय घर में घुसने का विरोध करने पर दबंगों ने किसान और उसकी पत्नी को जमकर पीटा। आरोप है कि दबंगों ने पीड़ित को जूते में भरकर जबरन पेशाब पिलाया और जान से मारने की धमकी दी। विरोध करने पर पीड़ित की पत्नी से छेड़छाड़ की। शिकायत करने पर थाना प्रभारी ने पीड़ित को ही हड़का कर भगा दिया। सोशल मीडिया पर किसान ने अपनी व्यथा सुनाई तब मामला एसपी राजेश द्विवेदी के संज्ञान में आया है। एसपी ने मामले की जांच के निर्देश सीओ जलालाबाद को दिए हैं।

परौर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने बताया कि उसके दो बेटे और पांच बेटियां हैं। वह और उसकी पत्नी लोगों की जमीन बटाई पर खेतीबाड़ी करते हैं। 14 नवंबर को गांव के कुछ लोगों ने गोशाला से गायें छोड़ दी थीं। गायें उसके घर में घुस गईं। पीड़ित ने थाने में शिकायत की तो परौर पुलिस ने उसे फटकार लगाई। इससे दबंग रंजिश मानने लगे। 15 नवंबर को वह पत्नी के साथ खेत पर काम कर रहा था। तभी तीन चार आरोपी लाठी, डंडे लेकर पहुंचे। आरोपियों ने उससे पूछा कि अभी मारें या कल, इस पर पीड़ित ने कहा कि चाहे जब मार दो। इसके बाद आरोपियों ने उस पर हमला कर दिया। पत्नी ने बचाने का प्रयास किया तो उसके साथ छेड़छाड़ की। आरोप है कि दबंगों ने उसे जबरन जूते में भरकर पेशाब पिला दी।

थाने में नहीं सुनी फरियाद

पीड़ित ने बताया कि जब वह पत्नी के साथ रविवार को थाना परौर में शिकायत करने गया तो थाना प्रभारी ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। बल्कि उसे कसूरवार ठहराते हुए धमकाया। आरोप है कि दबंगों को एक नेता का संरक्षण प्राप्त है। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस अधिकारियों से शिकायत की है। मामला संज्ञान में आने पर एसपी राजेश द्विवेदी ने जांच के निर्देश सीओ जलालाबाद को दिए हैं।

घटना के बाद सदमे में परिवार

दबंगों की दहशत से पीड़ित किसान और उसका परिवार डरा हुआ है। किसान की हालत गंभीर बनी हुई है। उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज शाहजहांपुर में भर्ती कराया गया है। पीड़ित ने बताया कि यदि उसे न्याय न मिला तो वह गांव छोड़ देगा। फिलहाल सीओ मामले की जांच कर रहे हैं। एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।

NSNH NEW SHRI NARAYANA HOSPITAL

न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल

डा. प्रदीप कुमार
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
Retd. ACMO
जनरल सर्जन

डॉ. राम निवास
एम.बी.बी.एस. एम.डी.
(एनेस्थेसियोलॉजिस्ट)
जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ

डॉ. राजा गुप्ता
जनरल फिजिशियन

डॉक्टर्स पैनल

डा. प्रदीप कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन	डा. ओमवती एम.बी.बी.एस., डीजीओ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ	डा. अहमद अली अंसारी एम.बी.बी.एस. डी.सी.एच. नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
डा. राम निवास एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ	डा. कुन्दन कुमार एम.बी.बी.एस., एमसीएच न्यूरो सर्जन	डा. अमन अग्रवाल एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.सी.एच. गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ
डा. सुजाय मुखर्जी एम.बी.बी.एस., एम.एस. जनरल सर्जन एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन	डा. निशान्त गुप्ता एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. प्रिया सिंह एम.बी.बी.एस. डी.जी.ओ, डी.एन.बी. स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. आशुतोष कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. रहबर इदरीश बी.डी.एस. एमआईडीए लखनऊ मुख दन्त एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ	डा. राजा गुप्ता बी.ए.एम.एस. ई.एम.ओ.

उपलब्ध सुविधायें :
● सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज ● दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा गुर्दा (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा। ● छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त आपरेशन एवं जोड़ प्रत्यारोपण ● घुटना व कूल्हा बदलने की सुविधा उपलब्ध ● नॉर्मल डिलीवरी व दर्द रहित प्रसव एवं बच्चेदानी के समस्त प्रकार के आपरेशन ● बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों को इलाज ● वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त ICU, NICU

डॉ. विवेक कुमार मैनेजिंग डायरेक्टर

ठाकुर हरीश रावत चेयरमैन

समस्त प्रकार के दूरबीन व चीरे वाले ऑपरेशन की सुविधा
24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध
24/7 EMERGENCY SERVICES

लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास, निकट ओवर ब्रिज, बदायूँ रोड, बरेली

हेल्पलाइन नं. : 8057953868

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

न्यूज ब्रीफ

भाकियू का बिलोबी में धरना आज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष बाबा सर्वजीत सिंह पटेल ने बताया कि किसानों के बकाया गन्ना मूल्य भुगतान, वर्तमान पेराई सत्र का गन्ना मूल्य 500 रुपए घोषित कराने, निजामपुर गांव में आंबेडकर पार्क का सौंदर्यीकरण कराए जाने आदि समस्याओं को लेकर लखीमपुर के बिलोबी मैदान में भारतीय किसान यूनियन का 18 नवंबर मंगलवार को किसान पंचायत, धरना प्रदर्शन होगा। उन्होंने इसमें अधिक से अधिक किसानों के पहुंचने की अपील की है।

पांच दिवसीय रामलीला व रासलीला संपन्न

मैंगलगंज, अमृत विचार : फतेपुर क्षेत्र के गांव शिवपुरी में पांच दिवसीय रामलीला एवं रासलीला का भंडारे के साथ समापन हो गया। समापन पर भाजपा जिला मंत्री बृजेश सिंह, भाजपा नेता अमित सिंह ने शिरकत की। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष मन्नालाल राठौर, संतोष राठौर, संजय कान्त मिश्र, श्रीकृष्ण मौर्य, उदय प्रकाश मिश्र, शत्रोहन सिंह, मझिले सिंह आदि मौजूद रहे।

लायंस क्लब का रक्तदान शिविर कल

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : लायंस क्लब के अतुल अग्रवाल ने बताया कि क्लब द्वारा 19 नवंबर बुधवार को लखीमपुर रोड स्थित संजीवनी हॉस्पिटल में प्रातः 9.30 बजे से दोपहर एक बजे तक रक्तदान शिविर लगाया जाएगा, जिसमें मेडिकल कॉलेज लखनऊ का विशेष सहयोग रहेगा। उन्होंने रक्तदान दाताओं से शिविर में पहुंचकर रक्तदान करने की अपील की है।

सड़क दुर्घटना में तीन घायल, दो रेफर

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : क्षेत्र में अलग-अलग हुई सड़क दुर्घटनाओं में मूड़ा जवाहर निवासी रामकिशोर वाजपेई (28), मथुरानगर निवासी सोएब (24), कोढ़रा निवासी नीतू (34) पत्नी रामशंकर गंभीर घायल हो गए। घायलों को सीएचसी भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार न होने पर रामकिशोर बाजपेई, सोएब को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

बेखौफ दौड़ते ओवरलोड व ओवर हाइट वाहनों से खतरा

डग्गामार व ऑटो चालक ठूंस-ठूंसकर भरते हैं सवारियां, विभागीय कार्रवाई न होने से लगातार बढ़ रही हादसों की संख्या

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः जिले में सड़कों पर बेकाबू रफ्तार और परिवहन विभाग की लापरवाही मिलकर हादसों को खुला निमंत्रण दे रही है। जिले भर में ओवरलोड और ओवरहाइट गन्ना ट्रालियां, मिट्टी व भूसे से भरे डंफर तथा डग्गामार वाहन बिना रोक-टोक दौड़ रहे हैं। इन पर विभागीय कार्रवाई न होने से हादसों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

नेशनल हाईवे 730 हो या ग्रामीण मार्ग, हर जगह ओवरलोड वाहनों की भरमार देखने को मिलती है। मिट्टी, भूसी, बैगास और गन्ने से भरे भारी वाहन अक्सर इतनी ऊंचाई तक लदे होते हैं कि सड़क पर चलना खतरे से खाली नहीं रहता। तेज रफ्तार में मुड़ते वक्त कई बार वाहन संतुलन खो देते हैं और हादसे का कारण बन जाते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि संबंधित विभाग की खास मेहरबानी के चलते ऐसे वाहन कार्रवाई से बच जाते हैं। यही कारण है कि ये वाहन सड़कों पर बेधड़क दौड़ते हैं और किसी भी क्षण जानलेवा स्थिति पैदा कर देते हैं।

नेशनल हाईवे से वाहन में खुली मिट्टी ढोने के कारण होती है परेशानी।

नेशनल हाइवे से गुजर रहा ओवरहाइट वाहन। ● अमृत विचार

ओवरलोड ई-रिक्शा से ढोई जा रही सब्जियां व अन्य सामान।

> ओवरलोड और ओवरहाइट वाहनों की रोकथाम के लिए अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। इस साल अब तक बिना रिफ्लेक्टर के 125 और ओवरलोडिंग पर 733 वाहनों पर कार्रवाई की जा चुकी है। यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।
> –शांति भूषण पांडेय, एआरटीओ।

हाईवे पर ई-रिक्शा, डग्गामार जीप और ऑटो चालक भी बिना किसी भय के ओवरलोड सवारी भरकर फर्राटा भर रहे हैं। एक-एक वाहन में क्षमता से दोगुनी-तिगुनी सवारियां बैठाना आम बात हो गई है। इससे न केवल यात्रियों की जान को खतरा होता है बल्कि अक्सर सड़क दुर्घटनाओं में भारी जनहानि होती है।

हर दिन बढ़ रहीं दुर्घटनाएं, विभाग बेखबर

जिले में शायद ही ऐसा कोई दिन गुजरता हो जब ओवरलोड और अनियंत्रित वाहनों के कारण किसी की मौत या गंभीर चोट का मामला सामने न आए। दुर्घटना स्थल पर पुलिस मौके पर पहुंचकर औपचारिकताएं पूरी कर देती है, लेकिन हादसों को रोकने के लिए ठोस कार्रवाई कहीं नजर नहीं आती। स्थानीय लोग बताते हैं कि पुलिस भी इन वाहनों पर कार्रवाई करने से कतराती है क्योंकि अधिकांश वाहन परिवहन विभाग की छत्रछाया में चलते हैं। ऐसे में कार्रवाई के अभाव का खामियाज़ा आम जनता को अपनी जान देकर चुकाना पड़ रहा है।

बेधड़क दौड़ते वाहन बने सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा

संसारपुर। अगर समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो जिले में सड़क हादसों के आंकड़े और भी भयावह हो सकते हैं। ओवरलोड, ओवरहाइट और डग्गामार वाहनों पर नियंत्रण न होना परिवहन व्यवस्था की बड़ी विफलता है, जिसका खामियाज़ा आम जनता को अपनी जान जोखिम में डालकर भुगतना पड़ रहा है।

संसारपुर क्षेत्र में कई दर्दनाक हादसों के बाद भी नहीं जागे अफसर

संसारपुर : हाल ही में कस्बे के जय गुरुदेव आश्रम के पास चौकी क्षेत्र के राजेपुर निवासी 20 वर्षीय अंकुल कुमार की अज्ञात ओवरलोड वाहन की चपेट में आकर दर्दनाक मौत हो गई। मृतक अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। यह कोई पहला मामला नहीं है। जिले में ऐसे अनेकों उदाहरण मौजूद हैं जहाँ ओवरलोड वाहनों ने असमय ही लोगों की जिंदगी छीन ली। कस्बेवासियों का कहना है कि परिवहन विभाग की शिथिलता और संरक्षण के चलते वाहन मालिक नियमों की धज्जियां उड़ाते हैं। कई बार शिकायतों के बाद भी किसी तरह की सख्त कार्रवाई नहीं होती। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि ओवरलोड और ओवरहाइट वाहनों पर तत्काल रोक लगाई जाए। डग्गामार वाहनों की अनियमितता पर कठोर कार्रवाई हो। हाईवे और मुख्य सड़कों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया जाए। दुर्घटना रोकने के लिए परिवहन विभाग की जवाबदेही तय की जाए।

फोन पर गाली गलौज व जान से मारने की दी धमकी

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचारः नगर की लखीमपुर रोड स्थित बादल नगर कॉलोनी निवासी शिक्षक सुधीर प्रताप सिंह ने एसपी संकल्प शर्मा को भेजे रजिस्टर्ड पत्र में कहा है कि उन्होंने नगर के मोहल्ला राजेंद्र नगर निवासी सौरभ गुप्ता पुत्र राकेश कुमार गुप्ता को 10 नवंबर 2019 को उसकी बेटी के इलाज के लिए 10 हजार रुपए उधार दिए थे। काफी समय बीत जाने के बाद जब उन्होंने रुपए नहीं लौटाए तब उन्होंने उधार के रुपए लौटाने को कहा तो वह टालमटोल करते हुए आगे की तारीख को दे दूंगा कहकर बात डालता रहा। छह वर्ष हो गए पर उसने अभी तक रुपए नहीं वापस किए। पांच नवंबर बुधवार को शाम सात बजे सौरभ गुप्ता ने फोन कर उन्हें गालियां देते हुए कहा वह रुपए नहीं लौटा पायेगा, जो करना हो कर लो। ज्यादा रुपए के लिए कहोगे तो जान से भी हाथ धोना पड़ेगा। उन्होंने नानक पुलिस चौकी में शिकायत की पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित ने एसपी को शिकायती पत्र भेजकर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

बिखरते परिवारों को काउंसलिंग से मिला सहारा

- मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत महिला थाने में हुई काउंसलिंग
- चार बच्चों के पिता की शराब की लत से टूट रहा था परिवार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः महिला थाना में मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के तहत पारिवारिक विवादों को सुलझाकर बिखरते घरों को बचाने का प्रभावी प्रयास किया जा रहा है। थानाध्यक्ष महिला थाना शिल्पी शुक्ला और काउंसलर कय्यूम ज़रवानी ने संयुक्त रूप से 10 दंपतियों की काउंसलिंग कराकर उन्हें पुनः साथ रहने के लिए प्रेरित किया।

सीतापुर के थाना लहरपुर क्षेत्र की अनीता ने पति गुड्डू के खिलाफ शराब पीकर मारपीट का आरोप लगाया था। चार बच्चों के माता-पिता इस दंपति के बीच लगातार विवाद चल रहा था। प्रभारी निरीक्षक महिला थाना ने प्रकरण पर गंभीरता दिखाते हुए महिला आरक्षी बबली पवार को दोनों पक्षों को बुलाने के निर्देश दिए। काउंसलिंग के दौरान पति ने अपनी गलती स्वीकार की और पत्नी को भरोसा दिया कि वह भविष्य में शराब छोड़कर परिवार को प्राथमिकता देगा। बातचीत के बाद दोनों साथ रहने के लिए तैयार हो गए और पति अपनी पत्नी व बच्चों को घर ले गया।

महिला थाना पर सुनवाई करतीं थानाध्यक्ष शिल्पी शुक्ला। ● अमृत विचार

दूसरा मामला : छह वर्ष से अलग रह रही पत्नी घर लौटी

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मीरपुर की राजकुमारी छह वर्षों से मायके में रह रही थी। पति राहुल वर्मा पर उसने फोन और मेल द्वारा मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया था। महिला आरक्षी सुमन लता द्वारा दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया। काउंसलिंग में पति ने पुनः कभी प्रताड़ित न करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद राजकुमारी ने किसी कानूनी कार्रवाई से इंकार किया और आपसी सहमति बनी।

10 जोड़ों के रिश्ते सुधरे, पांच मामलों में दिया सोचने का समय

काउंसलिंग के दौरान 10 दंपतियों की विदाई कराई गई, जबकि पांच जटिल मामलों में दंपतियों को विचार के लिए समय दिया गया। महिला थाने में आयोजित बैठक में उपस्थित परिवारों को महिलाओं से जुड़े हेल्पलाइन नंबर, कन्या सुमंगला योजना, सामूहिक विवाह योजना, निराश्रित पेंशन सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में महिला आरक्षी सुमन लता, बबली पवार, सारिका चौहान सहित कई परिवारजन उपस्थित हुए। महिला थाना लखीमपुर का यह प्रयास सामाजिक समरसता और महिला सुरक्षा की दिशा में एक प्रेरक उदाहरण बन रहा है।

डीएम ने की राजनीतिक दलों के साथ बैठक

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित हुई। बैठक का संचालन एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने किया।

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करतीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल।

- मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण पर दिए निर्देश

डीएम ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अनुसार 04 नवंबर से 04 दिसंबर तक बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित करेंगे और मतदाताओं से भरे हुए प्रपत्र वापस प्राप्त करेंगे। गणना प्रपत्र के प्रथम भाग में मतदाता का नाम, एपिक संख्या, भाग संख्या, क्रम संख्या, विधानसभा क्षेत्र का नाम व फोटो पहले से ही अंकित रहेगा। बताया कि मतदाता अपने और अपने परिजनों का वर्ष 2003 की मतदाता सूची का रिकॉर्ड भारत निर्वाचन आयोग के पोर्टल पर देख सकते हैं। जो मतदाता गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ को लौटाएंगे, उनके नाम आलेख्य निर्वाचक नामावली में शामिल किए जाएंगे। बीएलओ द्वारा एक प्रतिलिपि अपने पास सुरक्षित रखी जाएगी, जबकि दूसरी पर हस्ताक्षर कर मतदाता को पावती दी जाएगी।

एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि कि वर्ष 1951 से 2004 तक कुल आठ बार विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण हो चुका है। प्रदेश में अंतिम पुनरीक्षण वर्ष 2003 में हुआ था। प्रवासन, मृतकों के नाम हटाने में त्रुटि, एक व्यक्ति का नाम विभिन्न स्थानों पर दर्ज होना तथा विदेशी नागरिकों के नाम गलती से शामिल होने जैसी स्थितियों को सुधारने के लिए यह पुनरीक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मगरमच्छ व रैट स्नेक को पकड़ नाले व जंगल में छोड़ा

मगरमच्छ को पकड़कर ले जाती दुधवा की मोटीवेटर व अन्य।

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचारः दुधवा टाइगर रिजर्व प्रभाग के ग्राम मटहिया में एक स्थान पर मगरमच्छ तो दूसरे निकट के एक कृषि फार्म पर रेट स्नेक सर्प की मौजूदगी के बारे में किसानों ने दुधवा के अधिकारियों को सूचना दी।

दुधवा बाघ संरक्षण फाउंडेशन के अंतर्गत कार्यरत मोटीवेटर नाजरुन निशा को तत्काल पहुंच रेस्क्यू ऑपरेशन कर पकड़ने के निर्देश दिए गए। उन्होंने तत्काल मौके पर पहुंच कर एक दिन में दो बड़े रेस्क्यू ऑपरेशनों को अंजाम दे, मगरमच्छ को मटहिया के तालाब के पास से पकड़कर दुधवा के नकौवा नाले में ले जाकर छोड़ा, वहीं रैट स्नेक सर्प को पकड़कर प्राकृतिक वासस्थल दुधवा जंगल में ले जाकर अवमुक्त किया। उनके सफल रेस्क्यू ऑपरेशन की ग्रामीणों व वनकर्मियों ने प्रशंसा की।

पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से एक बदमाश घायल, दूसरा गिरफ्तार

संवाददाता, उचौलिया

अमृत विचारः थाना क्षेत्र में रविवार देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में एक आरोपी गोली लगने से घायल हो गया, जबकि दूसरा बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़ गया। घटना के दौरान तीसरा आरोपी मौके का फायदा उठाकर फरार होने में सफल रहा। पुलिस के मुताबिक तीनों बदमाश 11 अक्टूबर को बढ़ैयां छोलाबारी के पास हुए लूटकांड में शामिल थे, जिसमें हरदोई निवासी एक दंपती से सामान और नकदी लूटी गई थी।

रविवार रात पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि तीन संदिग्ध युवक एक बाइक पर सवार होकर जंगबहादुरगंज मार्ग पर सेंडा गांव की मोड़ की तरफ जा रहे हैं। उचौलिया और

मुठभेड़ के बाद घटना स्थल पर मौजूद सीओ मोहम्मदी और इंस्पेक्टर उचौलिया।

- तीसरा अंधेरे का फायदा उठाकर हो गया फरार

जंगबहादुरगंज पुलिस ने संयुक्त रूप से घेराबंदी कर संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया। जैसे ही पुलिस ने उन्हें रुकने का संकेत दिया, बाइक पर बैठे एक बदमाश ने अचानक पुलिस पर फायर झोंक दिया। पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिससे एक बदमाश के पैर में गोली लगी और वह गिर पड़ा।

बाकी दो बदमाश भागने लगे, जिनमें से एक को पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ लिया। तीसरा बदमाश अंधेरे और खेतों का सहारा लेकर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार घायल बदमाश की पहचान अरमान पुत्र इसरार निवासी कुंवरपुर, थाना पिहानी (हरदोई) के रूप में हुई है। उसे पुलिस ने तत्काल जिला अस्पताल भिजवाया जहां उसका इलाज चल रहा है। दूसरा आरोपी मंगू उर्फ राजेश पुत्र फकीरे निवासी रहीमपुर (उचौलिया) को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया। फरार बदमाश की तलाश में चार पुलिस टीमें लगाई गई हैं। जांच में बदमाशों पर कई थानों में मुकदमे दर्ज होने की बात सामने आई है।

इसी बाइक पर सवार थे बदमाश।

पुलिस ने तमंचा, कारतूस, सोने का टुकड़ा और नकदी की बरामद

पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से 315 बोर का एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस, कान के झाले का पीली धातु का टूटा टुकड़ा और 1200 की नकदी बरामद की है। हालांकि, ग्रामीणों के बीच यह चर्चा भी है कि तीन आरोपियों के पास सिर्फ एक तमंचा और एक कारतूस होने के बावजूद मुठभेड़ कैसे हो गई, लेकिन पुलिस इसे अचानक हुई प्रतिक्रिया बता रही है।

11 अक्टूबर को हरदोई के दंपती से हुए लूटकांड में शामिल थे तीनों आरोपी

पुलिस ने बताया कि 11 अक्टूबर को बढ़ैयां छोलाबारी के पास हरदोई के उमरखेड़ा निवासी मुनीष अपनी पत्नी के साथ बाइक से जा रहे थे। तभी तीन बदमाशों ने उन्हें रोककर नकदी और सामान लूट लिया था। पुलिस को घटनास्थल से मिले सुराग और मोबाइल सर्विलांस के आधार पर तीनों पर संदेह था। रविवार रात पकड़े गए दोनों बदमाशों ने पूछताछ में लूट में शामिल होने की बात कुबूल की है।

अवसर

मित्रों और परिजनों को फोन कर सुनाई दुधवा की वन संपदा की रोचक दास्तान, पार्क प्रशासन ने बढ़ाई निगरानी

जंगल सफारी के दौरान पर्यटकों ने एक साथ देखे तीन बाघ

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचारः दुधवा के पर्यटन क्षेत्र में सोमवार की सुबह दिल्ली, लखनऊ और बरेली से आए पर्यटक सफारी से जंगल में सैर कर रहे थे। इस दौरान उन्हें घने जंगल के बीच रास्ते में चहलकदमी करते हुए तीन बाघ दिखाई दिए। इन्हें देखकर पर्यटक झूम उठे। कुछ दूरी पर गाड़ी रोक कर बाघों को निहारते रहे और फोटो व वीडिओ बनाते रहे। पर्यटकों को ऐसा दृश्य देखने को मिला कि जीवनभर के लिए यादगार बन गया।

दुधवा टाइगर रिजर्व के गाइडों और वाहन चालकों ने इस दौरान पूरी चौकसी बरतते हुए वाहनों को सुरक्षित दूरी पर रोके रखा। पर्यटक मोबाइल और कैमरों में इस अनमोल दृश्य को कैद करते रहे, लेकिन इस दौरान किसी को वाहन से उतरने की अनुमति नहीं दी गई। पर्यटकों के अनुसार, जंगल की घनी झाड़ियों से पहले दो बाघ धीरे-धीरे सड़क पर आए और आराम से चलने लगे। कुछ ही क्षण बाद बाईं ओर की घास से निकलकर तीसरा बाघ अचानक बाहर आ गया। एक साथ तीन बाघों को आगे-आगे चलते देखकर सफारी गाड़ियों में बैठे पर्यटक खुशी से झूम उठे।

- अफसरों ने बताया, बढ़ती बाघ संख्या का सकारात्मक संकेत

> एक साथ तीन बाघों की साइटिंग यहां बाघों की स्वस्थ और स्थिर जनसंख्या का संकेत देती है। इसे एक पारिवारिक समूह की गतिविधि माना जा सकता है, जो दुधवा के लिए सकारात्मक खबर है।
> –जगदीश आर, उप निदेशक, दुधवा टाइगर रिजर्व।

तीन बाघों की की जानकारी मिलते ही दुधवा पार्क का प्रशासन सतर्क हो गया। दक्षिण सोनारीपुर रेंज के अधिकारी सुरेंद्र कुमार ने अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को उस क्षेत्र में गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने पर्यटकों को निर्धारित मार्ग से ही सफारी करने की सख्त हिदायत भी दे दी।

दुधवा टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक कार्यालय के वरिष्ठ सहायक रमेश कुमार ने बताया कि जाड़े के मौसम में सुबह ठंड बढ़ने पर बाघ अक्सर जंगल के रास्तों और खुली सड़कों पर चहल-कदमी करते नजर आते हैं। यह मौसम बाघों की साइटिंग बढ़ने का सबसे उपयुक्त समय है।

सुरक्षा मानकों के पालन की अपील

दुधवा रेंजर ने भी बताया कि पर्यटकों के लिए ऐसी साइटिंग बेहद उत्साहजनक है। उन्होंने कहा कि टूरिस्ट सीजन की यह शुरुआत रोमांचकारी है, लेकिन साथ ही सुरक्षा नियमों का पालन अत्यंत आवश्यक है। किसी भी पर्यटक को वाहन से नीचे उतरने या बाघों के नजदीक जाने की अनुमति नहीं है।

पर्यटकों में खुशी, फोन कर बताने लगे

सफारी समाप्त होने के बाद जब पर्यटक वापस लौटे, तो उनमें खुशी का ठिकाना नहीं था। वे अपने-अपने रिश्तेदारों, मित्रों और परिचितों को फोन करके दुधवा में लगातार मिल रही बाघों की शानदार साइटिंग की जानकारी साझा कर रहे थे। कई पर्यटक इस अनुभव को अपने जीवन का सबसे यादगार पल बताते नजर आए।

रन फॉर यूनिटी पदयात्रा आज सुबह ममरी से होगी शुरू

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचारः सरदार बल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर रन फॉर यूनिटी पदयात्रा विधायक अमन गिरि के नेतृत्व में मंगलवार को ममरी से सुबह 10 बजे शुरू होगी। एकता पदयात्रा मोहम्मदी रोड नए बाईपास चौराहा, अशोक चौराहे, लखीमपुर रोड होते हुए नगर के सीजीएन पीजी कॉलेज में सभा के बाद समाप्त होगी। अमीरनगर व मढ़िया सड़क पर विधायक अमन गिरि ने पैदल यात्रा को लेकर बैठक की। अमीरनगर की बैठक में पूर्व प्रधान संदीप सिंह, पूर्व प्रधान रिंकू सिंह, प्रधान पप्पू, जिला पंचायत सदस्य तोहिद खान, सच्चिदानंद शुक्ला, आत्मानंद शुक्ला, पुनीत मिश्र, शाहिद खान आदि मौजूद रहे।

सशस्त्र सीमा बल ने लगाया पशु चिकित्सा शिविर

पशु चिकित्सा शिविर में बीमार पशु और एसएसबी की पशु चिकित्सक। ● अमृत विचार

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार : नेपाल सीमावर्ती गांव सुमेर नगर के मजरा बहादुर नगर में सोमवार को सशस्त्र सीमा बल ने पशु चिकित्सा शिविर लगाया। निकटवर्ती गांवों के अनेक बीमार पशुओं को बल की पशु चिकित्सक ने देखकर दवा दी। यह शिविर एसएसबी 39 वीं वाहिनी के कार्यवाहक कमांडेंट द्वितीय कमान अधिकारी माधव चंद्र घोष के निर्देश पर लगा। पशु चिकित्सक डॉ. शालिनी परिहार ने बीमार पशुओं गाय, भैंस, बकरी, कुत्ता आदि का इलाज किया।

न्यूज ब्रीफ

तेंदुआ दिखने से ग्रामीणों में खौफ

केशवापुर, अमृत विचार : वनरेंज मोहम्मदी की बिलहरी वनबीट क्षेत्र के दर्जनों गांवों में वन्यजीवों ने अपना ठिकाना बनाया हुआ है। रविवार शाम केशवापुर कस्बे के निकट केशवापुर ढकवा मार्ग पर एक तेंदुआ की चहल कदमी करते दिखा, जिसका वीडियो एक राहगीर ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया है। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने वीडियो देखकर तेंदुआ होने की पुष्टि की है। खेत पर काम करने गए मजदूरों को सतर्क रहने और समूह में रहने की चेतावनी दी है। क्षेत्र के ग्रामीणों में डर का माहौल बना हुआ है, ग्रामीण खेतों में जाने से डर रहें हैं।

हादसे में बाइक सवार की मौत, दूसरा घायल

खमरिया, अमृत विचार : कस्बा क्षेत्र के पीलीभीत बस्ती हाईवे पर महरिया के निकट मैजिक ने एक बाइक को टक्कर मार दी। इससे 20 वर्षीय बाइक सवार प्रमोद पुत्र चंद्रपाल निवासी ग्राम रामलोक थाना ईसानगर व साथी सुमित सिंह पुत्र अमर सिंह घायल हो गए। खमरिया पुलिस ने घायलों को सीएचसी भेजा, जहां पर प्रमोद को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद मौके से भाग रहे चालक को मैजिक सहित खमरिया पुलिस ने रेहुआ गांव के पास पकड़ लिया।

दो वांछित आरोपियों को किया गिरफ्तार

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कोतवाली पुलिस ने पोक्सो एक्ट के वांछित आरोपी धरमू अहमदाबाद ग्रंट व एक अन्य मामले में वांछित मनोज वर्मा निवासी श्याम कन्हैया कॉलोनी को गिरफ्तार कर चालान भेज दिया है।

कार में तोड़फोड़ करने पर शांतिभंग में चालान

पुवायां, अमृत विचार : गांव नाहिल निवासी गुरजीत ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शुक्रवार दोपहर वह अपने साथी गुलजार सिंह व अन्य लोगों के साथ शाहजहांपुर जा रहे थे। मोहम्मदी रोड फ्लाईओवर पर सात युवकों ने उनकी कार रोककर गाली-गलौज की और मारपीट करते हुए वाहन में तोड़फोड़ कर दी। पुलिस ने नवदीप सिंह, लवप्रीत सिंह, शिवांग, गुरप्रीत और प्रिंस को हिरासत में लिया। मामले में प्राथमिकी दर्ज किए बिना ही पुलिस ने आरोपियों का शांतिभंग में चालान कर दिया है।

घर वालों को बंधक बनाकर लाखों की लूट

रविवार रात छह-सात सशस्त्र बदमाशों ने दिया घटना को अंजाम, जेवर और नकदी लेकर फरार

संवाददाता, अमीरनगर (लखीमपुर खीरी)

अमृत विचारः मोहम्मदपुर गांव में रविवार देर रात बदमाशों ने जिस दुस्साहसिक तरीके से लूट की वारदात को अंजाम दिया, उसने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। आधी रात अचानक घर में घुसे छह से सात बदमाशों ने परिवार के सभी सदस्यों को असलहे के बल पर बंधक बना लिया और करीब एक घंटे तक घर में जमकर उत्पात मचाते रहे। इस दौरान बदमाशों ने लाखों के जेवरात और नगदी लूट ली। पुलिस रात में ही मौके पर पहुंची और घटना स्थल का मुआयना कर जांच शुरू कर दी।

मोहम्मदी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत चौकी अमीरनगर के मोहम्मदपुर गांव में रहने वाले अशफाक खां के घर रविवार देर रात करीब 12 बजे बदमाश दीवार फांदकर अंदर घुस गए। परिवारजन रात का भोजन कर सो ही रहे थे कि अचानक कमरे में हथियारों से लैस नकाबपोश बदमाश घुस आए। बदमाशों ने सभी परिजन अशफाक, उनकी पत्नी, बेटों और बहुओं को धक्का-मुक्की कर एक कमरे में बैठा दिया और दरवाजे-खिड़की बंद कर उन्हें बंधक बना लिया। परिजनों ने बताया कि बदमाशों ने सबको धमकाते हुए कहा कि जो भी बोलेगा, गोली मार देंगे।

मौजूद परिजन व जांच करती पुलिस टीम। ● अमृत विचार

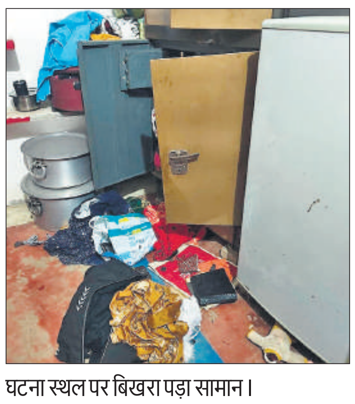

घटना स्थल पर बिखरा पड़ा सामान।

> पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया गया है। टीम गठित कर छानबीन शुरू कर दी गई है। घटना का जल्द से जल्द खुलासा किया जाएगा।
> –उमेश चंद्र चौरसिया, प्रभारी निरीक्षक, मोहम्मदी।

ग्रामीणों में भय, सुरक्षा पर उठे सवाल

घटना के बाद मोहम्मदपुर और आसपास के गांवों में भय का माहौल फैल हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि बीते कुछ दिनों से क्षेत्र में अज्ञात लोगों की गतिविधियां देखी जा रही थीं, लेकिन रात के समय गश्त न होने से बदमाशों के हौसले बुलंद हैं। ग्रामीणों ने रात में पेट्रोलिंग बढ़ाने और संदिग्धों की पहचान करने की मांग उठाई है।

आठ लाख के जेवर और छह हजार नकद ले गए

परिजनों के अनुसार बदमाशों ने करीब आठ लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवर, अंगूठियां, चूड़ियां, पायल, कान के झुमके और अन्य कीमती सामान समेट लिया। इसके अलावा घर में रखे छह हजार रुपये नकद भी लूट लिए। पूरा घटनाक्रम लगभग एक घंटे तक चलता रहा। लूटपाट के बाद जैसे ही बदमाश बाहर निकले, गांव की सुनसान गलियों में अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गए।

घटना से दहशत में ग्रामीण, पुलिस ने रात में ही शुरू की जांच

लूट की सूचना पर मोहम्मदी कोतवाल उमेश चंद्र चौरसिया अपनी टीम के साथ रात में ही मौके पर पहुंच गए। उन्होंने पीड़ित परिवार से विस्तृत जानकारी ली और घटनास्थल पर मौजूद सबूतों की जांच की। कोतवाल ने बताया कि पीड़ित अशफाक खां ने तहरीर दे दी है और पुलिस ने कई महत्वपूर्ण साक्ष्यों को कब्जे में लिया है। वारदात की गंभीरता को देखते हुए गांव के आसपास संदिग्धों की तलाश और गश्त बढ़ा दी गई है।

बजरंग दल की बैठक में भीरा इकाई का गठन

भीरा में नये अध्यक्ष का माल्यार्पण कर स्वागत करते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● **अनिल गुप्ता बने अध्यक्ष, पलिया इकाई का भी विस्तार**

अमृत विचारः भारतीय बजरंग दल ने विधानसभा पलिया क्षेत्र की भीरा नगर इकाई का गठन कर अनिल गुप्ता को अध्यक्ष मनोनीत कर पलिया इकाई का विस्तार किया है।

भीरा के छाजूराम केन ग्रोवर्स स्कूल में बजरंग दल विधानसभा पलिया अध्यक्ष विवेक मिश्रा के नेतृत्व में हुई बैठक में भीरा इकाई का गठन कर अनिल गुप्ता अध्यक्ष, शुभम कनौजिया प्रभारी, पवन सिंह उपाध्यक्ष, मंगेश गौरक्षा प्रमुख, सतीश सिंह महामंत्री, अजय सिंह मीडिया प्रभारी, अजय दिवाकर मंत्री, विशाल भारती संगठन मंत्री, वरुण मंत्री, वीरेंद्र सिंह उपाध्यक्ष, पवन सिंह उपाध्यक्ष बनाये गये हैं। वहीं विधानसभा पलिया इकाई का विस्तार कर अर्पित त्रिवेदी वरिष्ठ उपाध्यक्ष, शेखरदीप मिश्रा उपाध्यक्ष, अजीत गुप्ता संगठन मंत्री, प्रखर तिवारी युवा प्रमुख, धर्मवीर सिंह गौ रक्षा प्रमुख, हिमांशु मिश्रा मंत्री मनोनीत किए गए।

हादसे के बाद कार्रवाई से बचने को दर्ज कराई रिपोर्ट

संवाददाता, खमरिया

● **बाइक की टक्कर से घायल बुजुर्ग मामले की हो रही जांच**

अमृत विचारः थाना खमरिया क्षेत्र के बसढ़िया गांव के निकट 14 नवंबर की शाम सड़क हादसे में 73 वर्षीय बुजुर्ग संगम लाल मिश्रा गंभीर रूप से घायल हो गए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उन्हें बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मारी, जिससे उनका पैर टूट गया। घायल को सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया था।

पुलिस का कहना है कि बाइक यूपी 34 सीसी/6697 को चला रहे केशन निवासी मुराउनपुरवा मजरा कुसेपा, थाना लहरपुर जिला सीतापुर, पप्पू ने हादसे के बाद पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए खमरिया थाने में बताया कि वह जेठरा मजदूरों को पैसा बांटने गया था, लेकिन मजदूरों ने पैसा लेने से इनकार कर दिया। लौटते समय पीछे से आई किसी बाइक ने उन्हें टक्कर मारी और गिरा दिया, इसी दौरान उनके पास रखे एक लाख 20 हजार रुपये भी चोरी हो गए। उधर, गांव के प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि सड़क पर बुजुर्ग को टक्कर इन्हीं बाइक सवारों ने मारी थी। घटना के बाद इलाज में व्यस्त रहने के कारण 17 नवंबर को घायल संगम लाल के पुत्र विनय कुमार मिश्रा ने थाने पहुंचकर घटनाक्रम की सच्चाई पुलिस को बताई। उन्होंने लिखा कि उनके पिता को गांव से चौराहे की ओर जाते वक्त बाइक सवार केशन ने टक्कर मारी थी। इस बाबत थाना खमरिया के प्रभारी निरीक्षक ओपी राय ने बताया कि प्रारंभिक तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया था। अब घायल पक्ष की तहरीर मिल गई है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। दोषी पर कार्रवाई की जाएगी।

संकटा देवी मार्केट में मिले शव की हुई शिनाख्त

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: रविवार की सुबह करीब 11 बजे शहर संकटा देवी बाजार के एक काम्पलेक्स के पास युवक का शव पाया गया था। पुलिस ने शिनाख्त न होने पर शव पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया था। सोमवार को शव की शिनाख्त मोहल्ला हिदायत नगर निवासी करमुल्ला के बेटे यारली (37) के रूप में हुई। मृतक के पिता ने बताया कि यारली दिमागी रूप से कमजोर था। दो साल से वह घर नहीं जाता था। संकटा देवी पुलिस चौकी के पास ही रुकता था। हर रोज शाम को उसको खाना देने उसकी मां आती थी। रविवार की शाम भी उसकी मां खाने देने गई थी, तभी घटना की जानकारी हुई, पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर शव की शिनाख्त की गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार वालों को सौंप दिया है।

धांधली की भेंट चढ़ा शौचालय और पंचायत भवन

संवाददाता, मूड़ा सवारान

अमृत विचारः एक ओर जहां केंद्र और राज्य सरकारें स्वच्छ भारत मिशन और ग्रामीण विकास को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रही है वहीं दूसरी ओर बिजुआ ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत राजगढ़ में सरकारी योजनाएं दम तोड़ती और भ्रष्टाचार की शिकार होती नजर आ रही हैं। राजगढ़ में बना सार्वजनिक शौचालय और पंचायत भवन ग्रामीणों के लिए सहूलियत की जगह अब असुविधा और उपेक्षा का केंद्र बन गया है। जो जिला पंचायत राज विभाग और विकास विभाग के दावों की पोल खोल रहा है।

बिजुआ ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत राजगढ़ में निर्मित सार्वजनिक शौचालय और पंचायत भवन खेतों के मध्य बने कई वर्षों से बंद पड़े हैं। वहां तक जाने का रास्ता नहीं है जिससे इस ग्राम पंचायत के ग्रामीणों को कोई भी सरकारी सुविधा नहीं मिल पा रही है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि ग्राम प्रधान, केयरटेकर, रोजगार सेवक और अन्य संबंधित लोग आपस में मिलकर योजना के फंड में धांधली कर रहे हैं जिसके चलते महत्वपूर्ण सुविधाओं का लाभ जनता को नहीं मिल पा रहा है।

शासन की मंशा है कि गांव में बनाए गए पंचायत भवन में ही ग्रामीणों को सभी सुविधाएं, योजनाओं का लाभ मिले।पंचायत भवन और सार्वजनिक शौचालय खेतों में बनवा दिया गया लेकिन वहां तक जाने का रास्ता आज तक नहीं उपलब्ध हो पाया है। पंचायत भवन को उपलब्ध कराए गए उपकरण ग्राम प्रधान के घर की शोभा बढ़ा रहे हैं।

पंचायत सहायक बिना काम किए वेतन ले रहे हैं।ग्रामीणों को आय, जाति प्रमाण पत्र,खतौनी आदि की सुविधा सिर्फ कागजों पर ही मिल रही हैं। वहीं दूसरी और खेतों के मध्य बना सार्वजनिक शौचालय ग्रामीणों के लिए अनुपयोगी साबित हो रहा है। ग्रामीण खुले में शौच जाने के लिए विवश हैं। ग्रामीणों ने रास्ता बनवाने के साथ ही पंचायत भवन और सार्वजनिक शौचालय नियमित रूप से खुलवाने की मांग की है। इस संबंध में जानकारी के लिए खंड विकास अधिकारी और सहायक विकास अधिकारी का फोन लगाया गया, लेकिन किसी का भी फोन नहीं उठा।

राजगढ़ गांव में खेतों में बना पंचायत भवन और सामुदायिक शौचालय। ● अमृत विचार

● **ग्राम पंचायत राजगढ़ में खेतों के बीच कैद सरकारी बिल्डिंग**

एफआईआर में खेल, नकदी दिखाई न जेवर

संवाददाता, बेहजम

● **एक बदमाश को दिया अभयदान, पीड़ित बोला-एसओ ने बोलकर लिखाई तहरीर**

अमृत विचारः शनिवार देर शाम लूट की बड़ी वारदात को छुपाने के लिए थाना नीमगांव पुलिस ने सिकंदराबाद में मेडिकल व्यवसायी के घर और दुकान में हुई लाखों की लूट मामले में बड़ा खेल कर दिया। पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज करने के बजाय एसओ ने खुद ही बोलकर दूसरी तहरीर लिखवाई और उसके हस्ताक्षर कराकर साधारण चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर इति श्री कर ली। माना जा रहा है कि पुलिस ने अपने बचाव में यह कदम उठाया।

शनिवार की देर शाम करीब 8:30 बजे चार बदमाश सिकंदराबाद पुलिस चौकी से चंद कदम दूर स्थित विकास वर्मा की मेडिकल एजेंसी में घुस गए और शटर अंदर से बंद कर विकास वर्मा को तमंचे के बल पर बंधक बना लिया, जबकि एक बदमाश दुकान के बाहर खड़ा होकर रेकी करने लगा। दुकान से 1.27 लाख रुपये नकद लूटकर बदमाश विकास को दूसरी मंजिल पर स्थित उसके घर में ले गए। सभी को गन प्वाइंट पर लेकर बंधक बना लिया और करीब सात लाख के जेवर लूट ले गए थे। इसी बीच सूचना पर पहुंचे दो पीआरडी जवानो ने जब बाहर खड़े बदमाश को टोका तो वह भागने लगा था। इस पर जवानों ने दौड़ाते हुए फेंककर उसे डंडा मारा तो बदमाश फायरिंग करते हुए भाग निकले। पीड़ित विकास वर्मा ने बताया कि उन्होंने पुलिस को तहरीर दी थी, जिसमें लूटी गई नगदी और जेवरातों की संख्या और कीमत का जिक्र था। एसओ ने तहरीर देखने के बाद उसे लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने अपने मन मुताबिक बोलकर तहरीर लिखाई और साधारण चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर ली। इस बात की जानकारी जब ग्रामीणों और व्यापारियों को हुई तो उनमें पुलिस के प्रति रोष पनप गया।

> मैंने कोई तहरीर नहीं लिखाई है और न ही कोई बदली गई है। पीड़ित ने जो तहरीर दी उसी के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच चल रही है। टीमें खुलासे में लगी हैं।
> –आदित्य कुमार मौर्य, एसओ।

कार्रवाई से बचने के लिए किया खेल

पुलिस विभाग के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पांच लाख से अधिक की चोरी, लूट की घटना गंभीर अपराध की श्रेणी में आती है। इसकी मॉनिटरिंग शासन स्तर से भी होती है। इस तरह के अधिकतर मामलों में थाना स्तर के जिम्मेदार अधिकारियों और बीट के पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई की संभावना अधिक रहती है, इसलिए ऐसे बड़े मामलों में पुलिस अक्सर यही खेल करती है।

भागवत कथा के चलते निकाली शिवजी की बरात

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● **कथावाचक सतगुरु राजवीर महाराज ने भोलेनाथ के विवाह का संपूर्ण वर्णन सुनाया**

अमृत विचारः नगर की बांकेगंज रोड मोहल्ला गांधीनगर में अपना दल एस के पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव पटेल के आवास पर श्रीराम कथा, श्रीमद् भागवत कथा, दिव्य सत्संग में कथावाचक राजवीर जी महाराज ने शिव शंकर भोलेनाथ की बरात निकालकर क्षेत्र के कई मंदिरों में पूजा कराई।

भगवान शिव शंकर भोलेनाथ की बारात पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव पटेल के आवास से चलकर गांधीनगर में सभी मंदिरों में पूजा अर्चना करते हुए कोरैया गांव क़े मंदिरों में पूजा अर्चना की गई। शिव बारात के कार्यक्रम स्थल पर वापस आने पर गांधी नगर के लोगों ने भगवान शिव के स्वरूप की आरती उतारी। बरात के बाद कथावाचक सतगुरु राजवीर जी महाराज ने भगवान शिव शंकर भोलेनाथ के विवाह का संपूर्ण वर्णन कथा व सत्संग के रूप में श्रोताओं को सुनाते हुये बताया कि भोलेनाथ की बारात में सभी देवी देवताओं और भूत प्रेतों ने हलचल मचाई थी।

राजीव पटेल ने बताया कि पीलीभीत क़े बरखेड़ा से विधायक प्रवक्तानंद स्वामी जी महाराज 19 नवंबर को शाम क़े कार्यक्रम में अपनी वाणी से प्रवचन तथा दिव्य सत्संग सुनाएंगे। पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव पटेल ने आग्रह किया है कि प्रभु के भक्त आए और कथा के मधुर वाणी को सुन कर ज्ञानवर्धक बनें और प्रसाद ग्रहण कर अपने जीवन को धन्य बनाएं।

न्यूज डायरी

हिंदू सनातन पद यात्रा से लौटे पूर्व जिला पंचायत सदस्य का स्वागत

खमरिया, अमृत विचार : बाबा बागेश्वर धाम महाराज के नेतृत्व में दिल्ली से वृंदावन तक निकाली गई सनातन हिन्दू पद यात्रा में तहसील धौरहरा क्षेत्र से अपनी टीम के साथ पूर्व जिला पंचायत सदस्य व भाजपा नेता अनिल गुप्ता शामिल हुए। सोमवार को पदयात्रा से वापसी के दौरान ऐरा पुल पर उनके समेत टीम के सभी सदस्यों का तिलक चंदन के साथ फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर सूरज रस्तोगी, अभिषेक गुप्ता, आलोक मिश्रा, अशोक कुमार, योगेश अवस्थी, सुशील मिश्रा, विपुल मिश्रा, रोहित शुक्ला, सरोज कश्यप, पंकज भार्गव, बचनी भार्गव आदि मौजूद रहे।

विश्वास को सर्वोत्तम जेसी सदस्य अवॉर्ड

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : जेसी आई इंडिया मंडल-3 के मंडलीय सम्मेलन गर्व जोनकान में जेसी विश्वास सेठ ने मंडल के अति प्रतिष्ठित अवॉर्ड सर्वोत्तम जेसी सदस्य को विजित कर नगर का नाम रोशन किया है। जिम कॉर्बेट राम नगर उत्तराखंड के कॉर्बेट एलिगेंट रिट्रीट में मंडलाध्यक्ष जेएफडी गौरव अरोरा की अध्यक्षता में आयोजित 34वें मंडल सम्मेलन ''गर्व जोनकान'' में जेसी विश्वास सेठ को जेसी आई इंडिया की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेएफएस राखी जैन एवं मंडलाध्यक्ष जेसी गौरव अरोरा द्वारा मंडल के अति प्रतिष्ठित अवॉर्ड सर्वोत्तम जेसी सदस्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस सम्मान पर गौरवान्वित माता पिता जेसी लेखनी एवं विशाल सेठ सहित पूर्व मंडलाध्यक्ष जेसी राम मोहन गुप्त, अश्विनी कुमार, रवि प्रकाश गुप्ता, अभिनव चौरसिया, मनोज टंडन, आलोक सेठ, गौरव सेठ, एस पी एस संधू आदि ने बधाई दी।

ताइक्वांडो खिलाड़ियों का कलर बेल्ट टेस्ट आयोजित

पलिया कलां, अमृत विचार : पलिया ताइक्वांडो अकैडमी द्वारा खिलाड़ियों का कलर बेल्ट टेस्ट का आयोजन स्थानीय रामलीला मैदान में किया गया। चीफ़ कोच प्रदीप कुमार व पलिया कोच अरुण तिवारी ने टेस्ट में सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। अभिभावकों ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। ब्लैक बेल्ट अर्हम रंजन, ब्लैक बेल्ट अरिहंत रंजन, ब्लैक बेल्ट कुशाग्र प्रजापति, सीनियर खिलाड़ी चंदन कुमार, उत्कर्ष सिंह, करन कुमार आदि ने अपना सहयोग प्रदान किया।

नायब तहसीलदार ने की गणना प्रपत्र अपलोडिंग की समीक्षा

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाता जागरुकता के लिए नायब तहसीलदार भानुप्रताप सिंह ने अमीरनगर के बूथ पर गणना प्रपत्र वितरण एवं अपलोडिंग की समीक्षा की। अमीरनगर के आ्रनबाड़ी केंद्र पर उन्होने मौजूद सभी मतदाताओं से इस विशेष अभियान में सहयोग की अपील की। उन्होने बीएलओ से अधिक से अधिक गणना प्रपत्र अपलोड करने को कहा और मतदाता जागरुकता के लिए बीएलओ तौहीद बेग द्वारा चलाये जा रहे एक कदम बूथ की ओर अभियान की प्रशंसा की। तहसीलदार भानु प्रताप सिंह ने कहा कि विशेष गहन अभियान 4 दिसम्बर तक चलेगा। सभी मतदाता अपना गणना प्रपत्र जरूर भरें, ताकि अभियान सफल हो सके। इस अवसर पर लेखपाल विजय सिंह, बीएलओ मित्र टीम, महिला टोली और कई मतदाता मौजूद रहे।

संगीतमयी शाम: स्वर, ताल और भाव का अद्भुत संगम

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः नन्हें-मुन्ने बच्चों से लेकर विद्यार्थियों और म्यूजिकल ग्रुप ने रंगमंच 2025 की शाम को संगीतमयी बना दिया। मौका था अजमानी पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव। अद्वितीय कला-संस्कृति और रचनात्मक विविधता का भव्य प्रदर्शन किया गया। इस दौरान प्रस्तुति देने वाले बच्चों और मेधावियों को मुख्य अतिथि भाजपा अवध प्रांत के क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्र, विशिष्ट अतिथि एमएलसी अवनीश कुमार सिंह, एजुकेशनल सोसाइटी के उपाध्यक्ष गौरव भल्ला, सीबीएसई के सिटी कोऑर्डिनेटर डॉ. शैलेंद्र गुप्ता, प्रबंध समिति के अध्यक्ष (सी.ए.) हरबंश सिंह अजमानी, संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक गुरजीत अजमानी, उपाध्यक्ष सिमरन भल्ला के हाथों पुरस्कृत किया गया।

गणेश वंदना की प्रस्तुति देते बच्चे। ● अमृत विचार

पुरस्कार देते भाजपा अवध प्रांत के क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्र।

● **अजमानी पब्लिक स्कूल में रंगमंच-2025 का भव्य आयोजन**

सीतापुर रोड स्थित हरनाम वाटिका में वार्षिक समारोह की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना और गणेश वंदना से हुई। समारोह में मुख्य अतिथि भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्र ने कहा कि एक गुरु सैकड़ों डॉक्टर इंजीनियर आदि का निर्माण कर सकता है, लेकिन सैकड़ो डॉक्टर और इंजीनियर मिलकर एक गुरु का निर्माण नहीं कर सकते। विद्यालय जिस समर्पण और प्रतिबद्धता से शिक्षा के साथ संस्कार दे रहा है, वह अनुकरणीय है। इससे पहले मंच पर रंगारंग प्रस्तुतियों की ऐसी श्रृंखला आरंभ हुई जिसने दर्शकों को पूरे कार्यक्रम के दौरान बांधे रखा। इसमें वसुधैव कुटुंबकम, ऑपरेशन सिंदूर, पंजाबी स्वैग, कृष्ण लीला, महिला शक्ति और ताइक्वांडो का प्रदर्शन किया गया।

प्ले ग्रुप से कक्षा तीन तक के छोटे बच्चों ने वेलकम डांस, स्कूल चलें हम, वाइब्स ऑफ वैली, वॉकिंग इन द सन, ओल्ड इज़ गोल्ड, बिलीव योरसेल्फ जैसी मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभा में मौजूद सभी लोगों का मन जीत लिया। इस मौके पर प्रशासक एड. जितेंद्र प्रताप सिंह, प्रधानाचार्या डॉ. मंजू पाठक मौजूद रहीं। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

न्यूज ब्रीफ

कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : रोजा थाना क्षेत्र के मोहल्ला कृष्ण बिहार कालोनी निवासी विकास कुमार ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि 15 नवंबर की सुबह सात बजे उसके पिता राकेश कुमार दवाई लेने जा रहे थे। बरेली मोड़ पर कार ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे उसके पिता घायल हो गए। वह अपने पिता को लेकर एक प्राइवेट अस्पताल में ले गया। जहां इलाज के दौरान उसके पिता की मौत हो गयी। पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

हजारों का जेवर चोरी किरायेदार फरार

रोजा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव अटसलिया निवासी मदन लाल ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि उसके मकान में सेवक नामक व्यक्ति चार माह से किराए पर रह रहा था। साथ में उसकी पत्नी और बच्चें भी रहते थे। एक सप्ताह पूर्व मजदूरी करने मदन लाल मजदूरी करने के लिए बाहर गया था। वह लोटकर आया तो देखा कि उसके मकान में चोरी हो गयी। उन्होंने बताया कि सोने के झाले, एक चांदी की हसुली, एक जोड़ी पायल, दो चांदी के सिक्के चोरी हो गए है। किराएदार परिवार समेत गायब है। उसने किराएदार के खिलाफ चोरी की रिपोर्ट दर्ज करायी है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

कुल्हाड़ी मारकर किया घायल, रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जलालाबाद थाना क्षेत्र के गांव बसुआमई निवासी देव सिंह ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि दस दिन पूर्व खेत पर पानी लगा रहा था। राजपाल, सुनील, राजेश, अर्जुन, शेर सिंह खेत पर आए और गाली देने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने उसे कुल्हाड़ी से प्रहार करके घायल कर दिया। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। घटना का कारण पुरानी रंजिश बताया जाता है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है। पुलिस ने बताया कि जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

रोडवेज के संविदा परिचालक से रुपयों का बैग छीनने का प्रयास

बाइक सवार ने हाथापाई कर चबा डाली अंगुली, राजापुर चौकी के सामने सवारियां बैठाते समय हुई घटना

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: राजापुर पुलिस चौकी से कुछ दूरी पर सोमवार दोपहर एक हैरान करने वाली घटना सामने आई, जहां रोडवेज के संविदा परिचालक के साथ बाइक सवार युवक ने हाथापाई करते हुए बैग छीनने का प्रयास किया। परिचालक के विरोध करने पर युवक ने उसकी अंगुली तक चबा डाली और मौके से फरार हो गया। घटना स्थल पर मौजूद लोगों के अनुसार, आरोपी इतनी तेज़ी से भागा कि उसे पकड़ने का मौका ही नहीं मिला।

लखीमपुर डिपो के संविदा परिचालक आशीष कुमार वर्मा ने बताया कि सोमवार दोपहर उनकी बस संख्या यूपी 31 बीटी 0848

अंगुली दिखाते कोतवाली में घायल परिचालक।

धौरहरा से लखनऊ जा रही थी। इसी दौरान राजापुर चौकी से कुछ कदम पहले उन्होंने बस रोककर सवारियाँ बैठानी शुरू कीं। तभी एक बाइक सवार युवक अचानक बस के पास आकर उनसे गाली-गलौज करने लगा और हाथ में पकड़ा कैश व टिकट मशीन वाला बैग छीनने का प्रयास करने लगा। परिचालक ने जैसे ही विरोध किया, युवक ने उनका हाथ पकड़कर अंगुली जोर से काट ली, जिससे खून निकलने लगा। परिचालक के अनुसार दबाव बढ़ा तो बाइक सवार मौके पर ही अपनी बाइक स्टार्ट कर तेज़ गति से फरार हो गया।

चालक और अन्य कर्मचारी जैसे ही बस से नीचे उतरकर दौड़े, तब तक आरोपी निकल चुका था। घटना के बाद परिचालक आशीष ने इसकी जानकारी केंद्र प्रभारी व फोरमैन को दी और फिर कोतवाली पहुंचकर पूरे मामले की रिपोर्ट दी। उन्होंने मांग की है कि घटना की गंभीरता को देखते हुए आरोपी पर सख्त कार्रवाई की जाए। इधर, मामले पर शहर कोतवाल राजेश कुमार सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, लेकिन उनमें बैग छीनने जैसी कोई स्पष्ट घटना नहीं दिखी।

कोतवाल ने कहा कि प्राथमिक जांच में सामने आया कि वाहन खड़ा करने को लेकर परिचालक और बाइक सवार युवक के बीच विवाद हुआ था। दोनों पक्षों से किसी ने भी अभी तक पुलिस को लिखित तहरीर नहीं दी है। घटना को लेकर रोडवेज कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। उनका कहना है कि चौकी के पास ही ऐसी घटनाएं होना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। कर्मचारियों ने मांग की है कि व्यस्त मार्ग पर लगने वाली भीड़ के समय पुलिस गश्त को और मजबूत किया जाए।

तस्कर को कोर्ट में पेश न करने पर इंस्पेक्टर के विरुद्ध परिवाद दर्ज

बरेली, अमृत विचार: थाना बारादरी गंगापुर निवासी हरप्रसाद पुत्र मोतीराम लोधी को पुलिस ने 20 फरवरी 2000 को स्मैक की तस्करी के मामले में पकड़ा था। एनडीपीएस एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना के बाद आरोप पत्र कोर्ट भेजा था। वर्ष 2001 में हरप्रसाद जमानत के बाद से ही फरार हो गया। अदालत ने अभियुक्त के विरुद्ध कई गैर जमानती वारंट एवं कुर्की आदेश जारी कर थाना बारादरी पुलिस को अभियुक्त को गिरफ्तार कर कोर्ट के समक्ष हाजिर किये जाने का आदेश दिया मगर न तो पुलिस मुल्जिम को ही पेश कर सकी और न ही कोर्ट के आदेश का कोई जवाब दिया। हाईकोर्ट के आदेश पर अदालत को शीघ्र अतिशीघ्र ढाई दशक पुराने इस मामले का निस्तारण करना अनिवार्य है लेकिन पुलिस के रवैये के कारण केस का निस्तारण न होने से अदालत ने प्रभारी निरीक्षक को जिम्मेदार मानते हुए उनके विरुद्ध वाद दायर कर उन्हें नोटिस जारी किया है।

प्लेटफार्म एक पर दो घंटे बंद रहेगा निर्माण कार्य

प्लेटफॉर्म एक को ऊंचा करने के लिए किया जा रहा निर्माण कार्य। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- यात्रियों को होती है दिक्कत, 12 से 02 बजे तक नहीं होगा कार्य

अमृत विचार: अमृत भारत योजना के तहत स्टेशन पर प्लेटफार्म एक को ऊंचा करने का कार्य चल रहा है। यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने और उतरने में दिक्कत आ रही है। यात्री जल्दी में ट्रेन पकड़ने के चक्कर में ठोकर खाकर गिर जाते है। रेल अधिकारियों ने ठेकेदार को आदेश दिए है कि दोपहर के प्लेटफार्म दो घंटे कार्य बंद कर दिया जाए।

अमृत भारत योजना के तहत स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य चल रहा है। प्लेटफार्म दो और तीन ऊंचा कर दिया गया है। अब प्लेटफार्म एक को ऊंचा करने का कार्य शुरु हो गया है। प्लेटफार्म के उन्नयन से यात्रियों को कोच में चढ़ने और उतरने के समय काफी सुविधा होगी। बुजुर्ग और दिव्यांग यात्रियों को चढ़ने और उतरने में परेशानी नहीं होगी। प्लेटफार्म एक को रेता, बजरी, सीमेंट का मिश्रण मशीन से तैयार करके प्लेटफार्म एक पर डाला जा रहा है।

मुठभेड़ में घायल बदमाश की हालत गंभीर, चल रहा इलाज

शाहजहांपुर/सेहरामऊ दक्षिणी

- सचिव से लूट के मामले में आरोपित है अब्बास गाजी परिजन लखनऊ पहुंचे

अमृत विचार: चांदापुर सहकारी समिति सचिव से लूटकांड के मामले में एसटीएफ और पुलिस की हुई मुठभेड़ गोली से घायल बदमाश अब्बास गाजी लखनऊ के मेडिकल कालेज में आईसीयू में भर्ती है। उसकी हालत गंभीर है। पुलिस अभिरक्षा में उसका इलाज चल रहा है। घायल बदमाश के परिवार वाले भी मेडिकल कालेज पहुंच गए है। उसकी हालत ठीक होने पुलिस रिमांड पर लेगी।

सेहरामऊ दक्षिणी के चांदापुर के सहकारी समिति संघ के सचिव नरेंद्र कुमार से दस दिन पूर्व बाइक पर सवार बदमाशों ने तीन लाख रुपये समेत बेग लूट लिया था। घटना के खुलासे के लिए एसटीएफ, एसओजी और सेहरामऊ दक्षिण की पुलिस लगी हुई थी और पुलिस टीमें बदमाशों की सुरागरसी में लगी थी। एसटीएफ और सेहरामऊ दक्षिणी पुलिस ने बदमाश हरदोई क्षेत्र से रवि मिश्रा निवासी हडहा मलिकापुर थाना पाली जिला हरदोई और गोपाल उर्फ ओमेंद्र निवासी सपहा थाना अल्हागंज को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में पता चला कि लूट की घटना में साल लोग थे।

एसटीएफ और सेहरामऊ दक्षिणी पुलिस ने सेहरामऊ दक्षिणी वार्डर पर हरदोई जिले के निजामुद्दीन और अरमान गाजी को पकड़ लिया। जबकि तीसरा बदमाश अब्बास गाजी निवासी अटवा जिला हरदोई बाइक लेकर भागा तो एसटीएफ और पुलिस ने पीछा किया। पुलिस मुठभेड़ में बदमाश अब्बास गाजी गोली से घायल हो गया था, उसके सीने में गोली लगी थी। घायल बदमाश को लखनऊ मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया था। घायल बदमाश आईसीयू में भर्ती है। उसकी हालत ठीक नहीं है।

हिमांशु गिहार एनकाउंटर मामले में सुनवाई टली

विधि संवाददाता, बरेली: शाहजहांपुर के छात्र हिमांशु गिहार के एनकाउंटर मामले में सोमवार को अंतिम बहस होनी थी, मगर स्पेशल जज एंटी करप्शन एक्ट कोर्ट-2 की कोर्ट में न तो अभियोजन सीबीसीआईडी और न ही मुल्जिम कटरा थाने के तत्कालीन एसओ दिनेश कुमार सिंह, सिपाही कमलेश, सुरेश व अंजनी पांडेय के वकील कोर्ट में पहुंचे। अदालत ने पक्षगण के गैरहाजिर होने पर सुनवाई को 3 दिसम्बर की तिथि नियत की है। बीती तिथि पर 4 नवम्बर को मुल्जिमों के वकील ने स्थगन अर्जी दी थी जिस वजह से सुनवाई टल गयी थी। 6 जनवरी 2006 को फरीदपुर के गांव गुलाबनगर के पास शाहजहांपुर के मोहल्ला दिलजाक निवासी आर्डिनेंस फैक्ट्री कर्मचारी अशोक गिहार के बेटे 18 वर्षीय हिमांशु गिहार उर्फ टीटू का कटरा पुलिस ने फरीदपुर में फर्जी एनकाउंटर कर दिया था।

ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत

संवाददाता, तिलहर/ शाहजहांपुर

अमृत विचार : बरेली-शाहजहांपुर रोड पर कटरा थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर ट्राली ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को तिलहर सीएचसी पर लाया गया। जहां एक युवक को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि दूसरे को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

तिलहर थाना क्षेत्र के गांव ग्वार निवासी अरविंद कुमार (27) अपने दोस्त अजय के साथ कटरा में दावत में शामिल होने के लिए गया था। रविवार रात वापस आते वक्त बरेली-शाहजहांपुर रोड पर कटरा थाना क्षेत्र के समधाना गांव के सामने ट्रैक्टर ट्राली ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में अरविंद और अजय गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची कटरा पुलिस दोनों घायलों को लेकर तिलहर सीएचसी पर पहुंची। जहां डॉक्टरों ने अरविंद को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल अजय को मेडिकल कॉलेज शाहजहांपुर रेफर किया गया है। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इधर लखीमपुर जिले के मोहम्मदी कस्बा निवासी शोएब दिल्ली में काम करता है। वह से दिल्ली से शाहजहांपुर आ रहा था। तिलहर क्षेत्र में पूर्वी तिराहे पर सोमवार की सुबह बस रुकी।

साइकिल सवार को बचाने में गन्ने से भरा ट्रक पलटा

खुटार, अमृत विचार : खुटार मैलानी रोड निर्माणाधीन ओवर ब्रिज के पास एक साइकिल सवार को बचाने के चक्कर में गन्ने से भरा ट्रक ओवर ब्रिज के नीचे पलट गया। चालक ने कूद कर अपनी जान बचाई। क्षेत्र के गांव नरौठा देवीदास निवासी ट्रक चालक एहस्याम ने बताया कि वह पीलीभीत के थाना सेरामऊ उत्तरी क्षेत्र के गांव चत्तीपुर के गन्ना क्रय केंद्र से ट्रक में गन्ना भरकर खुटार होते हुए गुलरिया चीनी मिल खीरी को जा रहा था। खुटार मैलानी रोड निर्माणाधीन ओवर ब्रिज के पास जैसे ही पहुंचा कि अचानक एक साइकिल सवार ट्रक के सामने आ गया। उसे बचाने के चक्कर में वह नियंत्रण खो बैठा और ट्रक निर्माणाधीन ओवर ब्रिज के नीचे अनियंत्रित होकर पलट गया। जिस पर उसने खुद को कूदकर अपनी जान बचाई।

कार और ट्रैक्टर-ट्राली में टक्कर, बचे सवार

कलान, अमृत विचार : स्टेट हाईवे मुरादाबाद–फर्रुखाबाद पर गंगोरा मोड़ के पास सोमवार सुबह बड़ा हादसा होते–होते टल गया। गंगोरा गांव के गुड्डू यादव धान से भरी ट्रैक्टर ट्राली लेकर हाईवे पार कर रहे थे। सुबह करीब नौ बजे सेठा गांव की ओर से तेज रफ्तार में आ रही एर्टिका कार ट्रैक्टर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रैक्टर का पहिया टूटकर कार में घुस गया और दोनों वाहन करीब 50 मीटर तक हाईवे पर घिसटते चले गए। टक्कर के दौरान ट्रैक्टर चालक गुड्डू यादव नीचे गिर गए, लेकिन सौभाग्य से उन्हें कोई चोट नहीं आई। कार में सवार लोग भी सुरक्षित रहे। टक्कर के बाद किसी के घायल न होने पर राहगीर राहत की सांस लेते दिखाई दिए।

रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
RMC BAREILLY — Rohilkhand Medical College & Hospital — Excellence towards profession
पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
विशाल चिकित्सा शिविर
हड्डी रोग विभाग | स्त्री रोग विभाग | बाल रोग विभाग
शल्य रोग (सर्जरी) विभाग | मेडिसिन विभाग | चेस्ट एवं टी.बी विभाग
नेत्र रोग विभाग | मानसिक रोग विभाग | चर्म रोग विभाग | नाक, कान, गला रोग विभाग
यह सुविधा 10 नवम्बर 2025 से 20 नवम्बर 2025 तक
समस्त रोगों के इलाज की उच्च स्तरीय सुविधाएं
रजिस्ट्रेशन शुल्क मात्र 20/– रूपये
डॉक्टर द्वारा परमार्श मुफ्त
भर्ती एवं पलंग मुफ्त
भर्ती मरीजों का एक्स-रे मुफ्त
भर्ती मरीजों की सामान्य जाँचें मुफ्त
डिलीवरी मुफ्त
भर्ती मरीजों का ब्रेन एमआरआई 1500/- में स्पाईन एमआरआई 2000/- में
भर्ती मरीजों का अल्ट्रासाउण्ड मुफ्त
भर्ती मरीजों का सी.टी. 20% की छूट पर एवं ईको 500/- में
भर्ती मरीजों की दवाईयाँ भारी छूट पर
रोहिलखण्ड हॉस्पिटल में इम्पैनल्ड संस्थायें

इम्पैनल्मेंट संस्थाओं के नाम (कैशलेस-इलाज)
1. आयुष्मान भारत योजना
2. राष्ट्रीय अन्धता नियंत्रण कार्यक्रम (NBCP)
3. हौसला साझेदारी (परिवार नियोजन)
4 – सी.ए.आई.आई. (CARI)
5. एक्स–सविसमैन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम (ESIC)
6. आई.वी.आर.आई. (IVRI)
7. कर्मचारी राज्य बीमा कारपोरेशन (ESIC)
8. बी.एस.एन.एल.
9. प्रधान मंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान
10. सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (CAPF)
11. सेंट्रल गर्वमेन्ट हैल्थ स्कीम

इम्पैनल्मेंट टी.पी.ए. कंपनी (कैशलेस-इलाज)
1. एचडीएफसी एर्गो
2. एरिकसन इंश्योरेंस प्राइवेट लिमिटेड
3. सेफवे इंश्योरेंस टी.पी.ए. प्राइवेट लिमिटेड
4. रिलायंस हेल्थ इंश्योरेंस
5. आदित्य बिरला ग्रुप जनरल इंश्योरेंस कंपनी मिमिटेड
6. जेनिन्स इंश्योरेन्स कंपनी लिमिटेड
9. युनिवर्सल सोम्पो जनरल इन्श्योरेन्स
10. एसबीआई इन्योरेन्स
11. आईसीआईसीआई लोम्बार्ड
12. रिलायन्स जनरल इन्योरेन्स कं. लि.
*इनवेजस रेडियोलॉजी की जाँचें छोड़ कर *T&C Apply
हैल्पलाइन नं. : 9520876140, 8534088093, 9520876145
इमरजेंसी भर्ती की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध अनुभवी डाक्टरों की देख-रेख में
एन.ए.बी.एच.* 'राष्ट्रीय स्तर' द्वारा प्रमाणित संस्था *एंट्री लेवल

नगला पिपरिया में दबंगों का हमला तीन लोग घायल

मिर्जापुर, अमृत विचार: क्षेत्र के नगला पिपरिया निवासी दीपक सिंह ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि 13 नवंबर को सुबह लगभग ग्यारह बजे वह अपने पिता नरेंद्र सिंह और भतीजे आयुष के साथ काम कर रहे थे। तभी नीरज पुत्र सुरेंद्र सिंह, आलोक, त्रिलोक तथा गौरव मौके पर पहुंचे और गाली–गलौज करने लगे। दीपक के अनुसार जब उन्होंने गाली देने से मना किया तो दबंगों ने लाठी–डंडों से हमला कर दिया। शोर सुनकर जब दीपक के पिता और भतीजा बीच-बचाव के लिए आगे आए तो उनके साथ भी मारपीट की गई। घटना में तीनों लोग घायल हुए हैं। पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बिजली न होने पर टिकट न मिलने से यात्री रेशान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : पूर्वोत्तर रेलवे स्टेशन पर बिजली न होने के कारण यात्रियों को टिकट नहीं मिल सके। जिससे उन्हें समस्याओं का सामना करना पड़ा। स्टेशन पर एटीवीएम का कनेक्शन जनरेटर की स्पलाई से नहीं है। जबकि जनरेटर की स्पलाई जोड़ने के लिए डीआरएम ने पहले ही निर्देश दिए हैं। लेकिन अब तक कार्य पूरा नहीं किया जा सका है।

पूर्वोत्तर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए एटीवीएम टिकट मशीन लगी है। रेलवे के रिटायर कर्मचारी को मशीन चलाने का ठेका दे रखा है। मशीन का बिजली का कनेक्शन पीलीभीत रेलवे पावर हाउस से जोड़ा गया है। यहां के पावर हाउस से कनेक्शन नहीं जोड़ा गया है। मशीन का कनेक्शन जनरेटर से नहीं जोड़ा गया है। सुबह पांच बजे के समय हमेशा बिजली चली जाती है और मशीन बंद हो जाती है। जबकि बड़ी रेलवे स्टेशन

पूर्वोत्तर रेलवे स्टेशन के टिकट घर पर पड़ा सन्नाटा। ● अमृत विचार

- बिजली जाने पर मशीन हो गई बंद जनरेटर से नहीं है कनेक्शन

के दो एटीवीएम टिकट मशीन के कनेक्शन जनरेटर से जोड़ रखे है। रविवार की रात 12 बजे छोटी लाइन और बड़ी स्टेशन की लाइट चली गयी। सुबह छह बजरक 40 मिनट पर जाने वाली पीलीभीत ट्रेन के लिए यात्री टिकट लेने के लिए टिकट घर के बाहर लगे हुए थे। एटीवीएम मशीन संचालक सुबह पांच बजे मशीन चालू करने के लिए आया तो पता चला कि लाइट नहीं है। इस दौरान यात्रियों की संचालक से काफी नोकझोंक हुई। यात्रियों का आरोप था कि आए दिन लाइट चली जाती है। ट्रेन के जाने से करीब पांच मिनट पहले लाइट आयी। इस दौरान यात्रियों की टिकट के लिए परेशानी का सामना करना पड़ा।

दबंगों ने दी युवती की शादी में बाधा डालने की धमकी

कलान, अमृत विचार: नगर पंचायत के एक मोहल्ला निवासी महिला ने थाने में तहरीर देकर बताया कि उसकी पुत्री की शादी 23 नवंबर को होने वाली है, लेकिन पड़ोस में रहने वाले कुछ दबंग लोग शादी में व्यवधान डालने की धमकी दे रहे हैं। महिला ने बताया कि होली के दिन दबंगों ने उसकी पुत्री को जबरन पकड़कर मारपीट की थी। पीड़िता के अनुसार उस समय उसने थाने में शिकायत की थी, लेकिन दबाव डालकर समझौता करा दिया गया था। अब बेटी की शादी नजदीक आते ही आरोपी फिर से बवाल करने पर आमादा हैं। महिला ने थाना प्रभारी से दबंगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए बेटी की शादी के दिन सुरक्षा व्यवस्था कराने की मांग की है।

दो बदमाशों को हिरासत में लिया

सेहरामऊ दक्षिणी, अमृत विचार: पुलिस ने चांदापुर सहकारी समिति के सचिव नरेंद्र से तीन लाख रुपये की लूट को मामले में दो बदमाशों को और गिरफ्तार किया है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। चौक कोतवाली के मोहल्ला हुंडाल खेल निवासी नरेंद्र चांदापुर सहकारी समिति में सचिव के पद है। दस दिन पहले बदमाशों ने तीन लाख रुपये बैग समेत लूट लिए थे। पुलिस ने अज्ञात में मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने घटना का खुलासा करके रवि मिश्रा निवासी हरदोई, गोपाल निवासी अल्हागंज, निजामुद्दीन निवासी हरदोई, अब्बास गाजी निवासी हरदोई और अरमान को निवासी हरदोई को गिरफ्तार किया था।

मथुरा में भी नहीं मिला लापता फौजी, टीम लौटी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- मथुरा में कई होटलों को किया चेक, फौजी की कॉल डिटेल निकलवाएगी पुलिस

अमृत विचार: अमृतसर-जयनगर स्पेशल ट्रेन से फौजी के लापता होने के मामले में पुलिस टीम ने मथुरा में कई जगह तलाश की और सीसीटीवी कैमरे चेक किए। पुलिस टीम खाली हाथ लोट आयी। पुलिस उन नंबरों को खंगाल रही है, फौजी की अधिक बात किस फोन नंबर पर हुई है।

चंदौली जिले के थाना बुद्धपुर के गांव धानापुर निवासी माधव सिंह दिल्ली में आर्मी इंजीनियर कोर में तैनात है। फौजी सात नवंबर को दिल्ली से लखनऊ के लिए अमृतसर-जयनगर स्पेशल ट्रेन से एसी कोच में चला था। वह अगले दिन लखनऊ नहीं पहुंचे तो परिवार वालों को चिंता हुई। परिवार वालों ने फौजी का मोबाइल नंबर मिलाया तो स्वीचआफ था। फौजी के बहनोई गौरव सिंह ने लखनऊ जीआरपी में गुमशुदगी दर्ज करायी थी। लखनऊ से गुमशदगी की तहरीर शाहजहांपुर जीआरपी थाना पर आ गयी।

जीआरपी ने साइबर सेल से मोबाइल की लोकेशन निकलवायी तो मोबाइल की अंतिम लोकेशन तिलहर स्टेशन की थी। फौजी की शादी 22 नवंबर को है। मथुरा में भी फौजी का सुराग नहीं लगा। पुलिस टीम खाली हाथ वापस आ गयी। पुलिस इस बात का पता कर रही है कि फौजी की अधिक बात किस नंबर से हुई है। जीआरपी हर बिंदु पर जांच कर रही है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपनी पत्नी सोनिया उर्फ फरजाना बेगम व पुत्र मोहम्मद कामिल को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उनके द्वारा किए गए किसी कार्य व लेन-देन के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा उनसे अब कोई सरोकार व वास्ता नहीं होगा । **सनीमुद्दीन पुत्र हामिद अली निवासी मोहल्ला किसान-02, पलिया कलां, खीरी।**

सूचना

मैं भारत गणराज्य रिपब्लिक ऑफ इंडिया से दिनांक 21.12.2015 को जिसका पासपोर्ट सं. Z4724992 है जो मो. इरशाद खान पुत्र अशफाक खाँ के नाम से जारी हुआ है। जबकि मेरे अन्य अभिलेखों में मेरा नाम मो. इरशाद पुत्र अशफाक खाँ दर्ज है उक्त दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। भविष्य में मुझे मो. इरशाद पुत्र अशफाक खां के नाम से ही जाना जाए। **मो. इरशाद पुत्र अशफाक खां नि. ग्राम सभा तहसील कलीनगर जिला पीलीभीत**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

सलखन फॉसिल्स पार्क में वैज्ञानिक अभिलेखन

अमृत विचार, लखनऊ : सोनभद्र के सलखन में मौजूद अवसादी संरचनाओं में पृथ्वी पर 1.4 अरब वर्ष पुराने जीवन के शुरूआती चरणों के प्रत्यक्ष प्रमाण मिले हैं। ये संरचनाएं केवल जीवाश्म नहीं बल्कि रासायनिक-जीव वैज्ञानिक स्मारक हैं, जो पृथ्वी के निर्जीव से सजीव ग्रह बनने की कहानी समेटे हुए हैं। उक्त प्रमाणों का सूक्ष्म वैज्ञानिक अभिलेखन शुरू हो गया है। दो दिवसीय इस फील्ड अध्ययन की शुरुआत सोमवार को विशेषज्ञ टीम ने शुरू की। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि सलखन फॉसिल पार्क में उप्र. इको टूरिज्म विकास बोर्ड और बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पाली साइंसेज (बीएसआईपी), लखनऊ की संयुक्त टीम ने अभिलेखन शुरू किया। बताया कि वैज्ञानिकों की टीम ने 17 नवम्बर को कैमूर की प्राचीन चट्टानों पर संरक्षित करोड़ों वर्ष पुराने जीवाश्मों का विस्तृत सर्वेक्षण किया।

जूनोटिक रोगों की रोकथाम को समझौता

अमृत विचार, लखनऊ : पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को विधानभवन स्थित उनके कार्यालय कक्ष में पशुपालन विभाग और जपाइगो (जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय से संबद्ध स्वास्थ्य संगठन) के बीच लखनऊ में जूनोटिक रोगों तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरों की रोकथाम और प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर औपचारिक हस्ताक्षर किए गए। एमओयू पर हस्ताक्षर पशुपालन विभाग के निदेशक-रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र, डॉ. नेमपाल सिंह और जपाइगो के कंट्री डायरेक्टर डॉ. अमित शाह ने किए। इस मौके प्रमुख सचिव पशुधन एवं दुग्ध विकास, मुकेश मेश्राम, विशेष सचिव देवेंद्र पांडे और निदेशक (प्रशासन एवं विकास) डॉ. योगेन्द्र सिंह पंवार भी मौजूद रहे।

कम्प्यूटर ट्रेनिंग स्कीम के लिए आवेदन 20 से

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार अन्य पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाएगी। इस उद्देश्य से संचालित कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना (ओ लेवल एवं सीसीसी) के दूसरे चरण के लिए समय-सारिणी जारी कर दी गई है। यह योजना उन प्रतिभागियों के लिए है, जो इंटरमीडिएट उत्तीर्ण हों और जिनके माता-पिता या अभिभावकों की वार्षिक आय अधिकतम 1 लाख रुपये हो। पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने बताया कि संस्थाओं का चयन किया जा चुका है। इन संस्थाओं में प्रशिक्षण के लिए इच्छुक अभ्यर्थी 20 नवंबर से 1 दिसम्बर तक विभागीय पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। प्रशिक्षणार्थियों के जिला-स्तरीय चयन के बाद 12 दिसम्बर से पूरे प्रदेश में एक साथ प्रशिक्षण सत्र प्रारम्भ कराए जाएंगे।

कृषि विशेषज्ञों ने गोष्ठी में रखे सुझाव

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2047 तक छह ट्रिलियन यूएस डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें कृषि क्षेत्र से एक ट्रिलियन यूएस डॉलर के योगदान का रोडमैप तैयार है। विजन डॉक्यूमेंट 2047 को साधने के लिए 22 उद्देश्य रखे गए हैं। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ के मरकरी ऑडिटोरियम में विकसित उत्तर प्रदेश-2047 के अंतर्गत बेस्ट प्रेक्टिस एवं विजन डॉक्यूमेंटेशन पर आयोजित विचार मंथन गोष्ठी में प्रतिभाग किया। इसमें कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति, कृषि वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्रों के विशेषज्ञ और प्रगतिशील किसान शामिल हुए हैं, जिन्होंने बदलते कृषि परिदृश्य और भावी आवश्यकताओं पर विचार रखे।

आतंकी भाई-बहन के सीधे संपर्क में थे लखनऊ के सात लोग

दिल्ली बम धमाका मामला : होटल में लोगों से मुलाकात कर बनती थी योजना, केंद्रीय व स्थानीय जांच एजेंसियां खंगाल रहीं सभी की कुंडली

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : दिल्ली लाल किला बम धमाका कांड में खंदारी बाजार की डॉ. शाहीन शाहिद और उसके भाई डॉ. परवेज का नाम सीधे तौर पर जुड़ा है। जहां डॉ. शाहीन मास्टर माइंड तो डॉ. परवेज सबसे करीबी मददगार बताया जा रहा है। जांच एजेंसयां भाई-बहन के लखनऊ नेटवर्क को खंगाल रही हैं। एटीएस, स्पेशल सेल और केंद्रीय एजेंसियां शहर में उन लोगों को तलाश रही हैं, जिनसे दोनों भाई-बहन लगातार संपर्क में रहते थे। शुरुआती जांच में यह बात स्पष्ट हुई है कि शाहीन और परवेज लखनऊ में सात से आठ लोगों के बेहद करीबी थे। उनसे हर दूसरे दिन बातचीत होती थी। इस मामले में राजधानी के करीब 25 संदिग्ध लोगों से सुरक्षा एजेंसियां व स्थानीय पुलिस ने पूछताछ किया है।

एटीएस ने रविवार को पारा के कुंदन विहार कालोनी से भाई-बहन को पकड़ा है। उनके नंबर पर भी डॉ. शाहीन व डॉ. परवेज के

कॉल आने की बात सामने आई है। सुरक्षा एजेंसियां दोनों के मोबाइल नंबरों की डिटेल व चैट रिकार्ड खंगालने में जुटी है। जिनमें से कुछ नंबर ऐसे मिले हैं। जो काफी लंबे समय से शाहीन व परवेज से संपर्क में रहे। जांच में सामने आया कि संदिग्ध लोग राजधानी के अलग-अलग इलाके में रहते हैं। इनमें ज्यादातर पेशे से डॉक्टर, लैब तकनीशियन, पैरामेडिकल कर्मचारी और निजी अस्पतालों के कर्मचारी शामिल हैं। जांच टीमों ने ऐसे सभी लोगों की चिह्नित कर लिया है। जिनसे दोनों भाई-बहन की बातचीत होती थी। इनमें कुछ ऐसे लोग भी हैं जिन्होंने हाल ही में अपने नंबर बदल लिए हैं। वहीं कुछ ने लखनऊ छोड़ने की तैयारी कर ली थी। जांच एजेंसियां उनकी तलाश में जुटी हुई है। उन सभी लोगों को लगातार ट्रेस किया जा रहा है। उनकी गतिविधियों को चेक किया जा रहा, शक होने पर उनसे पूछताछ की जाएगी। पकड़ने के बाद उन सभी लोगों के मोबाइल, लैपटाप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए जा सकते हैं ताकि डिजिटल फोरेंसिक के जरिए उनकी गतिविधियों का पूरा रिकार्ड निकाला जा सके। एजेंसियों को उम्मीद है कि लखनऊ में मिले इन संपर्कों के आधार पर दिल्ली विस्फोट प्रकरण की कड़ियों को जोड़ने में मदद मिलेगी।

ले रहे लोकल इंटेलिजेंस यूनिट की मदद

जांच एजेंसियों को जिनका पता नहीं मिल रहा है। उसको तलाशने के लिए लोकल इंटेलिजेंस यूनिट (एलआइयू) की मदद ली जा रही है। डीसीपी मध्य विक्रांत वीर का कहना है कि किसको चिह्नित किया गया है। यह जानकारी नहीं है, लेकिन कुछ नाम व पते के बारे में जानकारी मांगी जा रही है। उसे टीम द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है।

तीन पासपोर्ट, सभी पर पते अलग-अलग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पासपोर्ट में जांच रिपोर्ट लगाने वाले पुलिसकर्मी भी संदेह के घेरे में
- पिता व भाई पर गहराया संदेह निगरानी बढ़ी

अमृत विचार: दिल्ली धमाके में पकड़ी गई खंदारी बाजार की डॉ. शाहीन शाहिद के पास से तीन पासपोर्ट मिला है। एजेंसियों ने जब इसकी जांच शुरू की तो फर्जीवाड़ा भी सामने आया। तीनों पासपोर्ट पर अलग-अलग पते, अलग-अलग अभिभावक के नाम दर्ज हैं। एजेंसियां इसे आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने के लिए बनवाये जाने की बात कह रहीं हैं। इन पासपोर्ट को बनवाने व जांच करने वाले अधिकारियों के बारे में भी एजेंसियां जांच कर रही है।

दिल्ली लाल किला धमाका और फरीदाबाद में पकड़े गये भारी मात्रा में विस्फोटक में सफेद पोश आतंकी माड्यूल का खुलासा हुआ। इस मामले में अब तक देश की बड़ी सुरक्षा एजेंसियों एनआईए, एटीएस और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 6 डॉक्टर, दो मौलवी समेत 18 लोगों को गिरफ्तार किया है। अभी तक की जांच में सामने आया कि इस मॉड्यूल की प्रमुख सदस्यों में अल-फलाह यूनिवर्सिटी फरीदाबाद की डॉ. शाहीन शाहिद है। एजेंसियों ने शाहीन की पासपोर्ट की जांच की तो कई चौंकाने वाले राज सामने आये। डॉ. शाहीन शाहिद के पासपोर्ट की जांच में कई संदिग्ध खुलासे हुए हैं। डॉ. शाहीन, जो लखनऊ की रहने वाली है। शुरुआत में वह कानपुर के जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज से जुड़ी थी, तब उसने अपने पासपोर्ट को उसी अपडेट करवाया था। जिसमें पते और अभिभावक के नाम बदलते रहे। सूत्रों के अनुसार, यह बदलाव उनके धार्मिक कट्टरवाद और आतंकी घटना के बाद फरार होने की साजिश का हिस्सा है।

अंतिम पासपोर्ट इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के पते पर जारी

जांच में सामने आया कि डॉ. शाहीन के पासपोर्ट में पहले कानपुर के जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज का पता दर्ज था, जहां वे नौकरी करती थी। नौकरी छोड़ने के बाद दूसरे पासपोर्ट में लखनऊ का पता जोड़ा गया। तीसरे में फरीदाबाद का पता आया, जो अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़ा था। अंतिम पासपोर्ट में इंटीग्रल यूनिवर्सिटी लखनऊ का पता दर्ज है, जहां उसके भाई परवेज अंसारी नौकरी करता है। परवेज को भी धार्मिक कट्टरवाद के संदेह में गिरफ्तार किया गया है। साथ ही डॉ. शाहीन ने अपने अभिभावक का नाम भी कई हर बार बदल दिया है। पहले पासपोर्ट में पिता का नाम दर्ज है। वहीं दूसरे में पति और तीसरे में भाई का नाम दर्ज कराया है। जांच कर रही एजेंसी की माने तो यह सब डॉ. शाहीन की पहचान छिपाने और विदेश भागने की तैयारी में किया गया। तीन नवंबर को उसे गिरफ्तार किया गया तो वह दुबई भागने की तैयारी कर चुकी थी। इसके भी प्रमाण मिले हैं।

पाकिस्तान समेत नौ विदेश यात्राओं का खंगाला जा रहा ब्योरा

जांच एजेंसियों ने डॉ. शाहीन के विदेश यात्राओं का ब्योरा भी खंगालना शुरू कर दिया है। पासपोर्ट जांच से पता चला कि वह तीन बार पाकिस्तान गई। जहां जैश-ए-मोहम्मद के कैंपों से संपर्क किया है। इसकी जांच की जा रही है। वहीं, छह अन्य देशों की यात्राएं की हैं। 2013 में कानपुर नौकरी छोड़ने के बाद वे थाईलैंड गई। जिसके मॉड्यूल की शुरुआती फंडिंग या ट्रेनिंग से जुड़े होने की संभावना है। दिल्ली स्पेशल सेल, एनआईए और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीम की जांच में सामने आया कि डॉ. शाहीन ने 2023 में मस्जिद के फर्जी पते पर सिम कार्ड लिया और परिवार के पतों से परहेज किया। इसकी भी जांच की जा रही है। जांच एजेंसियां इस बात की जांच कर रही है कि डॉ. शाहीन के पासपोर्ट बनवाने के समय की गई पुलिस जांच में रिपोर्ट किसने लगाई? किस आधार पर उसके पते को सही माना गया? ऐसे पुलिसकर्मी भी चिह्नित किये जा रहे हैं। जांच एजेंसियां इन पुलिसकर्मियों से भी पूछताछ करेगी।

छह दिसंबर को बड़े आतंकी हमले की थी तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सुरक्षा एजेंसियों की जांच व डॉ. शाहीन व डॉ. परवेज से पूछताछ में हुआ खुलासा
- शाहीन के पास मिले डिजिटल साक्ष्य, डायरी व नोट्स में दर्ज है पूरा प्लान

अमृत विचार: सुरक्षा एजेंसियों की गिरफ्त में आई डॉ. शाहीन शाहिद का कुबूलनामा चौंकाने वाला है। एजेंसियां डॉ. शाहीन को दिल्ली बम धमाके का मास्टर माइंड बता रहीं हैं। शाहीन के पास से मिले डिजिटल साक्ष्य, डायरी, उसके नोट्स की जांच की गई। जिसमें 6 दिसंबर को होने वाले आतंकी हमले के प्लान के बारे में विस्तार से बताया गया है। प्लान का एकमात्र उद्देश्य 1992 के बाबरी मस्जिद विध्वंस का बदला लेना था। एजेंसियां पूरे गिरोह के पर्दाफाश के लिए जुटी हैं।

एजेंसियों की जांच में सामने आया कि डॉ. शाहीन पर करीब चार वर्ष पूर्व एक करीबी रिश्तेदार ने शादी कर परिवार बसाने और नौकरी के बारे में दबाव बनाया। इस पर शाहीन ने कहा कि उसके परिवार नहीं कौम के लिए कुछ करने का समय आ गया है। जांच में सामने आया कि शाहीन जैश-ए-मोहम्मद से काफी पहले जुड़ी थी। वर्षों से इसका प्लान तैयार कर रही थी। इस मिशन की वह मास्टर माइंड है। डॉ. शाहीन को जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी ''मैडम सर्जन'' कहकर बुलाते थे। शाहीन छह दिसंबर (बाबरी विध्वंस) का बदला लेना चाहती थी। इसके लिए साथी डॉक्टरों के साथ मिलकर छह शहरों में आतंकी हमला करने की योजना बनाकर काम कर रही थी। जांच एजेंसियों ने हर बिंदु पर जांच शुरू कर दिया है। साथ ही हर सामान की जांच कर रही है जो शाहीन के पास से मिली हैं। इनमें डिजिटल सबूत, डायरियां और आतंकी मिशन के नोट्स शामिल हैं। इन नोट्स में छह दिसंबर को होने वाले आतंकी हमले के षडयंत्र के बारे में विस्तार से बताया गया है।

तीन शहर और सात बैंक खाते

जांच में सामने आया कि डॉ. शाहीन और कश्मीरी मूल के डॉ. मुजम्मिल अहमद गनी व डॉ. उमर उन नबी को क्या काम सौंपे गये थे। सभी डॉक्टर 2021 में जैश-ए-मोहम्मद समर्थित एक ग्रुप में शामिल हो गए थे। जांच में उमर, मुजम्मिल और शाहीन के पास जैश हैंडलर के माध्यम से आए 20 लाख रुपये हवाला के जरिये आने की पुष्टि हुई है। इसका प्रयोग नए आतंकियों की भर्ती, उन्हें सुरक्षित ठिकाना दिलाना और एक दूसरे से संपर्क स्थापित करने के लिए करनी थी। जांच एजेंसियों के मुताबिक डॉ. शाहीन को विदेशों से फंडिंग की जा रही थी। डॉ. शाहीन के नाम पर कानपुर में 3, लखनऊ और दिल्ली में दो-दो बैंक खाते मिले हैं। इन बैंक खातों से हुए प्रत्येक ट्रांजेक्शन की जांच की जा रही है। विदेशी फंडिंग वाले मॉड्यूल से किसी भी तरह के संबंध की तलाश जारी है। टीमें कानपुर में, खासकर जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में पड़ताल कर ही है। यहीं पर डॉ. शाहीन लापता होने तक काम करती थी। जांच एजेंसी लखनऊ, कानपुर, फरीदाबाद समेत उससे जुड़े हर ठिकानों पर नजर रखे है। ताकि कोई भी संदिग्ध गतिविधि मिलने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

युवतियों का जिहादी गिरोह तैयार कर रही थी शाहीन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वीडियो कॉल व जूम मीटिंग पर घंटों देती थी प्रशिक्षण
- युवकों के पकड़े जाने पर युवतियों को आगे कराने की थी योजना

अमृत विचार: सुरक्षा एजेंसियों की जांच और डॉ. शाहीन व उसके भाई डॉ. परवेज के पास से मिले दस्तावेजों से कई राज सामने आ,। इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस व अन्य सामग्री से यह बात सामने आई कि डॉ. शाहीन व उसका भाई डॉ. परवेज यूपी समेत अन्य प्रदेशों में आतंक की पाठशाला चला रहे थे। दोनों ने इसका खुलासा पूछताछ में भी किया। जूम मीटिंग व वीडियो कॉल के माध्यम से डॉ. शाहीन शाहिद युवतियों को आतंकवाद के लिए प्रशिक्षण दे रही थी। वह युवतियों का जिहादी गिरोह तैयार कर रही थी। ताकि सुरक्षा एजेंसियों द्वारा अगर युवकों को निशाना बनाया जाए तो युवतियां मिशन पूरा करें।

जांच एजेंसियों के मुताबिक डॉ. शाहीन, डॉ. परवेज व डॉ. आरिफ युवतियों से ऑनलाइन बातचीत करते थे। उनका ब्रेनवॉश करते थे। धार्मिक कट्टरवाद को बढ़ाते थे। तीनों मुस्लिम युवकों और युवतियों को कहते थे कि 'यह आतंक की राह नहीं है। यह अल्लाह का पैगाम है। अल्लाह के लिए कुर्बानी देनी होगी। इसके लिए अल्लाह ने हमें चुना है। अब तक की पूछताछ में पुलिस को जानकारी मिली है कि डॉ. शाहीन की इस वीडियो पाठशाला में कानपुर से गिरफ्तार डॉ. आरिफ, उसका भाई डॉ. परवेज और हापुड़ से गिरफ्तार डॉ. फारूक अहमद भी जुड़ा हुआ था। डॉ. शाहीन मुस्लिम महिलाओं और लड़कियों को भड़काऊ भाषणों से जिहाद के लिए तैयार कर रही थी। वह शादीशुदा महिलाओं से कहती थी कि इसके लिए उन्हें अपने शौहर को तलाक भी देना होगा और परिवार छोड़ना होगा।

जैश की लेडी विंग की कमांडर डॉ शाहीन शाहिद खुद अपने पति को तलाक दे चुकी है। तलाक देने के बाद वह अपने बच्चों कभी मिलने नहीं गई। इतना ही नहीं वह लखनऊ भी अपने परिवार से मिलने नहीं आती थी। जांच में सामने आया कि वह अपने भाई डॉ. परवेज से संपर्क में थी। दोनों कई बार सहारनपुर में मिले भी थे। तलाक के बाद भाई परवेज को अभिभावक बनाया था।

धैर्य, संतुलन व अडिग होकर बढ़ेंगे तो सफलता निश्चित

बीबीडीयू के दीक्षांत समारोह में शिक्षक की भूमिका में नजर आए मुख्यमंत्री योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जीवन में कोई भी अयोग्य नहीं होता। धैर्य, संतुलन और अडिग होकर समाधान की ओर बढ़ेंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने युवाओं को एआई के सही उपयोग की सीख देते हुए कहा कि तकनीक आपके द्वारा संचालित हो, आप उसके द्वारा संचालित न हों। उन्होंने संस्थानों से स्केल और स्किल के साथ संस्कारों पर भी जोर देने को कहा। साथ ही बीबीडीयू में स्किल व स्केल के समन्वय की सराहना की।

मुख्यमंत्री सोमवार को बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय (बीबीडीयू) के दीक्षांत समारोह में शिक्षक की भूमिका में नजर आए। कहा कि प्रयास करने से सब कुछ हो सकता है। जीवन में सफलता के दो ही मार्ग हैं। समाधान की तरफ जाएंगे तो सफलता प्राप्त होगी। समस्या को बार-बार गिनाते रहेंगे तो सफल नहीं हो सकते। समस्या की बजाय समाधान पर ध्यान दीजिए। सभी लोग मिलकर जब सामूहिक रूप से प्रयास करेंगे तो

लखनऊ स्थित बीबीडी यूनिवर्सिटी में मेधावी छात्रा को उपाधि देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह व अन्य।

- युवाओं से कहा, जीवन में कोई भी अयोग्य नहीं, तकनीक से आगे बढ़ें गुलाम नहीं

समाधान मिलेगा। जीवन में सदा नया सीखने का अवसर प्राप्त होता है। अलग-अलग सेक्टरों में हमें नए अवसरों को ढूंढने का प्रयास करना चाहिए। कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं है, बल्कि योग्य योजक चाहिए। संस्थान, बॉस, आचार्य, अभिभावक और व्यक्ति भावी पीढ़ी के लिए योजक बन सकते हैं। जीवन में धैर्य, संतुलन खोए बिना अडिग होकर आगे बढ़ेंगे तो सफलता कदम चूमेगी। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने लंबी छलांग लगाई है। उन्होंने स्केल को स्किल में बदलने का कार्य किया।

तकनीक के साथ संस्कारों को भी जोड़ें

मुख्यमंत्री योगी ने संस्थानों को नसीहत दी कि युवाओं को टेक्नोलॉजी के साथ ही संस्कारों से भी जोड़े, जिस पर विकसित भारत के रूप में मजबूत इमारत का निर्माण करना है। पीएम मोदी के विकसित भारत का विजन विकसित यूपी से साकार होगा और इसके लिए सभी को मिलकर सामूहिक प्रयास करना होगा। कहा कि जनसहभागिता के बिना कोई भी स्कीम सफल नहीं होती है। उन्होंने सभी को आगाह किया कि कानून का पालन करना ही होगा।

योगी ने बस्ती जाकर दी नंदा बाबा को श्रद्धांजलि

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गोरखनाथ मंदिर से रहा नंदा बाबा का गहरा लगाव

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बस्ती पहुंचकर धार्मिक आयोजनों के लिए विख्यात रहे नंदा बाबा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। नंदा बाबा का 3-4 नवंबर की रात निधन हो गया था।

नंदा बाबा (देशबंधु नंदानाथ महाराज) को श्रद्धांजलि देने के लिए मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से श्रीकृष्ण पांडेय इंटर कॉलेज मैदान में बने हेलीपैड पर उतरे। यहां से वह दक्षिण दरवाजा स्थित नंदा बाबा के आश्रम में पहुंचे और नंदा बाबा के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। नंदा बाबा 1970 में जिला अस्पताल के पास दुर्गा पंडाल में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापना करने और सावन माह में कांवड़ियों की सेवा के लिए सुपरिचित रहे। उनका गोरखनाथ मंदिर से भी गहरा लगाव था। उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद मुख्यमंत्री ने श्रद्धांजलि सभा में आए साधु-संतों से मुलाकात की और सनातन हित में नंदा बाबा के योगदान को याद किया।

बस्ती पहुंचकर नंदा बाबा के चित्र पर पुष्पांजलि देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अभियान | नदी पारिस्थितिकीय प्रणाली के संरक्षण के लिए रिवर रैंचिंग महत्वपूर्ण : निषाद

मत्स्य विकास को आंदोलन बनाएगी सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्य सरकार उत्तर प्रदेश में नदी संरक्षण और मत्स्य विकास को जनांदोलन का रूप देगी। यह अभियान रिवर रैंचिंग का होगा, जो नदी पारिस्थितिकीय प्रणाली के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दरअसल इसके माध्यम से प्रदेश को मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी और आत्मनिर्भर बनाने की योजना है। नदियों में मत्स्य संसाधनों का पुनर्जीवन, पारंपरिक मछली पकड़ने के तरीकों को बढ़ावा देना इसका मुख्य उद्देश्य है।

ऐसे ही एक अभियान की शुरुआत करते हुए मत्स्य विकास मंत्री डॉ.

गोमती रिवर फ्रंट पर रिवर रैंचिंग कार्यक्रम के दौरान मंत्री डॉ. संजय निषाद।

संजय निषाद की अगुवाई में सोमवार को यहां न्यू लक्ष्मण पार्क, गोमती रिवर फ्रंट पर राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड, हैदराबाद से संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजनांतर्गत जन जागरूकता कार्यक्रम रिवर रैंचिंग का आयोजन किया गया। इस मौके पर उप्र. मत्स्य विकास निगम लि. गोमती हैचरी, लखनऊ से 2 लाख भारतीय मेजर कार्प मत्स्य बीज (रोहू कतला और नैन) 80 से 100 एमएम का संचय किया गया।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत मत्स्य पालन के लिए एयरेशन सिस्टम योजना और मछुआ दुर्घटना बीमा के कुल 6 लाभार्थियों को मत्स्य मंत्री ने प्रमाण पत्र वितरित किए। इस दौरान डॉ. निषाद ने कहा कि योजना का मुख्य उद्देश्य नदियों में मत्स्य संसाधनों का पुनर्जीवन, पारंपरिक मछली पकड़ने के तरीकों को बढ़ावा देना, मछुआ समुदाय की आजीविका को मजबूत बनाना तथा जलीय जैव विविधता में वृद्धि करना है।

मुख्यमंत्री ने निर्माण में ढिलाई पर फटकारा

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार शाम गोरखपुर में उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल (यूपी एसएसएफ) की द्वितीय वाहिनी के निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने महज 10 फीसदी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को फटकार लगाई। निर्देश दिए कि कार्य गति दोगुनी की जाए ताकि लक्ष्य से चार माह पहले जून 2026 तक काम हर हाल में पूरा हो सके। मुख्यमंत्री योगी ने मौके पर पहुंचकर मॉडल का अवलोकन करने के बाद स्थल पर निर्माण की स्थिति देखी। अधिकारियों ने बताया कि अब तक केवल 10 प्रतिशत निर्माण पूरा हो सका है और 500 श्रमिक कार्यरत हैं।

गोहत्या, गैंगस्टर में 25 दोषियों को सात-सात साल की कैद

बुलंदशहर, एजेंसी

जिले की एक अदालत ने गोहत्या और गैंगस्टर एक्ट मामले में 25 लोगों को दोषी करार देते हुए उन्हें सात-सात साल की कैद और प्रत्येक पर 15,050 रुपये का जुर्माना लगाया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

लोक अभियोजक योगेश कुमार ने बताया कि साक्ष्यों और दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश (गैंगस्टर एक्ट) चंद विजय श्रीनेत ने 14 नवंबर को 25 आरोपियों को दोषी ठहराया। उन्होंने बताया कि मुकदमे के दौरान एक आरोपी की मृत्यु हो गई थी और चार आरोपियों के मुकदमे अलग-अलग कर दिए गए। सोमवार को अदालत ने सभी 25 दोषियों को सजा सुनाई।

कुमार ने बताया कि मामला दो मई 2005 का है, जब पुलिस को सूचना मिली थी कि कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के अकबरपुर और कमालपुर गांव के बीच जंगल में कुछ लोग गो वध कर रहे हैं। पुलिस के मौके पर पहुंचने पर इलाके में गोवंश के अवशेष मिले। संदिग्धों को पकड़ने की कोशिश के दौरान दो आरोपियों ने पुलिस पर गोलियां चलाईं।पुलिस ने घटनास्थल से गोहत्या में इस्तेमाल उपकरण, एक देसी तमंचा और कारतूस बरामद किए।

एप बताएगा शराब की क्वालिटी

लखनऊ, अमृत विचार: शराब पीने के शौकीन भी अब एक एप से अपनी शंकाओं का समाधान कर सकेंगे। इस ऐप से वह मदिरा की क्वांटिटी और क्वालिटी ही नहीं बल्कि संबधित अन्य जानकारियां भी हासिल कर सकेंगे। कुछ कमी मिलने पर टोलफ्री हेल्पलाइन नं. 14405 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

दरअसल, मदिरा खरीद की व्यवस्था पारदर्शी बनाने के लिए यूपी एक्साईज सिटिजेन एप लांच किया गया है। इस एप को अपने मोबाइल पर डाउनलोड कर क्यूआर कोड स्कैन करते ही मूल्य, मात्रा, दुकान का नाम सहित अन्य विवरण चेक किया जा सकेगा। इसके लिए यूपी एक्साईज सिटिजेन एप की शुरुआत की।

शराब का सेल्समैन अफीम के साथ गिरफ्तार

बरेली, अमृत विचारः बारादरी थाना पुलिस ने एक तस्कर को 604 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। उसका एक साथी फरार हो गया। पुलिस के मुताबिक अफीम की कीमत करीब 15 लाख रुपये है। आरोपी ने बताया कि वह अफीम झारखंड से लाकर शहर में सप्लाई करता था। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया।

बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि रविवार रात पुलिस टीम सब्जी मंडी के पास चेकिंग कर रही थी। मादक पदार्थ की तस्करी की सूचना पर टीम डोहरा रोड पर पहुंची तो वहां खड़े व्यक्ति पुलिस टीम को देखकर भागने लगे। जिसमें से एक युवक को पुलिस ने पकड़ लिया, जबकि दूसरा फरार हो गया। पकड़े गए युवक की तलाशी लेने पर उसके पास से 604 ग्राम अफीम बरामद हुई। पकड़े गए युवक ने अपना नाम सोनू निवासी सहसवानी टोला थाना बारादरी बताया है।

बरेली कॉलेज परिसर में फंदे से लटका मिला शव

कालाबाड़ी का रहने वाला था पल्लेदार, कालेज प्रबंधन ने दी सूचना

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- बारादरी पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच कर जुटाए साक्ष्य

अमृत विचारः बरेली कॉलेज परिसर में सोमवार सुबह एक पल्लेदार का शव बेल्ट के सहारे फंदे पर लटका मिलने से सनसनी फैल गई। कालेज प्रबंधन की सूचना पर बारादरी थाना पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। इसके बाद युवक की शिनाख्त कराकर उसके परिजनों को सूचना दी। पुलिस ने बताया कि युवक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हैंगिंग आया है। परिजनों ने भी कोई आरोप नहीं लगाया है।

फाल्तूनगंज, कालीबाड़ी निवासी 30 वर्षीय बिहारी पुत्र कल्लू राम पल्लेदारी करता था। रविवार की रात वह खाना खाकर घर से निकला था। बरेली कॉलेज में नए परीक्षा भवन के पास सोमवार सुबह उसका का शव बेल्ट के सहारे फंदे पर लटका मिला। नए परीक्षा भवन के पास मिट्टी हटाने का काम चल रहा है। सोमवार सुबह जब मजदूर वहां पर काम करने के लिए पहुंचे तो शव लटकता हुआ देखा, जिससे सभी घबरा गए। उन्होंने कॉलेज प्रबंधन को घटना की जानकारी दी। सूचना पर पहुंची बारादरी थाना पुलिस ने मौके पर जांच करने के बाद शव को फंदे से नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बारादरी इंस्पेक्टर धनंजय पांडे ने बताया कि युवक के पोस्टमार्टम में हैंगिंग आई है। परिजनों ने किसी तरह का कोई आरोप नहीं लगाया है। मृतक के भतीजे अजय ने बताया कि उसके चाचा अविवाहित और शराब पीने के आदी थे।

कॉलेज की सुरक्षा को लेकर खड़े हुए सवाल

बरेली कॉलेज परिसर में बाहरी व्यक्ति का शव फंदे पर लटका मिलना सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है, जबकि प्राइवेट चौकीदार भी लगाए गए हैं। इससे पहले चोरी की घटनाएं कॉलेज परिसर में हो चुकी हैं। चीफ प्रॉक्टर प्रो. आलोक खरे ने बताया कि परिसर में नए परीक्षा भवन के पास एक युवक के शव फंदे पर लटकने की सूचना मिली थी। कॉलेज परिसर का भवन कालीबाड़ी क्षेत्र में लगता है। छतों के सहारे कई लोग आकर खुराफात करते हैं। इस पर सख्ती की जा रही है।

एयरफोर्स के हेलीकाप्टर की खेत में इमरजेंसी लैंडिंग

मीरगंज (बरेली), संवाददाता

- नियमित प्रशिक्षण मिशन पर था वायुसेना का एएलएच हेलीकॉप्टर

अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के गोरा लोकनाथपुर गांव में तकनीकी खराबी के चलते एयरफोर्स के हेलीकॉप्टर की सरसों के खेत में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। सभी वायुसैनिक सुरक्षित हैं। इमरजेंसी लैंडिंग की सूचना मिलते ही वायुसेना की तकनीकी टीम भी गांव में पहुंचकर जांच में जुट गई है। हेलीकॉप्टर को देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे खेत में खड़ी सरसों की फसल क्षतिग्रस्त हो गई।

बरेली जिले के मीरगंज क्षेत्र के गोरा लोकनाथपुर गांव में सोमवार शाम लगभग 4 बजे भारतीय वायुसेना के एएलएच हेलीकॉप्टर को उड़ान के दौरान आई तकनीकी खराबी के चलते एहतियाती इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। हेलीकॉप्टर को विनोद शर्मा के सरसों के खेत में सुरक्षित उतारा गया। वायुसेना ने पुष्टि की कि हेलीकॉप्टर नियमित प्रशिक्षण मिशन पर था और तकनीकी गड़बड़ी के बाद पायलटों ने आपातकालीन कार्रवाई के तहत सुरक्षित लैंडिंग की। हेलीकॉप्टर में सवार सभी वायुसैनिक सुरक्षित हैं और जमीन पर भी किसी प्रकार की क्षति या चोट की सूचना नहीं है। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीएम आलोक कुमार, सीओ अजय कुमार, एसओ संजय तोमर, बीडीओ आनंद विजय यादव सहित प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। वायुसेना की तकनीकी टीम भी गांव में पहुंचकर जांच में जुट गई है। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी शांतनु प्रताप ने बताया कि हेलीकॉप्टर को सुरक्षित उतारने के बाद बचाव दल को तत्काल रवाना किया गया। उधर, हेलीकॉप्टर को नजदीक से देखने के लिए ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिसके कारण खेत में करीब आठ बीघा सरसों की फसल बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। ग्राम प्रधान धर्मेंद्र चौधरी और सचिव शशांक शर्मा ने बताया कि वायुसेना दल के रुकने, रोशनी, भोजन और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था गांव में ही कर दी गई है। मौके पर एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन वाहन भी मौजूद रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत ढिरिया खुर्द विकास खण्ड मीरगंज, बरेली

शासनादेश सं.–42/2021/1235/33–3–2021–989/2021 दिनांक 25 जुलाई 2021 के क्रम में निदेशक पंचायती राज उ.प्र. लखनऊ के पत्र संख्या–6/2222/2018–6/ 203 ए/2024–25 दिनांक 17.12.2024 के द्वारा पंचायत सहायक/एकाउन्टेन्ट–कम–डाटा इण्ट्री आपरेटर के पद पर चयन हेतु निर्धारित योग्यता व विवरण के अनुसार आवेदन पत्र योग्य अभ्यर्थियों से आमंत्रित किये जाते हैं :–

1. कुल रिक्त पद : 01
2. ग्राम पंचायत की रिक्ति का विवरण एवं आवेदन पत्र ग्राम पंचायत सचिवालय पर उपलब्ध है।
3. आवेदन तिथि 15.11.2025 से 20.11.2025 तक।

क्र.सं.	भर्ती प्रक्रिया	निर्धारित समय
1.	ग्राम पंचायत द्वारा पंचायत सहायक/एकाउण्टेण्ट कम डाटा इन्ट्री आपरेटर के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित करने की सूचना, ग्राम पंचायत के सूचना पट्ट एवं मुनादी द्वारा कराया जाना।	15.11.2025 से 20.11.2025 तक
2.	जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय, विकास खण्ड कार्यालय ग्राम पंचायत कार्यालय में आवेदन पत्र जमा करने की अवधि।	21.11.2025 से 05.12.2025 तक
3.	जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय व विकास खण्ड कार्यालय में प्राप्त आवेदन पत्रों को सम्बन्धित ग्राम पंचायत को उपलब्ध कराया जाना।	06.12.2025 से 13.12.2025 तक
4.	ग्राम पंचायत में प्राप्त आवेदन पत्रों की श्रेष्ठता सूची (मेरिट लिस्ट) तैयार करना एवं ग्राम पंचायत की प्रशासनिक समिति के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया जाना एवं समिति द्वारा अनुमोदित श्रेष्ठता सूची को जिला स्तरीय समिति के विचारार्थ समिति के सदस्य सचिव (जिला पंचायत राज अधिकारी) को उपलब्ध कराया जाना	14.12.2025 से 22.12.2025 तक
5.	जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा परीक्षण एवं संस्तुति	23.12.2025 से 31.12.2025 तक
6.	ग्राम पंचायत द्वारा नियुक्ति पत्र निर्गत किया जाना	01.01.2026 से 07.01.2026

आवेदन की प्रक्रिया : निर्धारित आवेदन के प्रारूप पर समस्त सूचनाएं अंकित कर व्यक्तिगत रूप से अथवा रजिस्टर्ड डाक से अपनी ग्राम पंचायत विकास खण्ड कार्यालय अथवा जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय में निर्धारित समयावधि में उपलब्ध कराया जायेगा। समस्त चयन प्रक्रिया शासनादेश सं.–42/2021/1235/33–3–2021–989/2021 दिनांक 25 जुलाई 2021 एवं 1/114148/2025 दिनांक 18.12.2025 (संशोधन/प्रतिस्थापित व्यवस्था) में दिये गये प्राविधानों के अनुरूप संचालित होगी।

प्रधान सचिव

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–प्रापण निविदा सं.:
उप मु.इं.-निर्माण-एलजेएन-09-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं:–

क्रम सं.-1, खुली निविदा संख्या: उप मु.इं.-नि.-एलजेएन-09-2025, दिनांक 15-11-2025, कार्य का नाम: पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल के अन्तर्गत गोमतीनगर स्टेशन पर तीन स्टैबलिंग लाईन का प्रावधान (सिविल+रेलपथ)। अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 9,46,80,764.75, बयाना राशि: ₹ 6,23,400/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: -निल-, कार्य पूर्ण करने की अवधि: 09 (नौ) माह।

● क्रम सं.-1, ई-टेण्डर डालने की अन्तिम तिथि 08-12-2025 समय 15:00 बजे तक है तथा उसी दिन 15:30 बजे मुख्य प्रशासनिक अधिकारी / निर्माण / पूर्वोत्तर रेलवे / गोरखपुर के कार्यालय में खोली जायेगी। ● निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्ते वेबसाइट *https://www.ireps.gov.in* अथवा वेबसाइट *www.ner.indianrailways.gov.in* पर भी देखा जा सकता है। ● निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण-II,
मुजाधि/डब्लू-335 **लखनऊ जं.**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

मेट्रो ट्रेन : डिपो के लिए बड़ा बाईपास पर 20 हेक्टेयर भूमि चिह्नित

राकेश शर्मा, बरेली

- राइट्स ने बीडीए संग मिलकर बड़ा बाईपास पर नई आवासीय टाउनशिप के पास सर्वे कर डिपो की भूमि चयनित की

अमृत विचारः मेट्रो ट्रेन की फाइनल डीपीआर तैयार करने की दिशा में डिपो बनाने के लिए भूमि चयनित कर ली गई है। डीपीआर तैयार कर रही राइट्स कंपनी ने पहले आईवीआरआई क्षेत्र में करीब 20 हेक्टेयर भूमि चयनित की थी। मंडलायुक्त भूपेंद्र एस. चौधरी ने केंद्रीय संस्थान को सुरक्षित रखने के लिए ग्रेटर बरेली क्षेत्र में डिपो के लिए भूमि चिह्नित करने के निर्देश दिए। इसके बाद राइट्स ने बीडीए के अधिकारियों के साथ मिलकर नई आवासीय टाउनशिप के पास बड़ा बाईपास पर किसानों की 20 हेक्टेयर भूमि डिपो के लिए चिह्नित की है।

> मेट्रो ट्रेन की फाइनल डीपीआर बनाने की दिशा में राइट्स काम कर रही है। मेट्रो का डिपो बनाने के लिए 20 हेक्टेयर भूमि चयनित करने को सर्वे कराया गया है। डिपो के डिजाइन को शामिल करते हुए फाइनल डीपीआर शासन को भेजी जाएगी।
> –भूपेंद्र एस. चौधरी, मंडलायुक्त

डिपो में आठ मीटर ऊंची बिल्डिंग बनाने के लिए एयरफोर्स से एनओसी मांगी गई है। एनओसी मिलने के बाद डिपो के लिए चयनित भूमि की मिट्टी की टेस्टिंग कराई जाएगी। मिट्टी की टेस्टिंग रिपोर्ट आने के बाद डिपो की डिजायन तैयार होगी। मंडलायुक्त की मंजूरी मिलने के बाद डिपो की डिजाइन डीपीआर में शामिल की जाएगी। इसके बाद मंडलायुक्त की अध्यक्षता में बैठक होगी। इसमें डीपीआर को मंजूरी मिलने के बाद फाइनल डीपीआर शासन को भेजी जाएगी, ताकि शासन डीपीआर का अवलोकन कर एप्रूवल दे सके। फाइनल डीपीआर शासन को भेजे जाने के बाद बरेली शहर में मैट्रो ट्रेन संचालन की उम्मीद शत-प्रतिशत हो जाएगी। मैट्रो ट्रेन संचालन के लिए रूट पहले ही तय हो चुके हैं। इधर, बरेली विकास प्राधिकरण के चीफ इंजीनियर एपीएन सिंह ने बताया कि मेट्रो ट्रेन के लिए डिपो की 20 हेक्टेयर भूमि बीडीए की पीलीभीत बाईपास रोड से लगी नई आवासीय टाउनशिप के पास बड़ा बाईपास पर चिह्नित कर ली है। फन सिटी के पास मेट्रो ट्रेन का जंक्शन बनेगा।

तौकीर रजा की जमानत अर्जियों पर सुनवाई टली

विधि संवाददाता, बरेलीः शहर में 26 सितंबर को बवाल कराने के मुख्य आरोपी आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के विरुद्ध कोतवाली थाने में दर्ज तीन मुकदमों में जमानत अर्जी पर सुनवाई सोमवार को टल गयी। अदालत ने तीनों अर्जियों पर सुनवाई को मंगलवार की तिथि नियत की है।

वहीं बारादरी थाने की तीन अन्य अर्जियों पर 19 नवंबर को सुनवाई होगी। संभावना है कि जिला जज के आदेश पर अब सभी अर्जियां ट्रांसफर होकर एडीजे-4 की अदालत में ही सुनी जाएंगी, वहीं एडीजे-5 का चार्ज अब तक एडीजे-6 रहे तबरेज अहमद ने संभाला है। बता दें कि पुलिस इस मामले में कई आरोपियों को जेल भेज चुकी है।

कार्यालय ग्राम पंचायत बिबियापुर कायस्थान विकास खण्ड फतेहगंज पश्चिमी, बरेली

शासनादेश सं.–42/2021/1235/33–3–2021–989/2021 दिनांक 25 जुलाई 2021 के क्रम में निदेशक पंचायती राज उ.प्र. लखनऊ के पत्र संख्या–6/2222/2018–6/ 203 ए/2024–25 दिनांक 17.12.2024 के द्वारा पंचायत सहायक/एकाउन्टेन्ट–कम–डाटा इण्ट्री आपरेटर के पद पर चयन हेतु निर्धारित योग्यता व विवरण के अनुसार आवेदन पत्र योग्य अभ्यर्थियों से आमंत्रित किये जाते हैं :–

1. कुल रिक्त पद : 01
2. ग्राम पंचायत की रिक्ति का विवरण एवं आवेदन पत्र ग्राम पंचायत सचिवालय पर उपलब्ध है।
3. आवेदन तिथि 15.11.2025 से 20.11.2025 तक।

क्र.सं.	भर्ती प्रक्रिया	निर्धारित समय
1.	ग्राम पंचायत द्वारा पंचायत सहायक/एकाउण्टेण्ट कम डाटा इन्ट्री आपरेटर के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित करने की सूचना, ग्राम पंचायत के सूचना पट्ट एवं मुनादी द्वारा कराया जाना।	15.11.2025 से 20.11.2025 तक
2.	जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय, विकास खण्ड कार्यालय ग्राम पंचायत कार्यालय में आवेदन पत्र जमा करने की अवधि।	21.11.2025 से 05.12.2025 तक
3.	जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय व विकास खण्ड कार्यालय में प्राप्त आवेदन पत्रों को सम्बन्धित ग्राम पंचायत को उपलब्ध कराया जाना।	06.12.2025 से 13.12.2025 तक
4.	ग्राम पंचायत में प्राप्त आवेदन पत्रों की श्रेष्ठता सूची (मेरिट लिस्ट) तैयार करना एवं ग्राम पंचायत की प्रशासनिक समिति के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया जाना एवं समिति द्वारा अनुमोदित श्रेष्ठता सूची को जिला स्तरीय समिति के विचारार्थ समिति के सदस्य सचिव (जिला पंचायत राज अधिकारी) को उपलब्ध कराया जाना	14.12.2025 से 22.12.2025 तक
5.	जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा परीक्षण एवं संस्तुति	23.12.2025 से 31.12.2025 तक
6.	ग्राम पंचायत द्वारा नियुक्ति पत्र निर्गत किया जाना	01.01.2026 से 07.01.2026

आवेदन की प्रक्रिया : निर्धारित आवेदन के प्रारूप पर समस्त सूचनाएं अंकित कर व्यक्तिगत रूप से अथवा रजिस्टर्ड डाक से अपनी ग्राम पंचायत विकास खण्ड कार्यालय अथवा जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय में निर्धारित समयावधि में उपलब्ध कराया जायेगा। समस्त चयन प्रक्रिया शासनादेश सं.–42/2021/1235/33–3–2021–989/2021 दिनांक 25 जुलाई 2021 एवं 1/114148/2025 दिनांक 18.12.2025 (संशोधन/प्रतिस्थापित व्यवस्था) में दिये गये प्राविधानों के अनुरूप संचालित होगी।

प्रधान सचिव

कार्यालय ग्राम पंचायत परौरा विकास खण्ड मीरगंज, बरेली

शासनादेश सं.–42/2021/1235/33–3–2021–989/2021 दिनांक 25 जुलाई 2021 के क्रम में निदेशक पंचायती राज उ.प्र. लखनऊ के पत्र संख्या–6/2222/2018–6/ 203 ए/2024–25 दिनांक 17.12.2024 के द्वारा पंचायत सहायक/एकाउन्टेन्ट–कम–डाटा इण्ट्री आपरेटर के पद पर चयन हेतु निर्धारित योग्यता व विवरण के अनुसार आवेदन पत्र योग्य अभ्यर्थियों से आमंत्रित किये जाते हैं :–

1. कुल रिक्त पद : 01
2. ग्राम पंचायत की रिक्ति का विवरण एवं आवेदन पत्र ग्राम पंचायत सचिवालय पर उपलब्ध है।
3. आवेदन तिथि 15.11.2025 से 20.11.2025 तक।

क्र.सं.	भर्ती प्रक्रिया	निर्धारित समय
1.	ग्राम पंचायत द्वारा पंचायत सहायक/एकाउण्टेण्ट कम डाटा इन्ट्री आपरेटर के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित करने की सूचना, ग्राम पंचायत के सूचना पट्ट एवं मुनादी द्वारा कराया जाना।	15.11.2025 से 20.11.2025 तक
2.	जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय, विकास खण्ड कार्यालय ग्राम पंचायत कार्यालय में आवेदन पत्र जमा करने की अवधि।	21.11.2025 से 05.12.2025 तक
3.	जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय व विकास खण्ड कार्यालय में प्राप्त आवेदन पत्रों को सम्बन्धित ग्राम पंचायत को उपलब्ध कराया जाना।	06.12.2025 से 13.12.2025 तक
4.	ग्राम पंचायत में प्राप्त आवेदन पत्रों की श्रेष्ठता सूची (मेरिट लिस्ट) तैयार करना एवं ग्राम पंचायत की प्रशासनिक समिति के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया जाना एवं समिति द्वारा अनुमोदित श्रेष्ठता सूची को जिला स्तरीय समिति के विचारार्थ समिति के सदस्य सचिव (जिला पंचायत राज अधिकारी) को उपलब्ध कराया जाना	14.12.2025 से 22.12.2025 तक
5.	जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा परीक्षण एवं संस्तुति	23.12.2025 से 31.12.2025 तक
6.	ग्राम पंचायत द्वारा नियुक्ति पत्र निर्गत किया जाना	01.01.2026 से 07.01.2026

आवेदन की प्रक्रिया : निर्धारित आवेदन के प्रारूप पर समस्त सूचनाएं अंकित कर व्यक्तिगत रूप से अथवा रजिस्टर्ड डाक से अपनी ग्राम पंचायत विकास खण्ड कार्यालय अथवा जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय में निर्धारित समयावधि में उपलब्ध कराया जायेगा। समस्त चयन प्रक्रिया शासनादेश सं.–42/2021/1235/33–3–2021–989/2021 दिनांक 25 जुलाई 2021 एवं 1/114148/2025 दिनांक 18.12.2025 (संशोधन/प्रतिस्थापित व्यवस्था) में दिये गये प्राविधानों के अनुरूप संचालित होगी।

प्रधान सचिव

कार्यालय नगर पंचायत उसांवा (बदायूं)

पत्रांक: 129/न.पं.उसा./2025–26 दिनांक: 17.11.2025

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि 15वां वित्त आयोग वर्ष 2023–24 बुनियादी अनुदान की प्रथम/द्वितीय/राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से निम्न सूची में अंकित कार्य को कराने के वास्ते निविदाएं नीची/ऊंची दरों के आधार पर दिनांक 26.11.25 को समय 2:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाएं उसी दिन पंचायत कार्यालय में अपरान्ह 4 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 25.11.25 को अपरान्ह 3 बजे तक पंचायत कार्यालय में निर्धारितमूल्य जमाकर प्राप्त कर सकते हैं। प्रत्येक निविदा के साथ निम्नानुसार 2% धरोहर राशि की एफ.डी.आर./टी.डी.आर. ''जो कि अधिकारी अधिकारी के पदनाम से बंधक हो'' धरोहर राशि के रूप में संलग्न करना अनिवार्य होगा। तथा निर्धारित अवधि के उपरांत प्राप्त किसी भी निविदा पर किसी भी दशा में विचार नहीं किया जायेगा। किसी भी निविदा को किसी भी समय स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी में निहित होगा। अन्य किसी भी प्रकार की जानकारी किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

क्र.	कार्य का नाम	आगणन राशि (Including G.S.T.)	धरोहर राशि 2%	निविदा मूल्य+GST 18% सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	2.	3.	4.	5.	6.
15 वां वित्त आयोग वर्ष 2023–24 बुनियादी अनुदान की प्रथम व द्वितीय किश्त के अन्तर्गत					
1.	नगर पंचायत उसांवा वार्ड नं. 01 निर्माण कार्य इण्टरलॉकिंग ईट रोड मय नाली वीरेन्द्र से राजू की चक्की तक।	1,42,600/–	2,900/–	177/–	एक माह
2.	नगर पंचायत उसांवा वार्ड नं.–05 निर्माण कार्य इण्टरलॉकिंग ईट रोड मय नाली जगवती से रामवरन कश्यप तक।	4,89,500/–	9,800/–	590/–	एक माह

शर्तें:–

1. निविदादाता को निविदा के साथ आंगणन मूल्य की 2% धनराशि नगर पंचायत के Account No. 3356000100117135 IFS Code PUNB0335600 Branch PUNJAB NATIONAL BANK, USAWAN (BUDAUN) में ई–पेमेन्ट/एफ.डी.आर. के माध्यम से जमा करने के उपरान्त पुष्टि हेतु जमा विवरण की स्कैन प्रति निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। जमानत राशि अवर अभियन्ता (सि.) की संस्तुति की आख्यानुसार 01 वर्ष उपरांत कार्य संतोषजनक स्थिति में होने पर अवमुक्त की जायेगी।
2. निविदादाता को निविदा के साथ 100/– रू. के स्टाम्प पेपर पर शपथ–पत्र पब्लिक नोटरी द्वारा सत्यापित देना अनिवार्य होगा। जिसका आलेख कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।
3. सशर्त निविदा पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
4. ब्लैक लिस्ट ठेकेदार को निविदा देने का कोई अधिकार नहीं होगा।
5. अद्योहस्ताक्षरी को किसी भी निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा।
6. ठेकेदार को समस्त निर्माण सम्बन्धी सामग्री का स्वयं अपने व्यय पर प्रबन्ध करना होगा।
7. निविदा स्वीकृत होने के उपरांत ठेकेदार को सात दिन के अन्दर नियमानुसार अपने व्यय पर कार्य का निर्धारित स्टाम्प पर अनुबन्ध–पत्र गठित करना होगा।
8. समस्त कार्य लोक निर्माण विभाग की अध्यावधिक विशिष्टियों के अनुसार ही पूर्ण करना होगा।
9. आयकर की कटौती ठेकेदार के भुगतान बिल से की जायेगी, विभाग की ओर से अतिरिक्त कोई भुगतान नहीं देय होगा।
10. जी.एस.टी. का प्रावधान उ.प्र. शासन द्वारा निर्गत शासनादेशानुसार किया जायेगा।

देवेन्द्र प्रताप गौतम
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत, उसावां (बदायूं)

प्रियंका सिंह
अध्यक्ष
नगर पंचायत, उसावां (बदायूं)

कार्यालय ग्राम पंचायत अकिलाबाद विकास खण्ड शेरगढ़, जनपद बरेली

शासनादेश सं.–42/2021/1235/33–3–2021–989/2021 दिनांक 25 जुलाई 2021 के क्रम में निदेशक पंचायती राज उ.प्र. लखनऊ के पत्र संख्या–6/2222/2018–6/ 203 ए/2024–25 दिनांक 17.12.2024 के द्वारा पंचायत सहायक/एकाउन्टेन्ट–कम–डाटा इण्ट्री आपरेटर के पद पर चयन हेतु निर्धारित योग्यता व विवरण के अनुसार आवेदन पत्र योग्य अभ्यर्थियों से आमंत्रित किये जाते हैं :–

1. कुल रिक्त पद : 01
2. ग्राम पंचायत की रिक्ति का विवरण एवं आवेदन पत्र ग्राम पंचायत सचिवालय पर उपलब्ध है।
3. आवेदन तिथि 15.11.2025 से 20.11.2025 तक।

क्र.सं.	भर्ती प्रक्रिया	निर्धारित समय
1.	ग्राम पंचायत द्वारा पंचायत सहायक/एकाउण्टेण्ट कम डाटा इन्ट्री आपरेटर के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित करने की सूचना, ग्राम पंचायत के सूचना पट्ट एवं मुनादी द्वारा कराया जाना।	15.11.2025 से 20.11.2025 तक
2.	जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय, विकास खण्ड कार्यालय ग्राम पंचायत कार्यालय में आवेदन पत्र जमा करने की अवधि।	21.11.2025 से 05.12.2025 तक
3.	जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय व विकास खण्ड कार्यालय में प्राप्त आवेदन पत्रों को सम्बन्धित ग्राम पंचायत को उपलब्ध कराया जाना।	06.12.2025 से 13.12.2025 तक
4.	ग्राम पंचायत में प्राप्त आवेदन पत्रों की श्रेष्ठता सूची (मेरिट लिस्ट) तैयार करना एवं ग्राम पंचायत की प्रशासनिक समिति के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया जाना एवं समिति द्वारा अनुमोदित श्रेष्ठता सूची को जिला स्तरीय समिति के विचारार्थ समिति के सदस्य सचिव (जिला पंचायत राज अधिकारी) को उपलब्ध कराया जाना	14.12.2025 से 22.12.2025 तक
5.	जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा परीक्षण एवं संस्तुति	23.12.2025 से 31.12.2025 तक
6.	ग्राम पंचायत द्वारा नियुक्ति पत्र निर्गत किया जाना	01.01.2026 से 07.01.2026

आवेदन की प्रक्रिया : निर्धारित आवेदन के प्रारूप पर समस्त सूचनाएं अंकित कर व्यक्तिगत रूप से अथवा रजिस्टर्ड डाक से अपनी ग्राम पंचायत विकास खण्ड कार्यालय अथवा जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय में निर्धारित समयावधि में उपलब्ध कराया जायेगा। समस्त चयन प्रक्रिया शासनादेश सं.–42/2021/1235/33–3–2021–989/2021 दिनांक 25 जुलाई 2021 एवं 1/114148/2025 दिनांक 18.12.2025 (संशोधन/प्रतिस्थापित व्यवस्था) में दिये गये प्राविधानों के अनुरूप संचालित होगी।

प्रधान सचिव

घातक बीमारियों के लिए ढाल है टीका, जरूर लगवाएं

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में फार्मेसी वीक के तहत अतिथि व्याख्यान व रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

अमृत विचार : बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के फार्मेसी विभाग में राष्ट्रीय फार्मेसी वीक का सोमवार से आरंभ हुआ। फार्मासिस्ट एज एडवोकेट ऑफ वैक्सीनेशन थीम के तहत अतिथि व्याख्यान व रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कॉलेज के सामुदायिक चिकित्सा विभाग की प्रोफेसर डॉ. मेधावी अग्रवाल ने व्याख्यान में कोविड–19 टीकाकरण, बच्चों का टीकाकरण व पेंटावेलेंट वैक्सीन के महत्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। कहा कि देश में टीकाकरण कार्यक्रम बच्चों तक सीमित नहीं रह गया है, अब वयस्कों के लिए भी नए क्लीनिक बनाए जा रहे हैं, जो विभिन्न गंभीर बीमारियों से सुरक्षा बढ़ाने में मदद करते हैं।

टीकाकरण ने चिकित्सा इतिहास में सबसे बड़ी सफलताएं दी हैं। इससे तमाम घातक बीमारियों से बचाव होता है। चेचक को टीकाकरण के माध्यम से 1980 में पूरी तरह समाप्त कर दिया गया। दुनिया के अधिकांश देश अब पोलियो-मुक्त हो चुके हैं। लगातार टीकाकरण अभियानों के कारण पोलियो वायरस लगभग खत्म हो चुका है। टीकों की ठंडे तापमान पर भंडारण (कोल्ड चेन) एक बड़ी चुनौती है -और सरकार इस दिशा में लॉजिस्टिक्स सुदृढ़ करने के लिए कदम उठा रही है। कोल्ड चेन होल्डर्स को प्रशिक्षित करना और नए तापमान-नियम लागू करना, ये दोनों महत्वपूर्ण कदम हैं, ताकि टीकों की बर्बादी कम हो और उनका पूरा लाभ मिल सके। रंगोली प्रतियोगिता में दीक्षा माहेश्वरी समूह प्रथम और अपूर्वा समूह द्वितीय स्थान पर रहा। कार्यक्रम संयोजक अनीता यादव व मेघा पांडे रहीं। बीआईयू कॉलेज ऑफ फार्मेसी के प्राचार्य डॉ. पुष्पेंद्र कन्नौजिया ने कार्यक्रम में विद्यार्थियों की सहभागिता की सराहना की। शैक्षणिक प्रभारी डॉ. शैलेंद्र कुमार वर्मा ने सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की प्रशंसा की। विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. लता अग्रवाल ने विजेताओं सहित सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। कहा कि इस तरह के आयोजनों से शैक्षिक माहौल को मजबूती मिलती है।

कार्यालय जिला गन्ना अधिकारी, बदायूं

पत्रांक: 1550/क्रय–प्रेसनोट दिनांक: 14.11.2025

1. जनपद में स्थित क्रय केन्द्रों के आवंटन के अनुसार चीनी मिलों को खरीद के दिये गये निर्देश।
2. चालू पेराई सत्र में गन्ना पचियों केवल एस.एम.एस. पर्ची के रूप में किसानों के पंजीकृत मोबाईल पर की जायेंगी प्रेषित।
3. किसान अपने पंजीकृत मोबाईल रखें चालू, मोबाईल का इनबॉक्स खाली रखें।
4. किसान अपने पंजीकृत नम्बर पर डी.एन.डी. सर्विस को एक्टिवेट न करायें, जिससे एस.एम.एस. गन्ना पर्ची मोबाईल पर उन्हें रियल टाईम प्राप्त हो सके।
5. कृषक बंधू अपने पंजीकृत मोबाईल नम्बर की जांच कर लें यदि मोबाईल नम्बर गलत है तो उसे गन्ना समिति के माध्यम से अपडेट करायें।

पेराई सत्र 2025–26 अन्तर्गत जनपद बदायूं में कुल गन्ना क्षेत्रफल 17014 हे. में अनुमानित गन्ना उत्पादन 134.59 ला.कु. है, गन्ना खरीद हेतु जनपद के 80 क्रयकेन्द्रों पर आवंटन के अनुसार जनपद की चीनी मिल बदायूं व बिसौली के अतिरिक्त वाहय जनपद की चीनी मिलें, न्यौली (कासगंज), करीमगंज (रामपुर), मझावली व रजपुरा (सम्भल), फरीदपुर (बरेली) तथा रूपापुर (हरदोई) द्वारा गन्ना खरीद की जायेगी। पेराई सत्र 2025–26 में हेतु जनपद के कृषकों को गन्ना पर्चियाँ केवल एस.एम.एस. पर्ची के रूप उनके मोबाईल फोन पर प्रेषित होंगी। किसान अपने पंजीकृत मोबाइल चालू रखें तथा मोबाईल का इनबॉक्स खाली रखें। किसान अपने पंजीकृत नम्बर पर डी.एन.डी. सर्विस को एक्टिवेट न करें जिससे एस.एम.एस. गन्ना पर्ची मोबाईल पर उन्हें रियल टाईम प्राप्त हो सकें। कृषक बंधू अपने पंजीकृत मोबाईल नम्बर की जांच कर लें। यदि मोबाईल नम्बर गलत है तो उसे गन्ना समिति के माध्यम से अपडेट करायें। सभी चीनी मिलों को निर्देशित किया गया है कि गन्ने की तौल ऑनलाइन ही करें, कृषक की गन्नें से भरी ट्राली को ग्रास वजन के बाद खाली कराकर उसका टेयर वजन करने के पश्चात् मिल पर्ची उपलब्ध करायी जाये। किसी भी दशा में ऑफलाइन तौल नहीं की जायेगी और निर्धारित मोड पर केवल 15 प्रतिश ओवर वेट गन्ने की तौल करें इससे अधिक तौल पर मिल अध्यासी के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी।

अशर्फी लाल
जिला गन्ना अधिकारी
(बदायूं)

सड़क दुर्घटना ले चुकी है महामारी का रूपः प्रो. बीकेएस

बरेली, अमृत विचारः रुहेलखंड विश्वविद्यालय के आरआईएफ सभागार में सोमवार को रोड सेफ्टी विषय पर कार्यक्रम आयोजित कर छात्रों को जागरूक किया गया। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता पदम श्री एवं एम्स गुवाहाटी के अध्यक्ष प्रो. बीकेएस संजय ने बताया कि सड़क दुर्घटना एक महामारी का रूप ले चुकी है। प्रति वर्ष देश में लगभग पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें लगभग डेढ़ लाख लोग जान गवां देते हैं और लगभग डेढ़-दो लाख अपंग हो जाते हैं। उनके अनुसार मानव संशाधन सबसे महत्वपूर्ण संशाधन है, जिसका संरक्षण किया जाना चाहिए। यातायात नियमों का पालन करने से सड़क दुर्घटना को बहुत हद तक कम किया जा सकता है। दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले एवं अपंग होने वाले अधिकांश लोग युवा वर्ग के होते हैं, जिनको जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। युवा आयु, नशा और पैसा दुर्घटना के मुख्य कारक हैं। ड्राइविंग के समय ट्रैफिक नियमों का पालन सुनिश्चित करना और लापरवाही न करना सड़क दुर्घटनाओं को बहुत हद तक कम कर सकता है।कुलपति प्रो. केपी सिंह की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में शोध निदेशक प्रो. आलोक श्रीवास्तव ने प्रो. संजय का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ब्रजेश कुमार ने किया। कार्यक्रम में डॉ. संदीप कुमार, डॉ. आशीष जैन, प्रो. नवीन कुमार एवं प्रो. मुस्तफा का विशेष सहयोग रहा।

प्रेम की कोई भाषा नहीं होती है, प्रेम का फूल मौन में खिलता है। प्रेम संगीत है, प्रेम अंतर्नाद है और प्रेम ही अनाहद नाद है। - ओशो

इसरो की छलांग

इसरो की अगले तीन वर्षों में अंतरिक्ष यान निर्माण क्षमता को तीन गुना करने की तैयारी मात्र तकनीकी विस्तार नहीं, भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की दीर्घकालिक रणनीति का संकेत भी है। साफ है कि इसरो मात्र प्रक्षेपण सेवा प्रदाता या वैज्ञानिक मिशनों तक सीमित नहीं रहना चाहता, वह वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में एक निर्णायक खिलाड़ी बनना चाहता है। वर्तमान में इसरो की क्षमता अवसंरचना और अल्प प्रक्षेपण अवसरों के चलते सीमित है। एक साथ कई वैज्ञानिक और वाणिज्यिक मिशनों को संभालने में इससे दिक्कत होती है। क्षमता को तीन गुना करना वैज्ञानिक अभियानों की गति बढ़ाने के साथ वैश्विक बाजार के वाणिज्यिक अवसरों को भी भुनाने में मददगार होगा। यह भविष्य में इसरो को मिशनों के ओवरलैप के दबाव से मुक्त करेगा और निजी उद्योगों तथा नई अंतरिक्ष कंपनियों को भी बड़े पैमाने पर जोड़ेगा। वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी अभी लगभग दो प्रतिशत है, जिसे 2030 तक बढ़ाकर आठ प्रतिशत करने का लक्ष्य है। क्षमता विस्तार, उद्योग साझेदारी, तेज प्रक्षेपण चक्र और सस्ते, लेकिन भरोसेमंद मिशनों से इसरो इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य तक पहुंच सकता है। भारत की कम लागत वाली तकनीक और बढ़ती विश्वसनीयता विदेशी ग्राहकों को खूब आकर्षित कर रही है। इसरो जिन कार्यक्रमों पर काम कर रहा है, वे अभूतपूर्व हैं-चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ का अध्ययन करने वाला जापान-भारत संयुक्त मिशन 'लूपेक्स', 2028 के लिए निर्धारित चंद्रयान-4, भारतीय उद्योग द्वारा निर्मित पहला पूरी तरह स्वदेशी पीएसएलवी और भविष्य के अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल की तैयारी। इनमें से हर एक परियोजना न केवल तकनीकी क्षमता बढ़ाने के साथ इसरो की वैश्विक विश्वसनीयता को नई ऊंचाई देगी।

भारतीय निजी उद्योग निर्मित पीएसएलवी अंतरिक्ष क्षेत्र में ठीक उसी तरह भागीदार बनेगा-जैसे अमेरिका में स्पेसएक्स और अन्य निजी कंपनियां नासा के लिए सहायक हैं। इससे न केवल प्रक्षेपण क्षमता बढ़ेगी, बल्कि एक विशाल घरेलू अंतरिक्ष पारिस्थितिकी भी बनेगी। चूंकि इसरो अब अधिकांश, परियोजनाओं को अलग-अलग समर्पित केंद्रों और उद्योग भागीदारी के साथ आगे बढ़ा रहा है इसलिए उसके चलते दूसरे अभियानों में विलंब की आशंका कम है। हालांकि मानवीय उड़ान मिशन बेहद जटिल होते हैं और सुरक्षा के मानक सर्वोपरि रहते हैं, इसलिए समय में नैसर्गिक बदलाव असामान्य नहीं होगा। भारत का प्रस्तावित अंतरिक्ष स्टेशन, जिसके पांच मॉड्यूल 2035 तक कक्षा में स्थापित होने की योजना है, राष्ट्रीय अंतरिक्ष शक्ति के विकास का निर्णायक कदम होगा। पहला मॉड्यूल 2028 तक बन पाने की संभावना मजबूत है और यह भारत को "लो अर्थ ऑर्बिट रिसर्च पॉवर" के रूप में वैश्विक क्लब में शामिल करेगा। इन सभी उपलब्धियों और लक्ष्यों को देखते हुए यह स्पष्ट है कि इसरो का भविष्य उज्ज्वल है। यह केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों का विस्तार नहीं, यह भारत की आत्मनिर्भरता, प्रौद्योगिकीय नेतृत्व और वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी बढ़ाने की लंबी छलांग है। इससे देश को वैज्ञानिक प्रतिष्ठा, आर्थिक अवसर, वैश्विक साझेदारियां और युवाओं के लिए नई शोध-संभावनाएं प्राप्त होंगी। इसरो की नई छलांग उसे वैश्विक अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा में बहुत आगे ले जाएगा। भारत अब अंतरिक्ष में पहुंचने की ही नहीं, बल्कि वहां अपनी ऊंची जगह बनाने की तैयारी कर चुका है।

सम्मानित प्रोफेशन में विध्वंस की पनपती सोच

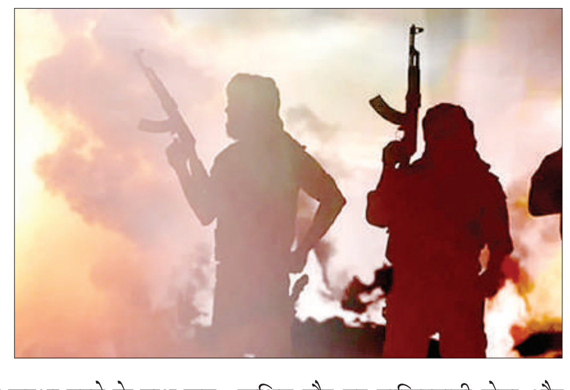

अजय दयाल

लखनऊ

बुद्धिजीवी वर्ग में भी विध्वंस की सोच आतंकवाद का एक घिनौना रूप है, जो दिल्ली धमाके में स्पष्ट तौर पर सामने आ गया। फिलवक्त आतंकवाद से पूरी दुनिया त्रस्त है और इसका जड़ से खत्मा करने को हर स्तर पर पुरजोर कोशिशें की जा रहीं हैं, पर चिंता इस बात की है कि जहां आतंकवाद को उखाड़ फेंकने के भरसक प्रयास जारी हैं, वहीं इसका सामने आ रहा घिनौना रूप हमारे देश की जड़ों, संस्कृति को विषाक्त कर रहा है। जाहिर है लोकतांत्रिक व्यवस्था को चुनौती दे रहे आतंकवाद के इस घिनौने रूप का नाम है- बौद्धिक आतंकवाद।

राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास हुए भीषण धमाके के पीछे कई डॉक्टरों के नाम सामने आए, जिसमें विस्फोट हुआ, उस कार को डॉक्टर उमर चला रहा था। इस घटना के बाद तो एक के बाद उसके कनेक्शन, जो सामने आ रहे हैं, उनमें से तमाम डॉक्टर ही हैं। पुलवामा का उमर उन तीन डाक्टरों का साथी पाया गया, जिनके पास से फरीदाबाद में लगभग तीन हजार किलो विस्फोटक और हथियार मिले थे। इनमें डॉ. मुजम्मिल और डॉ. आदिल कश्मीरी हैं, जबकि तीसरी साथी डॉ. लखनऊ की है। इसी नेटवर्क का एक अन्य मिला डॉ. मोहिउद्दीन, जो गुजरात पुलिस के हत्थे चढ़ा। यह अपनी शैक्षक बौद्धिकता का दुरुपयोग अरंडी के बीज से बेहद घातक जहर राइसिन बना रहा था ताकि सामूहिक नरसंहार के नापाक इरादे को अंजाम दे सके।

हालांकि डॉक्टर्स, इंजीनियर्स और प्रोफेसर पहले भी आतंकवाद के सूत्रधार के रूप में सामने आ चुके हैं। उस पुणे वाले डॉ. अदनान अली को याद कीजिए, जिसे 2023 में दबोचा गया था, शहर का प्रतिष्ठित चिकित्सक माना जाता था, पर वह आतंकी समूह आइएस के लिए काम कर रहा था। दरअसल, डाक्टर्स, इंजीनियर्स, प्रोफेसर के अलावा तमाम हाई एजुकेटेड मुस्लिम युवा आतंकी के रूप में हमारे सुरक्षा दस्ते के हाथ लग चुके हैं, जो समाज में अपने बौद्धिक प्रोफेशनल्स की छवि बनाए हुए थे, लेकिन पर्दे के पीछे घिनौना विध्वंस करने में जुटे थे। तमाम को तो सुरक्षा एजेंसियों ने चिन्हित कर लिया, लेकिन वे समय रहते सीरिया और अफगानिस्तान पहुंचकर आइएस या अलकायदा की गोद में जा बैठे। भारत ही नहीं दुनियाभर की लोकतांत्रिक सरकारों के लिए यह चिंता का विषय होगा कि अब उच्च शिक्षित तमाम युवा भी आतंकवाद की नींव को मजबूत करने में जुटे हैं।

आतंकवाद के शुरुआती चरण में एक वक्त ऐसा था, जब विध्वंसकारियों में अशिक्षित या आर्थिकतौर पर कमजोर ही मजहबी ब्रेनवॉश या अपने कुंठित विचारों के चलते मजबूरी में आतंक की राह पकड़ते थे, लेकिन अब तस्वीर पलटी हुई नजर आती है। अब उच्च शिक्षित अथवा सम्मानित प्रोफेशन रखने के बावजूद देश-दुनिया में ऐसे मुस्लिम युवक बहुतेरे हैं, जो आतंकी बन रहे हैं। अपने देश में ही केरल से लेकर कश्मीर तक में अनेक शिक्षित मुस्लिम युवाओं ने आतंक की राह पकड़ी। ताजा मामलों में कोई कट्टरपंथी मौलवी-मौलाना भी सामने नहीं आया, जिसकी वजह से आतंकवाद का बौद्धिक चेहरा बना हो।

इसी बीच आतंकवाद की नई सूरत अब महिलाओं के रूप में भी सामने आ गई है। ताजा घटनाओं के बाद छानबीन में सामने आया कि लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठन अब महिलाओं को फिदायीन (आत्मघाती हमलावर) के रूप में ट्रेंड कर रहे हैं। माना जाता है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद इन संगठनों ने साजिश की नई व्यूहरचना बनाई है। अब पुरुषों के साथ-साथ महिलाएं भी आतंक के इस घिनौने कृत्य में सूत्रधार बन रही हैं। बीते दिनों मीडिया से एक ऐसा वीडियो सामने आया, जिसमें पाकिस्तान के सियालकोट स्थित लश्कर-ए-तैयबा ट्रेनिंग सेंटर में कथित तौर पर पाकिस्तानी सेना और पुलिस के कुछ अधिकारी आतंकियों के साथ मिलकर नई खेप को ट्रेनिंग देते दिखे। उस वीडियो में कई महिलाओं को जिहादी विचारधारा से ब्रेनवॉश कर उन्हें हथियारों का प्रशिक्षण देते देखा जा सकता है। पता चला कि इन कैंपों में भारत और यहां के नेतृत्व को दुश्मन करार देकर जहर भरा जा रहा है।

> इसी बीच आतंकवाद की नई सूरत अब महिलाओं के रूप में भी सामने आई है। ताजा घटनाओं के बाद छानबीन में सामने आया कि लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठन अब महिलाओं को फिदायीन के रूप में ट्रेंड कर रहे हैं।

एक बड़ी हकीकत यह भी है कि डिजिटल दुनिया में मजहबी कट्टरता से जुड़े नापाक संदेश पहुंचाना आसान हो गया है। इस्लाम के नाम पर गुमराह करने वाली मुहिम अब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर है। जैश-ए-मोहम्मद ने तो महिलाओं को ध्यान में रखते हुए ही नया कोर्स लांच किया है। इस कोर्स में दाखिला लेने की फीस भी तय है। मीडिया से मिली जानकारी के मुताबिक, इस कोर्स की संचालक आतंकी सरगना मसूद अजहर की बहनें और उमर फारूक की पत्नी है। जैश-ए-मोहम्मद की महिलाओं की भर्ती के लिए एक अलग विंग ऐसी भी है, जो फंड रेज करने के साथ युवतियों को ऑनलाइन जिहाद को ट्रेंड कर रही है। कुलमिलाकर देश-दुनिया के अमन-चैन पसंद देशों को एक-दूसरे के साथ आतंकवाद के खिलाफ सभी निजी स्वार्थों को त्याग एक होना होगा। फिजिकल और डिजिटल दोनों फील्ड पर संयुक्त टीम बनाकर ज्यादा सक्रियता से काम करना होगा। एक खास बात और हर सरकारी व प्राइवेट प्लेटफार्म चाहे वह छोटी सी दुकान ही क्यों न हो ऐसी व्यवस्था लागू करनी होगी कि लंबी छुट्टी पर जाने वाले की सूचना या उसका संदिग्ध व्यवहार अपडेट हो, जो सरकारी सुरक्षातंत्र तक भी पहुंचे।

ऐसा स्कूल स्तर से ही लागू कर दिया जाना चाहिए। स्कूल स्तर से ही आतंकवाद का चेहरा पहचाने की ट्रेनिंग भी देनी होगी कि कहीं बच्चे मोबाइल गेम खेलते-खेलते ही इसका शिकार न बनें।

आमने

कश्मीर की परेशानी लाल किले के सामने गूंजी। सरकार का वादा था जम्मू-कश्मीर सुरक्षित होगा, जबकि अब दिल्ली ही खतरे में आ गई। हिंदुस्तान व जम्मू के लोग बड़े संजीदा हैं और ये देश कुर्बानियों से बना हुआ है। हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करके वोट तो मिल सकते हैं, लेकिन देश किस दिशा में जा रहा है।

- महबूबा मुफ्ती, पीडीपी प्रमुख

सामने

पहले महबूबा मुफ्ती खुद देखें, वह कहां है? 2019 में बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव लड़ती है, तो कभी बेतुके बयान देती हैं। पीडीपी चीफ बताएं कि हालात यहां बेहतर कब थे? महबूबा मुफ़्ती आज दुविधा में है, वो साफ ही नहीं कर पा रही है कि उन्हें जम्मू कश्मीर में कौन सी लकीर खींचनी है।

-सुरेंद्र चौधरी

उप-मुख्यमंत्री, जम्मू-कश्मीर

ब्राजील जलवायु सम्मेलन के लिए पेड़ों पर कुल्हाड़ी

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ लेखक

ब्राजील के नगर बेलेम में 10 से 21 नवंबर तक संयुक्त राष्ट्र का जलवायु परिवर्तन सम्मेलन कॉप-30 चल रहा है। इस सम्मेलन का मुख्य विषय उष्णकटिबंधीय वनों को बचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परंतु यहां विरोधाभासी दृष्टिकोण देखने में आया, जो इस सम्मेलन की उपलब्धियों के पाखंड को प्रस्तुत करने वाला है।

ब्राजील के जिस पारा प्रांत में बेलेम नगर स्थित है, वहां रोजाना 50 हजार पेड़ों पर निर्ममता से कुल्हाड़ी चलाई जा रही हैं। जलवायु सम्मेलन के बहाने अमेजन के वर्षावन के करीब एक लाख पेड़ों को काटे जाने का सिलसिला चल रहा है। बेलेम क्षेत्र में काटे जा रहे इन पेड़ों की सबसे ज्यादा खपत अमेरिका और यूरोप में होती है। बेलेम के इन वनों को 'दुनिया के फेफड़े' कहा जाता है। ये जंगल कार्बनडाइऑक्साइड को साफ कर सर्वाधिक ऑक्सीजन दुनिया की मानव आबादी को देते हैं। 8 मील के क्षेत्र में इन पेड़ों को इसलिए काटा गया है, जिससे सम्मेलन में उपस्थित होने वाले 50,000 नेता, पर्यावरणविद एवं जलवायु कार्यकर्ताओं को लाने-ले जाने की सुविधा मिल सके। यानी जो लोग जलवायु संरक्षण के उपायों पर वार्तालाप हेतु एकत्रित हो रहे हैं, उनके लिए पेड़ काटकर ही सुविधाजनक मार्ग बनाया गया है। ऐसे में विचारणीय बिंदू है कि वे लोग जलवायु बदलाव पर अंकुश के उपायों पर क्या बात करेंगे, जो खुद ही जंगल के विनाश का पर्याय बन रहे हैं।

> इन पेड़ों को इसलिए काटा गया है, जिससे सम्मेलन में उपस्थित होने वाले लोगों के लाने-ले जाने की सुविधा मिल सके। यानी जो लोग जलवायु संरक्षण के उपायों पर वार्तालाप हेतु एकत्रित हो रहे हैं, उनके लिए पेड़ काटकर ही सुविधाजनक मार्ग बनाया गया है।

इस सिलसिले में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ठीक ही कहा है कि "पर्यावारणवादियों के लिए अमेजन के जंगल को उजाड़ दिया, यह बहुत बड़ा घोटाला है।" किंतु यहां भी विरोधाभास है कि इस घोटाले के लिए जो पेड़ काटे गए हैं, उनका अमेरिका भी बड़ा खरीददार है। पेड़ों की अस्मिता पर ही मनुष्य व अन्य प्राणियों का जीवन टिका हुआ है। गोया पेड़ एक ऐसी प्राकृतिक संपदा है, जिसका यदि विनाश होता है, तो मनुष्य का सुखद जीवन भी संभव नहीं रह जाएगा। जब से मानव सभ्यता के विकास का क्रम शुरू हुआ है, तब से लेकर अब तक वृक्षों की संख्या में 46 प्रतिशत की कमी आई है। पेड़ों की गिनती के अब तक के सबसे समग्र वैश्विक अभियान में दुनियाभर के वैज्ञानिक समूहों ने यह निष्कर्ष निकाला है।

इस अध्ययन का आकलन है कि विश्व में तीन लाख करोड़ वृक्ष हैं। यानी मोटे तौर पर प्रति व्यक्ति 422 पेड़ हैं। हालांकि यह आंकड़ा पूर्व में आकलित अनुमानों से साढ़े सात गुना ज्यादा बताया गया है। दरअसल पूर्व के वैश्विक आकलनों ने तय किया था कि दुनियाभर में महज 400 अरब पेड़ लहरा रहे हैं। मसलन प्रति व्यक्ति पेड़ों की संख्या 61 है। यह आकलन व्यक्ति आधारित था, इसलिए इसकी प्रामाणिकता पर संदेह था। पेड़ों की यह गिनती उपग्रह द्वारा ली गई छवियों के माध्यम से की गई थी। इस गणना को तकनीक की भाषा में 'सेटेलाइट इमेजरी' कहते हैं। इस तकनीक से पूरा सर्वे वन-प्रांतरों में लिया गया है। इसमें जमीनी स्तर पर कोई आंकड़े नहीं जुटाए गए हैं।

इस अध्ययन की विस्तृत रिपोर्ट प्रतिष्ठित जनरल 'नेचर' में छपी है। रिपोर्ट के मुताबिक पेड़ों की उच्च सघनता रूस, स्कैंडीनेशिया और उत्तरी अमेरिका के उप आर्कटिक क्षेत्रों में पाई गई है। इन घने वनों में दुनिया के 24 फीसदी पेड़ हैं। पृथ्वी पर विद्यमान 43 प्रतिशत, यानी करीब 1.4 लाख करोड़ पेड़ उष्णकटिबंधीय और उपोष्ण कटिबंधीय वनों में हैं। इन वनों का चिंताजनक पहलू यह भी है कि वनों या पेड़ों की घटती दर भी इन्हीं जंगलों में सबसे ज्यादा है। 22 फीसदी पेड़ शीतोष्ण क्षेत्रों में हैं। इस अध्ययन की प्रामाणिकता इसलिए असंदिग्ध है, क्योंकि इस सामूहिक अध्ययन को बेहद गंभीरता से किया गया है। इस हेतु 15 देशों के वैज्ञानिक समूह बने। ऐसे समय जब दुनियाभर के पर्यावरणविद् और वैज्ञानिक जलवायु संकट के दिनों-दिन और गहराते जाने की चेतावनी दे रहे हैं।

विकास के नाम पर जंगलों के सफाए में तेजी भूमंडलीय आर्थिक उदारवाद के बाद आई है। पिछले 15 साल में ब्राजील में 17 हजार, म्यांमार में 8, इंडोनेशिया में 12, मेक्सिको में 7, कोलंबिया में 6.5, जैरे में 4 और भारत में 4 हजार प्रति वर्ग किलोमीटर के हिसाब से वनों का विनाश हो रहा है। यानी एक साल में 170 लाख हेक्टेयर की गति से वन लुप्त हो रहे हैं। यदि वनों के विनाश की यही रफ्तार रही, तो जंगलों को 4 से 8 प्रतिशत क्षेत्र, सन् 2030 तक विलुप्त हो जाएंगे। 2040 तक 17 से 35 प्रतिषत सघन वन मिट जाएंगे। इस समय तक इतनी विकराल स्थिति उत्पन्न हो जाएगी कि 20 से 75 की संख्या में दुर्लभ पेड़ों की प्रजातियां प्रति दिन नष्ट होने लग जाएंगी। नतीजतन आगामी 15 सालों में 15 प्रतिशत वृक्षों की प्रजातियां विलुप्त हो जाएंगी। इनकी विलुप्ति का असर फसलों पर भी पड़ेगा।

वृक्षों का संरक्षण इसलिए जरूरी हैं, क्योंकि वृक्ष जीव-जगत के लिए जीवन तत्वों का सृजन करते हैं। वायु व प्रदूषण, भू-क्षरण न हो, पेड़ों की अधिकता से ही संभव है। वर्षा चक्र की नियमित निरंतरता पेड़ों पर ही निर्भर है। वृक्षों की इन्हीं मूल्यवान उपयोगिताओं को ध्यान में रखकार हमारे ऋषि-मुनियों ने इन्हें देव तुल्य माना और इनके महत्व को पूजा से जोड़कर संरक्षण के अनूठे व दीर्घकालिक उपाय किए। इसलिए भारतीय जनजीवन का प्रकृति से गहरा आत्मीय संबंध है, लेकिन आधुनिक विकास और पैसा कमाने की होड़ ने संरक्षण के इन कीमती उपायों का लगभग ठुकरा दिया है।

प्रसंगवश

आखिर क्यों नहीं टूटते बेड़िया प्रथा के बंधन

हाल ही में राजस्थान के भरतपुर जिले के एक छोटे से गांव की 12 वर्षीय राधा (बदला हुआ नाम) की मर्मस्पर्शी कहानी सामने आई। राधा रोज सुबह स्कूल के दरवाजे तक जाती है, लेकिन अंदर नहीं जाती। वजह पूछो तो धीरे से बताती है कि मां कहती है कि पढ़ाई हमारे लिए नहीं होती। उसके घर में पीढ़ियों से यह तय है कि लड़कियां पढ़ें नहीं, बल्कि घर चलाने में मदद करें। बाहर से देखने पर यह मदद नाच-गाने की लगती है, लेकिन असल में यह बेड़िया प्रथा का दर्द है। यह एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था है, जहां बेटियों की जिंदगी परिवार की परंपरा के बोझ तले कुचल जाती है। असल में यह दर्दनाक बेड़िया की प्रथा की सच्चाई है। बेड़िया समुदाय के बारे में माना जाता है कि यह मूलतः घुमंतू या अर्ध-घुमंतू समुदाय है। इसकी मध्य भारत (मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश), राजस्थान और झारखंड जैसे राज्यों में उपस्थिति रही है। राजस्थान की बात करें तो यहां बेड़िया समुदाय की स्थिति विकट है। राजस्थान के भरतपुर, धौलपुर, कोटा, बूंदी, झालावाड़ और सवाई माधोपुर जिलों में बेड़िया समुदाय के परिवार बड़ी संख्या में पाए जाते हैं। एक अध्ययन के अनुसार, भरतपुर जिले के घाटोली गांव में लगभग 70 बेड़िया परिवारों में से 58 परिवारों ने अपनी बेटियों को इस प्रथा में झोंक दिया है। राजस्थान महिला आयोग और ग्रामीण शिक्षा संस्थान की रिपोर्ट में पाया गया कि बेड़िया समुदाय में महिला साक्षरता दर केवल 21 प्रतिशत है और अधिकांश लड़कियां 14-16 वर्ष की उम्र में स्कूल छोड़ देती हैं। वहीं राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में कुल 363 मानव तस्करी के मामले पाए गए, जिनमें से 98 फीसदी बच्चे थे। इनमें बड़ी संख्या उन समुदायों से आती है, जहां बेड़िया जैसी परंपराएं सामाजिक रूप में मौजूद हैं। वहीं राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में लगभग 8,000 से 10,000 लड़कियां ऐसे पेशे से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ी हुई हैं। इनमें से अधिकांश दलित या घुमंतू जनजातीय समुदाय से हैं, जिनमें बेड़िया भी शामिल है। भीलवाड़ा, बूंदी, टोंक और सवाई माधोपुर जिलों में इस तरह की गतिविधियां सक्रिय रूप से देखी गईं।

डॉ. नीलू तिवारी

लेखिका

आज जब भारत नारी शक्ति वंदन अधिनियम और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे कानूनों से महिला सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ रहा है, उसी भारत के कुछ कोनों में बेड़िया समुदाय की बेटियां अब भी परंपरा के नाम पर देह व्यापार में धकेली जा रही हैं। मध्य प्रदेश के मुरैना, श्योपुर, राजस्थान के कोटा, बूंदी और उत्तर प्रदेश के झांसी जिलों में यह प्रथा गहराई से जमी हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार इन समुदायों में लगभग 65-70 प्रतिशत महिलाएं अनिच्छा से इस प्रथा का हिस्सा हैं, जबकि पुरुष समुदाय इसे रिवाज के रूप में देखते हैं। इन क्षेत्रों में महिला साक्षरता दर राष्ट्रीय औसत से बहुत कम है। जहां भारत में महिला साक्षरता दर लगभग 70 प्रतिशत है, वहीं इन क्षेत्रों में यह मुश्किल से 35-40 प्रतिशत तक पहुंचती है। इसका सीधा प्रभाव आने वाली पीढ़ियों पर पड़ता है। हालांकि अब बदलाव की बयार भी चल पड़ी है। राजस्थान सरकार ने एक नई राह योजना और मिशन परिवर्तन के तहत इस समुदाय की महिलाओं के लिए रोजगार और शिक्षा के अवसर बढ़ाए हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना इन महिलाओं को वैकल्पिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराती है। वहीं कई गैर सरकारी संगठन इन समुदायों में जाकर शिक्षा केंद्र और पुनर्वास शिविर चला रहे हैं।

सोशल फोरम

चार पहाड़ रस्सी

लंदन में एक नायाब करिश्मा हुआ है। ब्रिटिश कलाकार डेविड श्रिगली ने लाखों पाउंड की रस्सी टांगकर कला का स्तर और बाजार का धैर्य दोनों नाप दिया है। स्टीफन फ्राइडमैन गैलरी में उनकी पुरानी रस्सी की प्रदर्शनी खुली है और रस्सियां भी कोई मामूली नहीं, पूरे चार पहाड़। कीमत? बस एक मिलियन पाउंड यानी करीब 10 करोड़ रुपये। श्रिगली का कहना है कि वजन के हिसाब से तो यह बड़ा किफायती सौदा है। दस टन रस्सी, एक मिलियन पाउंड में। अब तो लगता है कि स्थानीय कबाड़ी वाले को भी अंतर्राष्ट्रीय समकालीन कला का कोर्स करना पड़ेगा, वरना कहीं लोहे-लक्कड़ के साथ गलती से किसी कलाकार का कोई मास्टरपीस ही न तौल दे। गैलरी की खिड़की पर नारंगी रंग की चमकीली पट्टी लगी है, जो ऊपर से हस्ताक्षर जैसी दिखती है और नीचे से यह एहसास दिलाती है कि गैलरी वालों ने शायद बजट का बड़ा हिस्सा रस्सी पर खर्च कर दिया, इसलिए नाम के लिए एलईडी स्ट्रिप ही बची।

मनोज अभिज्ञान

ब्लॉगर

स्टीफन फ्राइडमैन, गैलरी के मालिक, इस रस्सी को किसी प्राइवेट कलेक्शन या संस्था में भेजने की इच्छा रखते हैं। कल्पना कीजिए, किसी फाउंडेशन की भव्य लॉबी में मेहमान आते ही देखते हैं-चार पहाड़ रस्सी। साथ में बोर्डः "कृपया छुएं नहीं, यह कला है।" लोग समझ ही नहीं पाएंगे कि यह चेतावनी रस्सी के लिए है या कला बाजार के लिए। वैसे कला बाजार में ऐसे चमत्कार अब आम हो चले हैं। पिछले साल तो मौरिजियो काटेलान का एक केला, जिसे डक्ट टेप से चिपकाया गया था, 6.2 मिलियन डॉलर में बिक गया। 2024 में समकालीन कला का कारोबार करीब 65 बिलियन डॉलर का रहा और कहा जा रहा है कि बाजार गिर रहा है। हालांकि गिर रहा है या कला खरीदारों की आंखें खुल रही हैं, यह अभी शोध का विषय है। श्रिगली ने यह रस्सियां अलग-अलग द्वीपों, बंदरगाहों, पवन चक्कियों और ब्रिटेन के किनारे से इकट्ठा की हैं। समुद्र में हर साल करीब 6.4 लाख टन पुरानी जाल और रस्सियां फेंकी जाती हैं। श्रिगली ने उनको साफ कर के कला बना दिया। यानी दूसरे लोग समुद्र प्रदूषित करें और कलाकार उनकी सफाई को भी कला कहकर करोड़ों कमा लें। यह है असली सर्कुलर इकोनॉमी, लेकिन श्रिगली का कमाल यही है। वे रस्सी को रस्सी नहीं, सवाल बना देते हैं। कला क्या है? कीमत क्या है? और खरीददार कौन है? यह सब सोचने के लिए उन्हीं की रस्सी में उलझना पड़ता है। फर्क बस इतना है कि इस रस्सी को काटने के लिए आपका दिमाग चाहिए, चाकू नहीं।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

बिहार की जीत से एनडीए का बढ़ा मनोबल

बिहार के चुनाव नतीजे जिस तरह सामने आए हैं, कहना गलत नहीं होगा कि बीजेपी का अगला कदम पश्चिम बंगाल से ममता सरकार को हराना रहेगा। निश्चित तौर पर बीजेपी का मनोबल कई गुना बढ़ चुका है, जिसके पीछे पार्टी के कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा है। आरजेडी या यूं कहें तो बिहार में महागठबंधन की ऐसी करारी हार की कल्पना किसी ने नहीं की होगी। इस बार के बिहार चुनाव में एनडीए तो उत्साहित थी ही, लेकिन महागठबंधन का उत्साह भी कम देखने को नहीं मिला था। महागठबंधन की बात करें, तो इस बार 66.91 प्रतिशत मतदान, जो 1951 के बाद का राज्य में दर्ज किया गया सबसे ज्यादा मतदान था, बदलाव की ओर जाता दिखाई दे रहा था। वहीं यह प्रतिशत एनडीए को अपने पक्ष में जाता दिखाई दे रहा था या यूं कहें तो नीतीश कुमार के साथ जाता दिखाई दे रहा था। वहीं एक दृष्टिकोण यह भी था कि इस बार महिलाओं का समर्थन शुरू से ही एनडीए के पक्ष में रहेगा और महिला मतदाता का 71.6 प्रतिशत मतदान एनडीए के आत्मविश्वास को बढ़ावा देता नजर आ रहा था।

शिवालिक अवस्थी

स्तंभकार

बहरहाल इस बार मतदाताओं का रुझान एनडीए के पक्ष में रहा जिस कारण एनडीए 202 सीटें जीतने में कामयाब रही। अब बीजेपी वाली एनडीए बिहार में सरकार बना चुकी है और नीतीश कुमार फिर से बिहार के सीएम नजर आएंगे। नीतीश कुमार की सरकार चलाने की आगे क्या रणनीति रहती है इस पर सभी की नजरें टिकी हैं। वहीं दूसरी ओर किसी समय राजनीति की अच्छी-खासी जानकारी रखने वाले प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज बिहार में अपना खाता तक खोलने में असमर्थ रही है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में प्रशांत किशोर ने साफ कहा था कि इस बार नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। बिहार चुनाव नतीजों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा मुख्यालय पहुंचकर एनडीए के नेताओं और कार्यकर्ताओं को बधाई दी एवं बिहार की जनता का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों ने विकसित और समृद्ध बिहार के लिए मतदान किया है। वहीं दूसरी ओर बीजेपी ने प्रचंड जीत के तुरंत बाद, पूर्व केंद्रीय मंत्री आर.के सिंह को पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री आर.के सिंह ने नीतीश सरकार पर अत्यंत गंभीर आरोप लगाए थे, उन्होंने एनडीए नेतृत्व पर भी सवाल खड़े किए थे। यहां आपको बताते चलें कि आर.के सिंह एनडीए कैबिनेट में केंद्रीय मंत्री भी रह चुके हैं।

खैर! अब बात करें विपक्ष की तो विपक्ष ने बिहार चुनावों में हेरा-फेरी से चुनाव जीतने के आरोप लगाए हैं। कांग्रेस नेता अजय माकन ने बिहार में एनडीए की बड़ी जीत पर आरोप लगाते हुए कहा है कि दाल में जरूर कुछ काला है। वहीं केरल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि 202 सीटों में से 128 सीटों पर एनडीए केवल एसआईआर आधारित विलोपन के कारण जीती हैं, उन्होंने पूरी तरह से मतदाता सूची संशोधन को इसका जिम्मेदार ठहराया है। यहां आपको बताते चलें, तो एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण का प्रयास यही रहता है कि मतदाता सूची में कोई भी पात्र व्यक्ति छूट न जाए और कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न होने पाए। सीधे तौर पर देखें तो विपक्ष ने वोट चोरी का आरोप लगाना शुरू कर दिया है। विपक्ष के वोट चोरी का आरोप कब तक चलता है और विपक्ष इसके लिए क्या नए कदम उठाता है यह देखना भी दिलचस्प होगा। फिलहाल तो एनडीए अपनी नई सरकार के साथ आगामी रणनीति बनाने में मशगूल है और अब एनडीए की नजरें आने वाले पश्चिम बंगाल के चुनावों पर टिकी हैं। 294 सीटों वाले पश्चिम बंगाल राज्य में अगले वर्ष चुनाव होना संभव है, जिसके लिए एनडीए अथवा बीजेपी ने अभी से कमर कसना शूरी कर दी है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

सियाराम किला झुनकी घाट मंदिर का मुख्य द्वारा।

अयोध्या की धरती ऐसी है, जहां आप जिस रूप में चाहेंगे राम मिलेंगे। श्रीराम एक हैं, लेकिन रंग में काले, सांवले और गोरे राम भी मिलेंगे। राम की आराधना की परंपरा भी यहां अनेक है। एक सामान्य मानव से जुड़े, जितने रिश्ते होते हैं। अपनी जन्मभूमि में वह उन सभी मानवीय रिश्तों का निर्वाह करते महसूस किए जा सकते हैं। उसी भाव से उनकी आराधना कर भक्त अपना अभीष्ट भी प्राप्त कर लेते हैं। लंबे संघर्ष के बाद श्रीराम की जन्मभूमि का स्थान नियत हुआ। यहां मंदिर में बाल रूप रामलला प्रतिष्ठित हुए। दर्शन के लिए देश से विदेश तक के श्रद्धालु उमड़े। राम मंदिर में सांवले राम हैं। यह तो अयोध्या की पहचान है।

- राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या।

जिस रूप में चाहेंगे यहां मिलेंगे राम

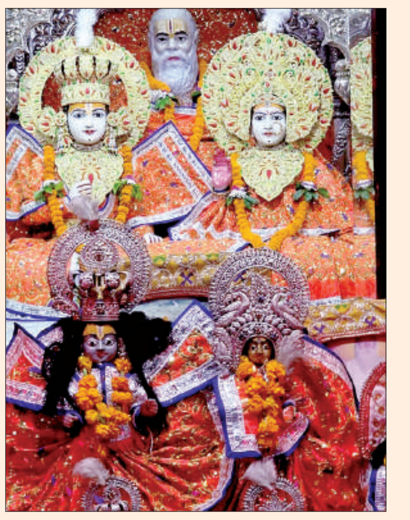

सियाराम किला मंदिर में विराजमान भगवान का स्वरूप

विभूति भवन मंदिर में विराजमान विग्रह

कालेराम मंदिर का विग्रह

गोरे राम मंदिर का विग्रह

सद्गुरु सेवा सदन मंदिर का मुख्य प्रवेश द्वार और गर्भगृह में स्थापित विग्रह

राम की पूजा पूरे विश्व में होती है। वह सर्वव्यापी हैं, लेकिन परंपरा की दृष्टि से अयोध्या कुछ अलग है। भक्त, भगवान के वश में होते हैं। यह भी यहां चरितार्थ होता है। सद्गुरु सदन में गुरु का चित्र श्रीराम के विग्रह के ऊपर रखकर अर्चन किया जाता है। यहां राम की पूजा शिष्य भाव से की जाती है। अयोध्या में वह सभी मानवीय रिश्तों में हर समय मौजूद रहते हैं। रिश्तों को आधार मानकर की गई आराधना को स्वीकार करते हैं। बिअहुति भवन, लक्ष्मण किला जैसे मंदिर में दूल्हे के रूप में उनकी आराधना की जाती है। सियाराम किला मंदिर में राम सखाभाव से पूजे जाते हैं। यहां संत माता सीता को अपनी सखी मानते हैं। वह महिला का श्रृंगार करते हैं। राम की जीजा के रूप में आराधना करते हैं। इन मंदिरों से सिद्ध साधको की लंबी जमात रही है। कनक भवन जैसे मंदिर में बाल और युगल सरकार के रूप में पूजा होती है।

काले, गोरे और सांवले राम

परंपरा की दृष्टि से अयोध्या छोटा विश्व है। यहां महाराष्ट्रीयन पद्धति का कालेराम मंदिर है, जहां राम का विग्रह काले रंग का है। सरयू तट के करीब गोरे राम का मंदिर भी है, जहां राम की मूर्ति गोरे रंग की है। निर्माणाधीन राम मंदिर में सांवले राम के साथ अब ऊपरी मंजिल पर राजा राम का दरबार सज गया है। अयोध्या के ऐसे बहुत से मंदिर हैं, जहां राजा राम के दरबार की स्थापना है।

सरयू के साथ राम की पहचान

नेत्रजा, वाशिष्ठी जैसे नामों से पुकारी जाने वाली पावन सलिला माता सरयू की पहचान राम के साथ है। भक्त और श्रद्धालु मानते हैं कि बालक के रूप में राम सरयू के तट पर खेले, स्नान किया। कहते हैं भगवान राम, सरयू को मां की तरह मानते थे। इसलिए अयोध्या आने के बाद सरयू का स्नान, दर्शन, पूजन संत और श्रद्धालु पहले करते हैं।

500 साल बाद अयोध्या

यूं तो अयोध्या को पहचान की न कभी जरूरत थी और न होगी। यह सृष्टि की आदि नगरी है, लेकिन लगभग 500 साल के संघर्ष के बाद श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त होने के बाद नए परिवेश में अयोध्या को नई पहचान जरूर मिली। इन दिनों राम मंदिर अयोध्या का आकर्षण है, लेकिन इसके साथ अयोध्या की यात्रा करें, तो यहां के अन्य मंदिरों के साथ पौराणिक स्थलों तक पहुंचेंगे तो आनंद कुछ ज्यादा मिलेगा।

बोध कथा

अंतर्मन का दीपक

नदी के किनारे बसे सुंदर से एक गांव में लोग अपनी सरलता और परिश्रम के लिए जाने जाते थे। इसी गांव में एक बालिका रहती थी, जिसका नाम रिया था। यूं तो रिया बहुत ही बुद्धिमान, विनम्र और मेहनती थी, किंतु उसमें एक कमी थी। वह प्रत्येक कार्य दूसरों की प्रशंसा पाने के उद्देश्य से करती थी। यदि काम की सराहना होती, तभी वह प्रसन्न रहती। वहीं यदि कोई उसके कार्य पर ध्यान न देता, तो उसका मन निराश हो जाता। एक दिन उसके विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी की घोषणा हुई। प्रधानाचार्य ने बच्चों को अपने-अपने प्रोजेक्ट तैयार करने को कहा। रिया ने खूब मेहनत करके एक सुंदर जल-चक्र मॉडल बनाया। उसने सोचा, "इस बार तो मेरी खूब प्रशंसा होगी।" प्रदर्शनी के दिन उसने अपना मॉडल सजाकर रखा, लेकिन लोगों की भीड़ उसे अनदेखा करते हुए एक अन्य बच्चे के विज्ञान प्रयोग के पास जा रही थी। रिया का मॉडल एक कोने में जस का तस पड़ा था। वह उदास हो गई, उसकी आंखों में आंसू आ गए। उसे लगा कि उसकी सारी मेहनत व्यर्थ गई। वह सर झुकाकर बैठी थी कि अचानक उसके पास गांव के सबसे वृद्ध व्यक्ति रामू बाबा आए, जो अपने ज्ञान और अनुभव के लिए जाने जाते थे। उन्होंने रिया से पूछा, "बेटी, रो क्यों रही हो?" रिया ने सिसकते हुए कहा, "बाबा, मैंने इतना सुंदर मॉडल बनाया, लेकिन इसे किसी ने देखा तक नहीं। ऐसी मेहनत का क्या लाभ, यदि लोग उसकी प्रशंसा ही न करें?" बाबा मुस्कुराए और बोले, "आओ, मेरे साथ चलो।" वे उसे पास बने एक कुएं के पास ले गए। वहां उन्होंने दीपक जलाया और कहा, "बेटी, यह दीपक देखो। क्या यह इसलिए जल रहा है कि कोई इसकी प्रशंसा करे? नहीं, यह इसलिए जल रहा है, क्योंकि इसका स्वभाव ही प्रकाश देना है। चाहे कोई इसे देखे या न देखे, यह हमेशा अपना कर्तव्य निभाता रहता है।"

रिया बड़े ध्यान से दीपक को देखने लगी। बाबा बोले, "ठीक इसी प्रकार मनुष्य का कर्तव्य है-अपने कार्य में पूर्णता और सत्यता लाना। यदि हम प्रत्येक कार्य केवल प्रशंसा के लिए करें, तो हमारा मन बाहर के संसार पर निर्भर हो जाएगा, लेकिन यदि हम अपने भीतर के संतोष के लिए काम करें अर्थात अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तो हमारी मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाएगी।" उन्होंने रिया के मॉडल को ध्यान से देखा और कहा, "यह बहुत सुंदर और उपयोगी है, लेकिन वास्तविक मूल्य तुम्हारी मेहनत और सीखने की इच्छा में है, न कि दूसरों की तालियों में।"

रिया के अंधेरे मन में मानो किसी ने ज्ञान का दीप जला दिया था। वह समझ चुकी थी कि सच्चा आनंद अपने प्रयासों में निष्ठा और तत्परता से आता है, न कि बाहरी प्रशंसा से। वह मुस्कुराकर बोली, "अब मैं हर काम अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए करूंगी, न कि लोगों को दिखाने और उनकी प्रशंसा पाने के लिए।" प्रदर्शनी समाप्त होने के बाद जब विद्यालय के शिक्षकों ने सभी मॉडलों का मूल्यांकन किया, तो उन्होंने पाया कि रिया का मॉडल ही सबसे सटीक और सुंदर बना था। परिणामस्वरूप उसे प्रथम पुरस्कार मिला। किंतु इस बार रिया की खुशी का कारण पुरस्कार नहीं था, बल्कि यह कि उसने अंतर्मन के दीपक को प्रज्वलित करना सीख लिया था।

-शिशिर शुक्ला, शाहजहांपुर

पौराणिक कथा

कृष्ण की गुरु दक्षिणा

कंस वध के बाद जब मथुरा में शांति लौट आई, तब वसुदेव और देवकी ने निश्चय किया कि अब कृष्ण के औपचारिक शिक्षा-दीक्षा का समय आ गया है। इसी उद्देश्य से वे उन्हें अवंतिका नगरी (आज का उज्जैन) स्थित महान ऋषि सांदीपनि के गुरुकुल में भेजते हैं। वहां कृष्ण और बलराम ने वेद-शास्त्र, राजनीति, युद्धकला और विविध विद्याओं में अल्प समय में अद्भुत प्रगति की। गुरु सांदीपनि इस दिव्य प्रतिभा को देखकर अत्यंत प्रसन्न थे। शिक्षा पूर्ण होने पर कृष्ण ने विनम्रता से गुरु दक्षिणा की बात की। ऋषि सांदीपनि ने सहज ही कहा-"वत्स, तुमसे क्या मांगू? ऐसा कुछ नहीं जो तुम दे न सको।" पर कृष्ण ने आग्रह किया- "गुरुदेव, दक्षिणा के बिना विद्या अपूर्ण रहती है। कृपया कुछ भी बताइए।"

कुछ क्षण मौन रहने के बाद ऋषि सांदीपनि ने कहा-"शंखासुर नाम का एक दैत्य मेरे पुत्र को उठा ले गया था। यदि तुम मेरी दक्षिणा देना चाहते हो, तो मेरे पुत्र को वापस ले आओ।" कृष्ण ने तुरंत इसे स्वीकार किया और बलराम के साथ खोज यात्रा पर निकल पड़े।

दोनों भाई सागर तट तक पहुंचे। समुद्र से पूछने पर उसने बताया कि पंचज जाति का शंखासुर, शंख का रूप धारण कर समुद्र की गहराइयों में छिपा है। संभवतः उसी ने गुरु-पुत्र को ग्रस लिया होगा। कृष्ण समुद्र में उतरे और भयंकर युद्ध के बाद शंखासुर का वध कर दिया। उसके पेट में उन्होंने गुरु-पुत्र की खोज की, परंतु वह वहां नहीं मिला। कृष्ण खोजते हुए यमलोक पहुंचे। यमराज ने भगवान की प्रार्थना स्वीकार की और सांदीपनि के पुत्र को जीवित कर कृष्ण को सौंप दिया। कृष्ण उसे लेकर गुरु के पास लौटे। गुरुकुल में अपने पुत्र को देखकर ऋषि सांदीपनि भाव-विभोर हो उठे। उन्होंने कृष्ण की भक्ति और दायित्वबोध की महिमा का गुणगान किया और यही माना कि इससे बढ़कर गुरु-दक्षिणा कोई हो ही नहीं सकती। इस प्रकार कृष्ण ने न सिर्फ अपने गुरु का ऋण चुकाया, बल्कि यह बताया कि विद्या तब तक पूर्ण नहीं होती जब तक उसमें गुरु-सेवा, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का तत्व न हो। **- फीचर डेस्क**

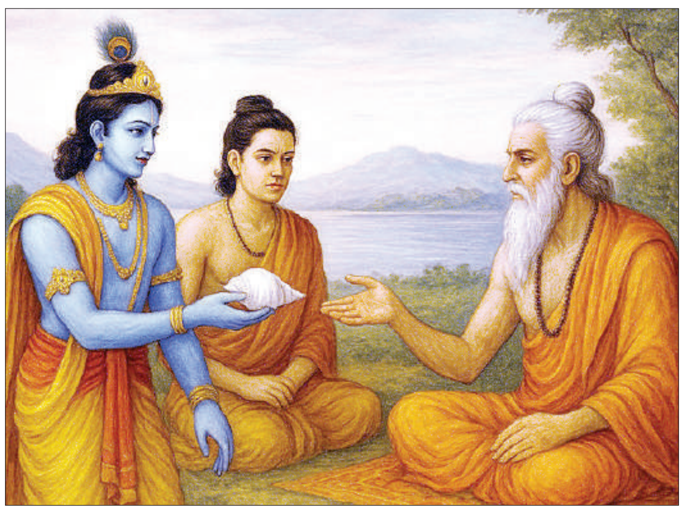

सप्ताह के प्रमुख व्रत

20 नवंबर-मार्गशीष अमावस्या

सनातन धर्म में मार्गशीर्ष महीने को बेहद पवित्र माना जाता है। भगवान श्रीकृष्ण ने श्रीमद्भगवद्गीता में कहा है कि 'मासानां मार्गशीर्षोऽहम्' यानी 'महीनों में मैं मार्गशीर्ष हूं।' इस माह में आने वाली अमावस्या का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। मार्गशीर्ष अमावस्या को पितरों के तर्पण और भगवान विष्णु की पूजा के लिए सर्वश्रेष्ठ माना गया है। इस दिन शाम में पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों के तेल का एक दीपक जलाएं। इससे पितृ दोष शांत होता है। मान्यता है कि पीपल में सभी देवी-देवताओं और पितरों का वास होता है। ऐसा करने से परिवार में सुख-समृद्धि आती है। साथ ही जीवन का अंधकार दूर होता है।

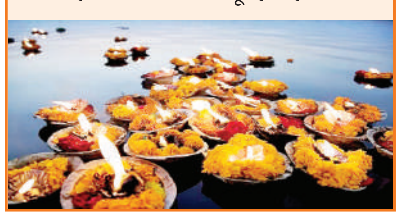

कोउ कह संकर चाप कठोरा...

विश्व के सर्वाधिक देशों की विभिन्न भाषाओं में रामकथा के विभिन्न प्रसंग अद्भुत संवाद योजना और अभिनय की दृष्टि से एकाधिक रूप में मिलते हैं, उन समस्त प्रसंगों में श्री जानकी-रामविवाह सर्वाधिक आनंदप्रद और सम्मोहनकारी है। कविकुल-शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जी की भक्ति की पृष्ठभूमि दास्य भावना पर आधारित है। वे विनयभाव से रामकथा के अप्रतिम प्रस्तोता हैं, परंतु इस प्रसंग का उल्लेख वे बड़े नेहपगे मन से करते हैं। रस प्रधानता की दृष्टि से रामचरितमानस भक्ति रस प्रधान ग्रंथ है। कवि की प्रत्येक चौपाई में शील और सम्मान तथा भक्तिभावना की व्याप्ति है।

मानस के बालकांड में श्रीरामजानकी के विवाह में विदेहराज जनक जी द्वारा आयोजित सीता-स्वयंवर में दशरथनंदन राजकुमार द्वय- राम और लक्ष्मण ऋषि विश्वामित्र के साथ रंगभूमि में आकर्षण के केंद्र बिंदु हैं। गोस्वामी जी बालकांड में जनकपुर नगर, हाट, भवन तथा वीथियों सहित निवासियों की प्रशंसा प्रमुखता से करते हैं-

चारु बजारु बिचित्र अंबारी। मनिमय बिधि जनु स्वकर संवारी।।
पुर नर नारि सुभग सुचि संता। धरमसील ग्यानी गुनवंता।।
अति अनूप जहं निवासू। बिथकहिं बिबुध बिलोकि बिलासू।।

ऋषि विश्वामित्र के जनकराज से मिलने पर दोनों भाईओं का परिचय कराते हुए बताते हैं कि ये दोनों बालक सामान्य बालक नहीं हैं। इनकी स्तुति तो ब्रह्मा जी भी गाते हैं। परम पौरुषवान होने के फलस्वरूप मैंने यज्ञ की रक्षा हेतु दोनों बालकों को अयोध्या नरेश दशरथ से मांगा है। यह दोनों चक्रवर्ती दशरथ जी की संतान हैं। उनका परिचय यज्ञभूमि तक सीमित नहीं रह जाता। दोनों भाईयों को जनकपुर नगर भ्रमण करते देख स्त्रियां परस्पर बातें करती हैं कि राजा दशरथ और कौशल्या के यह दोनों पुत्र मानो हंसों का जोड़ा है। मेरा मन तो यही कहता है कि फूल जैसी सुकुमारी सीता के लिए इन्हें वर रूप में वरण हेतु विधाता ने यहां भेजा है। यह संयोग अद्भुत ही नहीं मंगलकारी भी है। वहीं दूसरी सखी कोउ कह संकर चाप कठोरा, ए स्यामल मृदु गात किसोरा कहकर संदेह व्यक्त करती

है, लेकिन तीसरी स्त्री संदेह दूर करते हुए कहती है कि इनके जैसा कोई और नहीं है। ये देखने में छोटे हैं, परंतु इनका प्रताप असीम है। शील-गुण-धाम श्रीराम जी अनुज लक्ष्मण को लेकर पुष्पवाटिका में उपस्थित हैं तभी गिरिजापूजन के लिए सीता सखियों सहित प्रवेश करती हैं। दोनों एक-दूसरे को देखते हैं, मिथिलेश नंदिनी रूप-अनूप देखकर थोड़ी मुदित, थोड़े संकोच में पड़ जाती हैं। आमंत्रित राजा-महाराजाओं के अलावा भी सीता स्वयंवर देखने के लिए रंगभूमि में किन्नर, यक्ष, गंधर्व, नाग सहित तीनों लोकों के महिपाल भिन्न-भिन्न रुपों में उपस्थित थे। सीता के हाथों वरमाला पहनने की उत्कंठा भला कौन गंवाना चाहेगा। शुभ मुहुर्त में सयानी सखियों के संग सीता स्वयंवर स्थल की ओर चल पड़ीं। देवताओं ने फूल बरसाए, अप्सराएं नृत्यमग्न हो गईं। सीता तिरछे नैन से राम की ओर देखकर आगे बढ़ती हैं, उनकी इस भंगिमा में पुकार, सत्कार भी और प्रथम-दर्शन का अनुराग भी एक साथ अंतर्निहित था। यह प्रेमपगा अद्भुत प्रसंग रामचरितमानस सहित समस्त रामकथा की अनूठी निधि है। साक्षात जगत जननी जगदंबा को भार्यारूप में प्राप्त करने की दिग्गज महीपालों में होड़ है, परंतु धनुष को भंग करना तो दूर उसे लेशमात्र वे समस्त स्वनामधन्य राजागण हिला तक नहीं पाए। वस्तुतः उनकी अभिलाषा वासनाजनित और उत्कंठा में अहंकार-पोषित थी। विभिन्न राजा-महाराजाओं को लंबी-लंबी डींगें मारने और लज्जित होकर वापस अपने स्थान पर बैठने के पश्चात विश्वामित्र ने राजा जनक की निराशा दूर करते हुए रामजी को आदेश दिया। वे अत्यंत सहज भाव से शिव के धनुष को तिनके के समान उठाकर खंडित कर देते हैं। धनुष खंडन के पूर्व और पश्चात सम-भावी श्रीराम गुरु विश्वामित्र को प्रणाम करते हैं। सीता के आनंद का कोई ओर-छोर नहीं। वे प्रेम-विवश हो गईं। जनक जी ने अयोध्या संदेश भेजा। राजा दशरथ अनुरोध स्वीकारते हुए बारात लेकर जनकपुर पहुंचते हैं। राम सहित तीनों भाइयों के एक ही मंडप के विभिन्न कोबहरों में विवाह तीनों लोक के देवी-देवताओं की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

संतोष कुमार तिवारी
नैनीताल

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,950.95	26,013.45
बढ़त	388.17	103.40
प्रतिशत में	0.46	0.40

सोना 1,29,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,63,800 प्रति किलो

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि. 2225, रविन्द्रा 2455, फॉर्चुन 13 किग्रा 1955, जय जवान 1975, सचिन 2020, सूरज 1975, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1885, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2170, चक्र टिन 2315, ब्लू 2115, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2520

किराना : निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400, चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4360, द्वारकेश 4340

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 4100, मसूरी- 1100, बासमती- 8600, परमल- 2500

दाल दलहन : काला चना- 5600, साबुत चना दाल- 5200, मूंग साबुत- 7100, राजमा- 10300-12200, दाल उड़द- 7000, साबुत मसूर दाल- 6000, मसूर दाल- 4000, उड़द साबुत- 7400, काबुली चना- 10100, अरहर दाल- 10000, लोबिया/करमानी- 4400

निर्यात 11.8% घटकर 34.38 अरब डॉलर पर

अमेरिका के लगाए भारी शुल्क से अक्टूबर माह में आई गिरावट, व्यापार घाटा भी रिकॉर्ड 41.68 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के लगाए भारी शुल्क के प्रभाव से अक्टूबर में भारत का निर्यात 11.8% घटकर 34.38 अरब डॉलर रह गया। वहीं सोने के आयात में उछाल के कारण व्यापार घाटा बढ़कर 41.68 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सोना, चांदी, कपास कच्चा/अपशिष्ट, उर्वरक और सल्फर की अधिक आवक से देश का आयात 16.63 प्रतिशत बढ़कर 76.06 अरब डॉलर हो गया। व्यापार घाटा सितंबर में बढ़कर 31.15 अरब डॉलर रहा था। सोने का आयात अक्टूबर में लगभग 200 प्रतिशत बढ़कर 14.72 अरब डॉलर हो गया, जबकि चांदी का आयात 528.71 प्रतिशत बढ़कर 2.71 अरब डॉलर पर पहुंच गया। अक्टूबर में कच्चे तेल का आयात घटकर 14.8 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले साल इसी महीने में 18.9 अरब डॉलर था।

- देश का आयात 16.63 प्रतिशत बढ़कर 76.06 अरब डॉलर हुआ
- सोने का आयात 200% बढ़ा, चांदी में 528.71% की वृद्धि

चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अक्टूबर के दौरान निर्यात मामूली रूप से 0.63 प्रतिशत बढ़कर 254.25 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 6.37 प्रतिशत बढ़कर 451.08 अरब डॉलर हो गया। अप्रैल-अक्टूबर 2025 के दौरान व्यापार घाटा 196.82 अरब रह गया जो अप्रैल-अक्टूबर, 2024 के दौरान 171.40 अरब डॉलर था।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद, हम अपनी स्थिति पर कायम हैं। उन्होंने कहा कि पिछले महीने निर्यात में गिरावट का कारण आधार प्रभाव (अक्टूबर, 2024 में 38.98 अरब डॉलर) भी हो सकता है। मुख्य क्षेत्रों जैसे कि इंजीनियरिंग सामान, पेट्रोलियम उत्पाद, रत्न और आभूषण, परिधान और वस्त्र, कार्बनिक और अकार्बनिक रसायन, फार्मास्युटिकल्स, और प्लास्टिक उत्पादों में स्पष्ट कमी देखी गई, जिसने कुल निर्यात प्रदर्शन को प्रभावित किया। हस्तशिल्प, कालीन, चमड़ा, लौह अयस्क, चाय, चावल, तंबाकू, मसाले और तेल खली के निर्यात में भी अक्टूबर में नकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 10.5 प्रतिशत घटकर लगभग चार अरब डॉलर रह गया, जबकि इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात 16.71 प्रतिशत घटकर 9.37 अरब डॉलर रह गया। अमेरिका ने भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत का भारी-भरकम शुल्क लगा रखा है, जिसका असर देश के निर्यात पर पड़ रहा है।

निर्यात में यह कमी व्यापक वैश्विक आर्थिक सुस्ती का प्रतीक : फियो अध्यक्ष रल्हन

भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि निर्यात में यह कमी व्यापक वैश्विक आर्थिक सुस्ती का प्रतीक है, जो भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, कई प्रमुख बाजारों में कम मांग और वस्तुओं की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव के चलते है। बढ़ते व्यापार घाटे पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने निर्णायक और समय पर नीतिगत हस्तक्षेप का आग्रह किया। उन्होंने निर्यात समर्थन उपायों को बढ़ाने, विभिन्न योजनाओं के तहत लाभ को तेजी से जारी करने, बेहतर और किफायती ऋण पहुंच और अनुपालन बोझ को कम करने की आवश्यकता दोहराई ताकि निर्यातक चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिवेश में प्रतिस्पर्धी बने रह सकें। अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में सेवाओं के निर्यात का अनुमानित मूल्य 38.52 अरब डॉलर है, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में यह 34.41 अरब डॉलर था।

अमेरिका से 22 लाख टन एलपीजी का होगा आयात

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारतीय कंपनियों ने किया एक साल का समझौता

भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों ने 2026 में अमेरिका से तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) आयात करने के लिए एक वर्ष का समझौता किया है। इस कदम को अमेरिका के साथ भारत के व्यापार अधिशेष को कम करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। यह मुद्दा राष्ट्रपति ट्रंप के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने अमेरिका में प्रवेश करने वाले भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है।

सोमवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों ने अनुबंध वर्ष 2026 के लिए अमेरिकी खाड़ी तट से 22 लाख टन एलपीजी आयात करने को एक वर्षीय संरचित अनुबंध किया है। अनुबंधित मात्रा भारत के वार्षिक एलपीजी आयात का 10% है और यह भारतीय बाजार के लिए पहला ऐसा अमेरिकी एलपीजी अनुबंध है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) वर्ष 2026 में 48 बहुत बड़े गैस वाहक जहाजों के बराबर एलपीजी आयात करेंगी। इनकी आपूर्ति अमेरिकी कंपनियां शेवरॉन, फिलिप्स और टोटलएनर्जीज़ ट्रेडिंग एसए करेंगी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इस एलपीजी समझौते की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक शुरुआत! दुनिया के सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ते एलपीजी बाजारों में से एक अब अमेरिका के लिए खुल रहा है।

निवेशकों की संख्या दोगुना करेगी सेबी : पांडेय

मुंबई, एजेंसी

सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने सोमवार को कहा कि बाजार नियामक तीन से पांच साल में शेयर बाजार निवेशकों की संख्या को दोगुना करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। पांडेय ने हाल ही में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के सर्वेक्षण के निष्कर्षों का हवाला दिया। यह सर्वेक्षण निवेश के प्रति उत्सुकता को दर्शाता है।

सर्वेक्षण में 20% से अधिक लोगों ने कहा कि वे प्रतिभूति बाजार में निवेश करने की योजना बना रहे हैं। पांडेय ने कहा कि हम निवेशकों की संख्या को दोगुना करने की उम्मीद कर रहे हैं। अगर हम 10 करोड़ और निवेशक जोड़ दें तो यह कई देशों की कुल जनसंख्या से भी अधिक होगा। भारत में विशिष्ट निवेशकों की कुल संख्या अक्टूबर तक 12.2 करोड़ थी और 2020 में कोविड के बाद से

- सेबी प्रमुख ने हाल ही में कराए सर्वेक्षण का दिया हवाला

यह संख्या तेजी से बढ़ी है। पांडेय ने उद्योग मंडल सीआईआई वित्त पोषण शिखर सम्मेलन में कहा कि पूंजी बाजार परिवेश में यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है कि बाजार में अच्छी गुणवत्ता वाली प्रतिभूति आएं जो निवेशकों का ध्यान आकर्षित करें। निवेशकों की रुचि उच्च आर्थिक वृद्धि, सरकार के किए सुधारों और निवेश और कारोबार सुगमता से प्रेरित है। घरेलू निवेशक आने वाले झटकों के खिलाफ ढाल बनेंगे। सेबी का एजेंडा नए नियम जोड़ना नहीं है, बल्कि बेहतर नियम पुस्तिका तैयार करना है जो आसान हो। जिन जोखिमों का समाधान करना है उनके अनुपात में हो और नवाचार का समर्थन करे।

बाजारों से मिले विश्वास के कई संकेत

पांडेय ने कहा कि बाजारों में परिपक्वता और लोगों के विश्वास के कई संकेत मिले हैं और इस संदर्भ में उन्होंने कुछ आंकड़े भी दिए। पांडेय ने कहा कि 2025-26 में, इक्विटी पूंजी 2.5 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई, जबकि कॉरपोरेट बॉण्ड सात महीनों में 5.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गए। ये जनता के इस विश्वास को दर्शाते हैं कि बाजार दीर्घकालिक वित्तपोषण को कुशलतापूर्वक और विश्वसनीय रूप से पूरा कर सकते हैं।

यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड से वार्ता अंतिम चरण में

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने सोमवार को कहा कि यूरोपीय संघ और न्यूजीलैंड के साथ भारत की मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत अंतिम चरण में है और जल्द ही पूरी होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि एक भारतीय दल दोहरे योगदान सम्मेलन (डीसीसी) समझौते पर चर्चा के लिए ब्रिटेन में है।

अग्रवाल ने कहा, हमें उम्मीद है कि यह जल्द ही पूरा हो जाएगा ताकि दोनों (डीसीसी और एफटीए) एक साथ शुरू किए जा सकें। भारत और ब्रिटेन ने व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन इसे लागू नहीं किया गया है क्योंकि इसके लिए ब्रिटेन की संसद की मंजूरी की जरूरत है। अग्रवाल ने यूरोपीय संघ के साथ बातचीत के बारे में कहा कि बातचीत अंतिम चरण में है। लेकिन अंतिम चरण हमेशा कठिन होता है। सचिव ने कहा कि न्यूजीलैंड के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत भी अंतिम चरण में है। हमें उम्मीद है कि हम जल्द से जल्द बातचीत को पूरा कर लेंगे। अंतिम चरण में समय लग सकता है।

सचिव ने कहा कि इसके अलावा दो दक्षिण अमेरिकी देशों पेरू और चिली के साथ भी बातचीत जारी है। पेरू के साथ, प्रगति हो रही है और हमें इसमें प्रगति देखने की उम्मीद है। चिली से भी बातचीत अच्छी गति से बढ़ रही है और चौथे दौर की वार्ता दिसंबर में होने वाली है। उन्होंने आसियान के साथ मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा के संबंध में कहा कि यह एक कठिन समीक्षा है, लेकिन हम प्रगति कर रहे हैं। अग्रवाल ने कहा कि दिसंबर में वार्ता का एक और दौर होने की संभावना है जहां हमें कुछ और सकारात्मक प्रगति देखने को मिल सकती है।

आसियान के 10 देश ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमा, फिलिपीन, सिंगापुर, थाइलैंड और वियतनाम हैं।

मुक्त व्यापार समझौता

भारत-अमेरिका का पहला चरण पूरा होने के करीब

- समझौते से भारत पर 25% जुर्माने के मुद्दे का समाधान होने की उम्मीद

नई दिल्ली। प्रस्तावित भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) का पहला चरण लगभग पूरा होने वाला है और इसमें अमेरिकी बाजार पहुंच संबंधी मुद्दों के अलावा भारतीय वस्तुओं पर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत के भारी शुल्क का समाधान भी शामिल होगा। एक सरकारी अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अमेरिका ने भारत पर 25% और रूसी कच्चे तेल की खरीद पर अमेरिकी बाजार में प्रवेश करने वाली भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 25% शुल्क लगाया है। अधिकारी ने कहा कि हम द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अमेरिका से बातचीत कर रहे हैं। इसके दो चरण हैं। एक चरण की बातचीत में समय लगेगा। दूसरा चरण एक पैकेज है जो शुल्कों को संबोधित कर सकता है। हम दोनों पहलुओं पर काम कर रहे हैं। शुल्कों को संबोधित करने वाला पैकेज पूरा होने के करीब है और हमें इसे जल्द ही प्राप्त हो जाना चाहिए। अधिकारी ने कहा कि इस समझौते से भारत पर 25% जुर्माने के मुद्दे का समाधान होने की उम्मीद है, अन्यथा इस समझौते का कोई मतलब नहीं होगा।

निकाय चुनावों में 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा को पार न करें : सुप्रीम कोर्ट

महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी देते हुए कहा- उल्लंघन होने पर चुनाव पर लगा देंगे रोक

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को महाराष्ट्र सरकार से कहा कि अगले महीने होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों में आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक न हो तथा चेतावनी दी कि यदि आरक्षण की सीमा का उल्लंघन हुआ, तो चुनाव पर रोक लगा दी जाएगी।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव 2022 की जेके बांठिया आयोग की रिपोर्ट से पहले की स्थिति के अनुसार ही कराए जा सकते हैं, जिसमें ओबीसी श्रेणियों में 27% आरक्षण की सिफारिश थी। महाराष्ट्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के अनुरोध पर पीठ ने मामले की सुनवाई 19 नवंबर के लिए तय की, लेकिन राज्य सरकार से कहा कि वह 50% की सीमा से आगे न बढ़े।

शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर नामांकन शुरू हो गया है और अदालत को काम रोक देना चाहिए, तो हम चुनाव पर रोक लगा देंगे। अदालत की शक्तियों का इम्तिहान न लें। पीठ ने कहा कि हमारा संविधान पीठ द्वारा तय 50% आरक्षण सीमा को पार करने का इरादा नहीं था। हम दो न्यायाधीशों वाली पीठ में बैठकर ऐसा नहीं कर सकते। बांठिया आयोग की रिपोर्ट अब भी विचाराधीन है, हमने पहले की स्थिति के अनुसार चुनाव कराने की अनुमति दी थी।

दिल्ली प्रदूषण : दीर्घकालिक समाधान पर जोर, साल भर पाबंदी से इन्कार

दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण के दीर्घकालिक समाधान की वकालत करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रेप) के तहत प्रतिबंधों को साल भर लागू नहीं किया जा सकता। 'ग्रेप' प्रदूषण नियंत्रण के लिए आपातकालीन उपायों का समूह है। शीर्ष अदालत ने पंजाब और हरियाणा सरकारों से कहा कि वे दोनों राज्यों में पराली जलाने के मुद्दे पर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के निर्देशों का सख्ती से पालन करें। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि अगर सीएक्यूएम द्वारा पंजाब और हरियाणा को दिए सुझावों पर अमल किया जाता है, तो पराली जलाने की समस्या से पर्याप्त रूप से निपटा जा सकता है। इसलिए हम दोनों राज्यों को एक संयुक्त बैठक करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश देते हैं कि सीएक्यूएम के सुझावों का ईमानदारी से पालन किया जाए। पीठ ने कहा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने 11 नवंबर को बैठक की थी और एक दिन के भीतर प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए उचित कदम उठाने के निर्देश दिए जा सकते हैं। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी को अगली सुनवाई की तारीख 19 नवंबर को पूरी कार्ययोजना से अदालत को अवगत कराने के लिए कहा गया है, जब अदालत इस मामले में निर्देश भी जारी करेगी। शुरुआत में पीठ ने कहा कि समय-समय पर वायु प्रदूषण के उच्च स्तर से निपटने के लिए कई आदेश पारित किए गए हैं।

बुजुर्ग महिला वकील से डिजिटल अरेस्ट कर ठगी के आरोपियों की रिहाई रोकी

सुप्रीम कोर्ट ने एक दुर्लभ कदम उठाते हुए उन लोगों को जेल से रिहा करने से रोक दिया जिन पर शीर्ष अदालत की 72 वर्षीय महिला वकील से डिजिटल अरेस्ट कर 3.29 करोड़ की ठगी करने का आरोप है। कोर्ट ने कहा कि मामले में असाधारण आदेश की जरूरत है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा, हमें इन मामलों से सख्ती से निपटना होगा ताकि सही संदेश जाए। एक असाधारण घटना के लिए असाधारण हस्तक्षेप की जरुरत है। पीठ नेसुप्रीम कोर्ट एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन (एससीएओआरए) द्वारा दायर हस्तक्षेप आवेदन को रिकॉर्ड में लिया, जिसमें महिला वकील के मामले को आगे बढ़ाया गया और अपराध के आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आग्रह किया गया। एससीएओआरए के अध्यक्ष विपिन नायर ने कहा कि बुजुर्ग महिला वकील की सारी जमा पूंजी चली गई और इस वर्ष मई में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद गिरफ्तार किए गए आरोपी वैधानिक जमानत पर रिहा होने वाले हैं।

टेट्रा पैक में शराब की बिक्री बेहद खतरनाक और भ्रमित करने वाली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि टेट्रा पैक में शराब की बिक्री बेहद खतरनाक और भ्रमित करने वाली है। साथ ही शीर्ष अदालत ने पूछा कि क्या टेट्रा पैक में शराब की बिक्री की अनुमति दी जानी चाहिए? न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने देश की दो बड़ी शराब कंपनियों के बीच ट्रेडमार्क विवाद पर सुनवाई के दौरान यह तल्ख टिप्पणी की। वरिष्ठ अधिवक्ता ने दोनों कंपनियों के टेट्रा पैक पीठ के समक्ष पेश किए तथा उनके बीच समानता की ओर इशारा किया। पीठ ने आश्चर्य जताया कि सरकार ने टेट्रा पैक में शराब की बिक्री की अनुमति दे दी है। उसने कहा कि यह एक गंभीर मुद्दा है। यह मामला जॉन डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड (जो ओरिजिनल चॉइस व्हिस्की बेचती है) और एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड (जो ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की बनाती है) के बीच ट्रेडमार्क विवाद से जुड़ा है। शीर्ष अदालत ने दोनों कंपनियों के बीच विवाद को सुलझाने के लिए उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एल. नागेश्वर राव को मध्यस्थ नियुक्त किया।

हवाई किराए में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव रोकने संबंधी याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र और अन्य से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें भारत में निजी विमानन कंपनियों द्वारा लागू हवाई किराए और अन्य शुल्कों में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए बाध्यकारी नियामक दिशानिर्देश जारी करने का अनुरोध किया गया है। शीर्ष अदालत सामाजिक कार्यकर्ता एस लक्ष्मीनारायणन की याचिका पर सुनवाई को सहमत हो गई, जिन्होंने नागरिक उड्डयन क्षेत्र में पारदर्शिता और यात्री सुरक्षा के लिए मजबूत, स्वतंत्र नियामक स्थापित करने की मांग की है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने केंद्र, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और भारतीय विमानपत्तन आर्थिक नियामक प्राधिकरण को नोटिस जारी कर याचिका पर उनका जवाब मांगा और मामले की सुनवाई चार सप्ताह बाद तय की। इसमें याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रवींद्र श्रीवास्तव और अधिवक्ता चारु माथुर तथा अभिनव वर्मा उपस्थित हुए। सभी निजी एयरलाइन ने बिना ठोस कारण के, इकोनॉमी क्लास के यात्रियों के लिए मुफ्त चेक-इन बैगेज भत्ते को 25 से घटाकर 15 किग्रा कर दिया है, जिससे पहले टिकट सेवा का हिस्सा रहे सामान को राजस्व के नए स्रोत में बदला गया है। चेक-इन के लिए एक सामान ले जाने की अनुमति की नई नीति और यात्रियों को किसी भी प्रकार की छूट, मुआवज़ा या लाभ न देना, इस उपाय की मनमानी और भेदभावपूर्ण प्रकृति को दर्शाता है।

केरल : एसआईआर कार्य का बीएलओ ने किया बहिष्कार

एसआईआर कार्य के विरोध में प्रदर्शन करते बीएलओ।

तिरुवनंतपुरम। केरल में बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने काम के तनाव के कारण एक अधिकारी द्वारा आत्महत्या करने की घटना के बाद कार्य का बहिष्कार किया, जिससे राज्य में मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया सोमवार को प्रभावित रही।

कन्नूर के पय्यान्नूर में बीएलओ के रूप में कार्यरत 44 वर्षीय अनीश जॉर्ज रविवार को अपने घर में फांसी पर लटके पाए गए थे। स्थानीय लोगों और जॉर्ज के परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि उन्होंने यह कदम मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े काम के दबाव में उठाया। राज्य सरकार कर्मचारी एवं शिक्षक कार्य परिषद और शिक्षक सेवा संगठनों की संयुक्त समिति समेत कर्मचारियों के श्रमिक संगठनों ने जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया और मांग की कि बीएलओ पर अत्यधिक दबाव न डालें एवं एसआईआर को स्थगित करने पर विचार करें।

केरल एनजीओ एसोसिएशन ने भी प्रदर्शन किया और मांग की कि आत्महत्या की और घटनाओं को रोकने के लिए एसआईआर को रोका जाए।

वानी को आत्मघाती हमलावर बनाना चाहता था डॉ. उमर

नई दिल्ली, एजेंसी

- कई महीने की ब्रेनवाश करने की कोशिश मगर नहीं हो सका कामयाब
- पूछताछ में जैश की आत्मघाती हमलावर तैयार करने की साजिश का किया खुलासा

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर से गिरफ्तार किए गए दिल्ली विस्फोट के दूसरे आरोपी जसीर बिलाल वानी ने पूछताछ में कई राज खोले हैं। आतंकी संगठन जैश की भारत में हमलों के लिए आत्मघाती हमलावर तैयार करने की मुहिम का खुलासा करते हुए उसने बताया कि विस्फोट को अंजाम देने वाला डॉ.उमर उन नबी आत्मघाती हमलावर बनने के लिए कई महीने तक उसका ब्रेनवाश करने की कोशिश करता रहा था लेकिन उसने आत्महत्या के लिए इस्लाम में मनाही का जिक्र करते हुए इन्कार कर दिया था।

एनआईए के मुताबिक वानी राजनीति विज्ञान में स्नातक है। उमर की कोशिशों के बाद वह पिछले वर्ष अक्टूबर में कुलगाम की एक मस्जिद में 'डॉक्टर मॉड्यूल' से मिलने को तैयार हुआ, जहां से उसे हरियाणा के फरीदाबाद में अल फलाह विश्वविद्यालय में रहने के लिए ले जाया गया था। वानी को पहले जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हिरासत में लिया था और पूछताछ में उसने खुलासा किया था कि मॉड्यूल के अन्य लोग उसे प्रतिबंधित जैश-ए-मोहम्मद के लिए ओवर-ग्राउंड वर्कर बनाना चाहते थे, जबकि उमर कई महीनों से उसका ब्रेनवॉश कर आत्मघाती हमलावर बनने के लिए तैयार कर रहा था। उमर की यह कोशिश इस साल अप्रैल में उस समय नाकाम हो गई जब वानी ने खराब आर्थिक स्थिति और इस्लाम में आत्महत्या को निषिद्ध मानने का हवाला देते हुए इससे इंकार कर दिया था। एनआईए के मुताबिक आत्मघाती हमलावर बनाने की मुहिम की साजिश जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े अंतरराज्यीय आतंकी नेटवर्क की जांच में एक खतरनाक आयाम जोड़ती है।

तुर्किए से लौटने के बाद उमर ने विस्फोटकों का किया भंडारण

जम्मू-कश्मीर पुलिस को वानी ने बताया कि उमर में बदलाव 2021 में सहआरोपी डॉ. मुजम्मिल अहमद गनई के साथ तुर्किये की यात्रा के बाद आया, जहां दोनों जैश-ए-मोहम्मद के ओवर ग्राउंड वर्कर से मिले थे। एजेंसी के मुताबिक तुर्किये की यात्रा के बाद अल फलाह विश्वविद्यालय में पढ़ाने वाले उमर और गनई ने खुले बाजार से भारी मात्रा में रसायन इकट्ठा करना शुरू कर दिया, जिसमें 360 किग्रा अमोनियम नाइट्रेट, पोटेशियम नाइट्रेट और सल्फर शामिल थे, जिनमें से अधिकांश को विश्वविद्यालय परिसर के पास संग्रहीत किया गया था।

6 माह महिला को रखा डिजिटल अरेस्ट, 32 करोड़ ठगे

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक के बेंगलुरु की 57 वर्षीय महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने छह महीने से अधिक समय तक चले डिजिटल अरेस्ट में करीब 32 करोड़ गंवा दिए। कर्नाटक में यह सबसे बड़ी साइबर धोखाधड़ी है और इस संबंध में मामला दर्ज हुआ है।

धोखेबाजों ने सीबीआई बनकर स्काइप से महिला की निगरानी कर उसे डिजिटल अरेस्ट कर रखा था। ठगों ने महिला को गिरफ्तारी की धमकी दी और उससे सारी वित्तीय जानकारी ली तथा 187 बैंकिंग लेनदेन का दबाव डाला। शहर के इंदिरानगर की सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने शिकायत में कहा कि क्लीयरेंस लेटर मिलने तक धोखबाजों ने उसे छह महीने तक 'डिजिटल अरेस्ट' के धोखे में रखा। इसकी शुरुआत 15 सितंबर, 2024 को एक व्यक्ति के फोन से हुई, जिसने डीएचएल अंधेरी से होने का दावा करते हुए आरोप लगाया कि उसके नाम से बुक किए पार्सल में क्रेडिट कार्ड, पासपोर्ट और एमडीएमए है और उसकी पहचान का दुरुपयोग हुआ है।

- सीबीआई बनकर महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर पर दबाव डालकर कराए 187 बैंकिंग लेनदेन

मेथिलीन-डाइऑक्सीमेथाम्फेटामीन (एमएमडीए) मादक पदार्थ होता है। इससे पहले कि महिला कोई जवाब दे पाती, कॉल स्थानांतरित की गई, जिसने कॉल ली उसने खुद को सीबीआई बताया और दावा किया कि सारे सबूत आपके खिलाफ हैं। जालसाज़ों ने उसे पुलिस से संपर्क नहीं करने की चेतावनी दी और कहा कि वे उसके घर पर नजर रख रहे हैं। परिवार और बेटे की होने वाली शादी के डर से, वह चुप रही। शिकायत के अनुसार महिला को दो स्काइप आईडी बनाने और वीडियो पर बने रहने का निर्देश दिया गया था। इसके अनुसार मोहित हांडा नामक एक व्यक्ति ने दो दिन तक उस पर नजर रखी, उसके बाद राहुल यादव ने एक हफ्ते तक उस पर नजर रखी। एक और जालसाज प्रदीप सिंह ने खुद को सीबीआई का वरिष्ठ अधिकारी बताया और उस पर अपनी बेगुनाही साबित करने का दबाव डाला। शिकायतकर्ता ने कहा कि ऐसा प्रतीत हुआ कि समूह को उसकी फ़ोन गतिविधि और लोकेशन की जानकारी थी, जिससे उसका डर और बढ़ गया। इस ठगों ने फायदा उठाकर बैंकिंग लेने देने कराएं।

वर्ल्ड ब्रीफ

टॉम क्रूज़ को मिला मानद ऑस्कर

लॉस एंजिल्स। मशहूर अभिनेता टॉम क्रूज़ को गवर्नर्स अवाड्‌र्स के दौरान अकादमी मानद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। क्रूज़ को मिशन इम्पॉसिबल श्रृंखला और टॉप गन फ्रेंचाइजी जैसी बड़ी फिल्मों में शानदार अभिनय के लिए जाना जाता है। यह पुरस्कार फिल्म निर्माता एलेजांद्रो जी. इनारिटु ने क्रूज को प्रदान किया। पुरस्कार ग्रहण करते वक्त 63 वर्षीय अभिनेता ने उन सभी लोगों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने फिल्मों को संभव बनाया। क्रूज़ ने कहा कि सिनेमा मुझे दुनिया भर में ले जाता है। इससे मुझे मतभेद दूर करने में मदद मिलती है।

इजराइल से निर्यात प्रतिबंध हटाएगा जर्मनी

बर्लिन। जर्मनी की सरकार ने सोमवार को कहा कि वह इजराइल को सैन्य उपकरणों के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटाने जा रही है। यह प्रतिबंध तीन महीने पहले लगाए गए थे। चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने अगस्त की शुरुआत में कहा था कि बर्लिन इजराइल को ऐसे किसी भी सैन्य उपकरण के निर्यात को अधिकृत नहीं करेगा जिसका इस्तेमाल गाजा में किया जा सकता है। यह इजराइली कैबिनेट द्वारा गाजा शहर पर कब्जा करने के निर्णय की प्रतिक्रिया थी। चांसलर मर्ज के प्रवक्ता स्टीफन कोर्नेलियस ने जर्मनी की न्यूज एजेंसी डीपीए को बताया कि प्रतिबंध 24 नवंबर से हटा लिए जाएंगे।

प्रवासी सम्मान पाने वाले बेजालेल का निधन

यरुशलम। इजराइल में एक चरवाहे के रूप में काम करने से लेकर अपने अथक परिश्रम से कृषि क्षेत्र में जाना पहचाना नाम बनने, साथ ही प्रवासी भारतीय सम्मान प्राप्त करने वाले भारतीय मूल के उद्यमी एलियाहू बेजालेल का रविवार को 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया। बेजालेल मूल रूप से केरल के गांव चेन्दमंगलम के रहने वाले थे लेकिन 1955 में 25 वर्ष की आयु में वह इजराइल आ गए थे। लेकिन यहां आने के बाद भी उनका अपनी मातृभूमि के साथ मजबूत भावनात्मक संबंध बना रहा था। उन्हें 2006 में प्रवासी भारतीय सम्मान प्रदान किया गया था जो भारत द्वारा प्रवासी भारतीयों को दिया जाने वाला सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।

शंघाई उड़ान बहाल करेगी एयर इंडिया

नई दिल्ली। एयर इंडिया एक फरवरी, 2026 से दिल्ली और शंघाई के बीच उड़ानें फिर से शुरू करेगी और लगभग छह वर्ष बाद चीन के लिए सीधी विमान सेवा बहाल होगी। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने 2020 की शुरुआत में कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर शंघाई के लिए सेवाएं बंद कर दी थीं। एक फरवरी से दिल्ली-शंघाई उड़ानें फिर से शुरू करने की सोमवार को घोषणा करते हुए एयर इंडिया ने यह भी कहा कि वह 2026 में मुंबई और शंघाई के बीच उड़ान की योजना बना रही है।

कांगो में खदान पर पुल ढहने से 32 की मौत

बुकावु। दक्षिण-पूर्वी कांगो में एक तांबा और कोबाल्ट खदान में अत्यधिक भीड़ के कारण एक पुल ढह गया जिससे 32 लोगों की मौत हो गई। प्रांत के गृह मंत्री रॉय कौम्बा मायोंडे ने बताया कि लुआलाबा प्रांत के मुलोंडो में कलांडो खदान का पुल शनिवार को ढह गया। खनन विभाग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि घटनास्थल पर सैनिकों की गोलीबारी से खनिकों में दहशत फैल गई और वे पुल की ओर भागे जिससे पुल ढह गया तथा वे एक-दूसरे के ऊपर गिर गए जिससे कई लोग हताहत हुए।

नाइजीरिया में 25 छात्राओं का स्कूल से किया अपहरण

- बंदूकधारियों ने स्कूल के एक कर्मचारी की हत्या भी की

अबुजा, एजेंसी

अफ्रीकी देश नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में स्थित एक हाई स्कूल पर बंदूकधारियों ने सोमवार सुबह हमला कर 25 छात्राओं का अपहरण कर लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि नाइजीरिया के उत्तरी क्षेत्र में स्कूल अपहरण की नवीनतम घटना में स्कूल का एक कर्मचारी मारा गया तथा एक अन्य घायल हो गया। उसने बताया कि केब्बी राज्य के बोर्डिंग स्कूल से अपहरण की इस घटना की जिम्मेदारी अब तक किसी समूह ने नहीं ली है।

पुलिस के मुताबिक घटना स्थानीय समयानुसार तड़के चार बजे हुई और लड़कियों को उनके छात्रावास से अगवा किया गया। पुलिस प्रवक्ता नफीउ अबुबकर कोटारकोशी ने बताया कि बोर्डिंग स्कूल राज्य के डैंको-वासागु इलाके के मागा में स्थित है। कोटरकोशी ने बताया कि हमलावर अत्याधुनिक हथियारों से लैस थे और लड़कियों का अपहरण करने से पहले उन्होंने सुरक्षाकर्मियों के साथ गोलीबारी की। एक संयुक्त टीम संदिग्धों के भागने के मार्गों और आसपास के जंगलों में समन्वित खोज और बचाव अभियान चला रही है, जिसका उद्देश्य अपहृत छात्राओं को छुड़ाना और अपराधियों को गिरफ्तार करना है।

सत्ता के सिंहासन से फांसी के तख्त तक

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को उनके देश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) द्वारा मौत की सजा सुनाई गई है। हसीना ने फैसले की निंदा करते हुए इसे पक्षपातपूर्ण और राजनीति से प्रेरित बताया। बांग्लादेश की अदालत द्वारा सुनाया गया यह फैसला दुनिया में पहला नहीं है, अब तक दुनिया भर में कई राष्ट्राध्यक्षों या राष्ट्र प्रमुखों को उनके देश में मौत की सजा दी गई या उन्हें अन्य गंभीर दंड दिए गए हैं। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक देश के अपने कानून और न्याय प्रणाली हैं, और मौत की सजा का उपयोग और प्रावधान भिन्न होता है।

राष्ट्राध्यक्षों को मौत की सजा

हसीना के मामले में भारत के पास विकल्प

- **प्रत्यर्पण संधि :** भारत और बांग्लादेश के बीच प्रत्यर्पण संधि है, जिसके तहत दोनों देश एक-दूसरे के अनुरोध पर वांछित व्यक्तियों को सौंप सकते हैं।
- **राजनयिक प्रयास :** भारत सरकार बांग्लादेश के साथ राजनयिक प्रयास कर सकती है ताकि शेख हसीना के मामले का समाधान निकाला जा सके।
- **अंतर्राष्ट्रीय मंच :** भारत इस मामले को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भी उठा सकता है, जैसे कि संयुक्त राष्ट्र या अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में, ताकि बांग्लादेश पर दबाव बनाया जा सके।
- **शरण की स्थिति :** भारत सरकार शेख हसीना को शरण देने का निर्णय ले सकती है, अगर उन्हें लगता है कि बांग्लादेश में उनके जीवन को खतरा है या उन्हें न्याय नहीं मिलेगा।

इन राष्ट्राध्यक्षों को मिली थी फांसी

- **निकोले चाऊशेस्कु :** रोमानिया के पूर्व राष्ट्रपति को 1989 में नरसंहार, क्रूर दमन, भ्रष्टाचार और राष्ट्र की संपत्ति लूटने जैसे गंभीर आरोपों में दोषी पाया गया और तुरंत मौत की सजा सुनाई गई।
- **ज़ुल्फिकार अली भुट्टो :** पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री को 1979 में एक राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की हत्या के आरोप में फांसी दी गई थी।
- **सद्दाम हुसैन :** इराक के पूर्व राष्ट्रपति को 2006 में मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए फांसी दी गई थी।
- **लिबिया के पूर्व नेता मुअम्मर गद्दाफी :** उन्हें 2011 में मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए पीट-पीटकर मार दिया गया था।
- **फ्रांसिस्को मैकियास न्गुएमा :** इक्वेटोरियल गिनी के पूर्व राष्ट्रपति को 1979 में मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए फांसी दी गई थी।
- **बेनिटो मुसोलिनी :** इटली के फासीवादी नेता बेनिटो मुसोलिनी को दूसरे विश्व युद्ध के दौरान मार दिया गया था।
- **मोहम्मद नजीबुल्लाह :** अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नजीबुल्लाह को तालिबान ने मौत की सजा दी थी।

भारत के सामने चुनौतियां

- **बांग्लादेश के साथ संबंध :** भारत को इस मामले में बहुत सावधानी से कदम उठाने की आवश्यकता है ताकि बांग्लादेश के साथ संबंध खराब न हों।
- **क्षेत्रीय स्थिरता :** भारत को क्षेत्रीय स्थिरता को भी ध्यान में रखना होगा, क्योंकि इस मामले में कोई भी गलत कदम उठाने से क्षेत्र में तनाव बढ़ सकता है।
- **शेख हसीना का भविष्य :** भारत को शेख हसीना के भविष्य को भी ध्यान में रखना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें न्याय मिले और उनके अधिकारों का हनन न हो।

रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर अब लगाएंगे बहुत कड़ी पाबंदियां

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दी चेतावनी, कहा-हम कड़े कानून पर आगे बढ़ रहे

- ट्रंप प्रशासन ने भारत पर लगाया है 50 प्रतिशत शुल्क

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि जो भी देश रूस के साथ व्यापार करेगा, उस पर बहुत कड़ी पाबंदियां लगाई जाएंगी। ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन और रिपब्लिकन सांसद मॉस्को को निशाना बनाने वाले कड़े कानून पर आगे बढ़ रहे हैं। रविवार को एक प्रेस वार्ता में ट्रंप से पूछा गया कि क्या रूस और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव डालने के लिए कांग्रेस द्वारा उपाय लागू करने का समय आ गया है, इस पर उन्होंने कहा कि मैंने सुना है कि वे ऐसा कर रहे हैं और यह ठीक है।

ट्रंप ने कहा, वे कानून पारित कर रहे हैं, रिपब्लिकन कानून ला रहे हैं, रूस के साथ व्यापार करने वाले किसी भी देश पर बहुत कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। वे उसमें ईरान को भी शामिल कर सकते हैं, यह सुझाव मैंने दिया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दोहराया, जो कोई भी देश जो रूस के साथ व्यापार करेगा, उसे बहुत कड़ी पाबंदियों का सामना करना पड़ेगा। हम इसमें ईरान को भी शामिल कर सकते हैं। ट्रंप प्रशासन ने भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है जो दुनिया में सबसे अधिक शुल्कों में से एक है। इसमें रूसी तेल की खरीद को लेकर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क भी शामिल है। सांसद लिंडसे ग्राहम द्वारा पेश किए गए एक विधेयक में रूसी तेल की द्वितीयक खरीद और पुनः बिक्री पर 500 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव है।

प्रस्ताव को अमेरिकी संसद का समर्थन

इस प्रस्ताव को संसद की विदेश संबंध समिति में लगभग सर्वसम्मत समर्थन मिला है। ग्राहम और सांसद रिचर्ड ब्लूमेंथल ने संयुक्त रूप से रूस प्रतिबंध अधिनियम 2025 पेश किया है, जिसका उद्देश्य उन देशों पर द्वितीयक शुल्क और प्रतिबंध लगाना है जो यूक्रेन में पुतिन के बर्बर युद्ध को जारी रखने के लिए धन मुहैया कराते हैं। इस प्रस्तावित कानून के संसद में 85 सह-प्रायोजक हैं।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो से बात करेगा अमेरिका

वेस्ट पाम बीच। अमेरिका के सबसे उन्नत विमानवाहक पोत की तैनाती के जरिए वेनेजुएला के पास सैन्य उपस्थिति बढ़ाए जाने के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि उनका देश वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के साथ बातचीत कर सकता है। ट्रंप ने मादुरो के साथ संभावित चर्चा के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी लेकिन उन्होंने कहा कि वेनेजुएला बातचीत करना चाहेगा। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब ट्रंप प्रशासन ने मादक पदार्थों के परिवहन के संदेह में पोतों के खिलाफ कई सैन्य हमले किए हैं। अमेरिकी नौसेना ने एक बयान जारी कर यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड और अन्य युद्धपोतों की तैनाती की घोषणा की। अमेरिकी प्रशासन इसे मादक पदार्थ के खिलाफ अभियान के लिए महत्वपूर्ण मानता है लेकिन इसे मादुरो के विरुद्ध दबाव बढ़ाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। ट्रंप से रविवार को पूछा गया कि उनकी इस बात का क्या मतलब है कि मादुरो बातचीत करना चाहते हैं तो उन्होंने कहा कि इसका क्या मतलब है? आप ही बताइए, मुझे नहीं पता। अमेरिका के 'ऑपरेशन सदर्न स्पीयर' मिशन के तहत नौसेना के लगभग एक दर्जन पोत और लगभग 12,000 नाविक और मरीन क्षेत्र में तैनात किए गए हैं।

कोर्ट का फैसला पक्षपातपूर्ण व राजनीति से प्रेरित : शेख हसीना

- बांग्लादेश अपराध न्यायाधिकरण ने सुनाई है मौत की सजा

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सोमवार को उनके देश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) द्वारा उन्हें मौत की सजा सुनाए जाने के फैसले की निंदा करते हुए इसे पक्षपातपूर्ण और राजनीति से प्रेरित बताया। हसीना ने न्यायाधिकरण के फैसले के बाद जारी एक बयान में कहा न्यायाधिकरण में धांधली की गई थी और इसे बिना किसी लोकतांत्रिक जनादेश वाली अनिर्वाचित सरकार द्वारा चलाया जा रहा था।

मेरे खिलाफ सुनाए गए फैसले एक धांधली वाले न्यायाधिकरण के हैं और पक्षपातपूर्ण तथा राजनीति से प्रेरित हैं। गौरतलब है कि बांग्लादेश की घरेलू युद्ध अपराध अदालत, अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने पिछले साल सरकार विरोधी प्रदर्शनों पर कार्रवाई के लिए पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई है और इसे मानवता के खिलाफ अपराध बताया है। मानवता के खिलाफ विभिन्न अपराधों के लिए दोषी ठहराई गईं हसीना पर उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाया गया और वह फिलहाल भारत में निर्वासन में हैं। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने स्थिति पर नियंत्रण खो दिया है लेकिन जो हुआ उसे नागरिकों पर पूर्व-नियोजित हमला नहीं कहा जा सकता। निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया के तहत मुकदमे का सामना करने की इच्छा दोहराते हुए उन्होंने कहा, मैं अपने आरोपों का सामना उचित न्यायाधिकरण में करने से नहीं डरती जहां सबूतों का निष्पक्ष रूप से मूल्यांकन और परीक्षण किया जा सकता है। बांग्लादेश अवामी लीग की नेता ने आरोप लगाया कि अंतरिम सरकार ने अवामी लीग को एक राजनीतिक ताकत के रूप में निष्प्रभावी करने के लिए मौत की सजा को एक राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया है। हसीना को सजा सुनाए जाने के बाद उनके समर्थकों ने राजधानी ढाका में विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने लाठीचार्ज कर और आंसू गैस छोड़कर उन्हें भगाया।

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाए जाने के बाद राजधानी ढाका में सुरक्षा के लिए तैनात सैन्य बल।

संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिवेदक से की अपील

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अंतर्राष्ट्रीय मीडिया को दिए कई साक्षात्कारों में सभी आरोपों का खंडन किया और बताया कि प्रदर्शनकारियों को मारने के लिए इस्तेमाल की गई गोलियों की क्षमता बांग्लादेश पुलिस द्वारा इस्तेमाल की गई गोलियों से अलग थी। कई विश्लेषकों ने संकेत दिया है कि ये गोलियां स्नाइपर्स द्वारा चलाई गई हो सकती हैं। हसीना की कानूनी टीम ने निष्पक्ष सुनवाई के अधिकारों और उचित प्रक्रिया के अभाव को लेकर गंभीर चिंताओं का हवाला देते हुए न्यायेतर, मनमाने ढंग से की गई फांसी के मामलों में संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिवेदक से अपील की है।

टाइम्स स्क्वायर पर दिखी भारतीय संस्कृति की झलक

- प्रवासी भारतीय समुदाय ने मनाया साड़ी गोज ग्लोबल जश्न

न्यूयॉर्क, एजेंसी

न्यूयार्क के प्रसिद्ध टाइम्स स्क्वायर में भारतीय प्रवासी समुदाय और अन्य देशों की महिलाओं ने एक विशेष कार्यक्रम के दौरान साड़ी की खूबसूरती, विरासत, कलात्मकता और समुदाय के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण का जश्न मनाया। इस दौरान रंग-बिरंगी और विभिन्न शैलियों की साड़ियां इस लोकप्रिय स्थल पर छा गईं।

साड़ी गोज़ ग्लोबल कार्यक्रम के दूसरे संस्करण का आयोजन रविवार को न्यूयॉर्क स्थित परोपकारी संगठन उमा ग्लोबल ने न्यूयॉर्क के भारतीय वाणिज्य दूतावास के सहयोग से किया। उमा ग्लोबल द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, इस वर्ष के उत्सव में भारत, बांग्लादेश, ब्रिटेन, वेस्ट इंडीज, मलेशिया, सिंगापुर, श्रीलंका, अमेरिका के कई शहरों और स्थानीय न्यूयॉर्क निवासियों ने हिस्सा लिया। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में काउंसलर (चांसरी प्रमुख) प्रज्ञा सिंह ने साड़ी के गहन सांस्कृतिक इतिहास और विविधता पर प्रकाश डाला।

यूक्रेन फ्रांस से 100 राफेल लड़ाकू विमान खरीदेगा

पेरिस। यूक्रेन ने फ्रांस से 100 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के लिए अभिरुचि पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। पेरिस स्थित यूक्रेन के दूतावास और फ्रांसीसी राष्ट्रपति कार्यालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के कार्यालय ने बताया कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने सोमवार को एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए, जिसमें कहा गया है कि यूक्रेन राफेल विमानों सहित फ्रांसीसी रक्षा उपकरण खरीदने पर विचार कर रहा है।

भारत-चीन के बीच लंबे समय से जमी बर्फ पिघली

- सेना प्रमुख बोले-11 सौ बार जमीनी स्तर पर हुई बातचीत

नई दिल्ली, एजेंसी

सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा है कि भारत और चीन के बीच सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर निरंतर बातचीत से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थिति में काफी सुधार हुआ है और लंबे समय से जमी बर्फ पिघली है। सेना प्रमुख ने कहा कि भारत और चीन की सेनाओं के बीच पिछले एक वर्ष में 1100 बार जमीनी स्तर पर बातचीत हुई है और इनके अच्छे परिणाम मिले हैं।

जनरल द्विवेदी ने सोमवार को यहां 'चाणक्य रक्षा संवाद' के उद्घाटन कार्यक्रम में सवालों के जवाब में कहा, मैं कहना चाहूँगा कि पिछले एक साल में काफ़ी प्रगति हुई है। अक्टूबर 2024 से लेकर आज तक हमारे संबंधों में काफ़ी सुधार हुआ है। यह सुधार इसलिए हुआ है क्योंकि हमने अपने राजनीतिक नेताओं के साथ काफ़ी बातचीत की है। और दोनों ही इस बात पर आश्वस्त थे कि हम वहां जितनी सामान्य स्थिति लाएंगे, दोनों देशों के लिए उतना ही बेहतर होगा। जनरल द्विवेदी ने कहा कि अगर आप देखें, तो पिछले एक साल में, हमने लगभग 1,100 ज़मीनी स्तर की बातचीत की है। यानी, हर दिन लगभग तीन बातचीत हुई हैं। तो इसका मतलब है कि ज़मीनी स्तर पर हमारी बातचीत, पहले सिर्फ़ कोर कमांडर स्तर पर होती थी। अब हम इसे बटालियन कमांडर, कंपनी कमांडर स्तर, और फिर ज़मीनी कमांडर तक ले आए हैं। तो इसका क्या फ़ायदा? कई चीज़ें ऐसी होती हैं कि अगर हम ऊपरी स्तर पर जाते हैं, तो हम मुश्किल में पड़ जाते हैं। लेकिन अगर हम निचले स्तर पर जाते हैं, तो उनका हमेशा समाधान हो जाता है। इसलिए हमारी कोशिश यही है कि हम इस मामले का बोझ न बनें। जितना हम ज़मीनी स्तर पर हल कर सकते हैं, उतना हम कर सकते हैं।" जनरल द्विवेदी ने कहा कि बातचीत की प्रवृति से निचले स्तर पर ही समस्याओं का समाधान हो रहा है लेकिन बड़े फैसले अभी भी उच्च स्तर पर ही लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बड़े फैसले अभी भी हमारे उच्च स्तर पर लिए जाएंगे। तो सबसे बड़ी बात जो हो रही है, वह यह है कि हम ज़मीनी स्तर पर जो समाधान खोज रहे हैं, उसके साथ जो हुआ है, वह यह है कि दोनों पक्षों में बातचीत करने की प्रवृत्ति है। दोनों पक्षों, क्योंकि ऊपर से भी निर्देश हैं, कि बातचीत में, जितना हल हो सके, जितना समाधान मिल सके, उसे भी खोजने की कोशिश करें।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 18 नवंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी 07.12 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

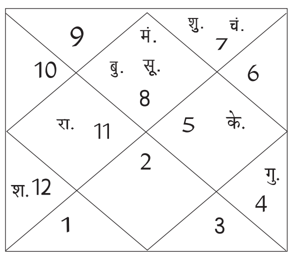

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।

चन्द्रबल-मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।

ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र-स्वाती पूर्ण रात्रि तक।

मेष — आज धार्मिक अनुष्ठानों में आप रुचि ले सकते हैं। किसी घटना को लेकर मन व्यथित हो सकता है। आप थोड़े नकारात्मक मूड में हो सकते हैं। बदहजमी और गैस की शिकायत हो सकती है। गरिष्ठ भोजन का सेवन न करें।

वृष — आज अपने मन की करें। युवाओं को नए करियर के अवसर मिलेंगे। राजनीतिक लोगों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं। दूसरों से अधिक सलाह न लें। मित्रों के बीच आपका सम्मान बढ़ेगा। पति-पत्नी के बीच संबंध मधुर होंगे।

मिथुन — आज फाइनेंस संबंधी कार्यों को लेकर परेशानी होगी। महत्वपूर्ण पेपर्स को संभालकर रखें। रिश्तेदारों की चिंता हो सकती है। आपकी उपलब्धियों के कारण लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर चिंतित रहेंगे।

कर्क — आज आपके सभी कार्य समय पर पूर्ण हो जाएंगे। उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिल सकता है। कमीशन संबंधी कार्यों से आपको लाभ प्राप्त होगा। समाज में आपके अधिकार और संपत्ति में वृद्धि होगी। रुका हुआ धन आपको मिल सकता है।

सिंह — आज आपको यात्रा नहीं करनी चाहिए। सार्वजनिक स्थलों पर जाने से बचें। किसी परिजन को लेकर चिंता रहेगी। गलत खानपान के कारण सेहत खराब हो सकती है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। मन में भविष्य को लेकर चिंता हो सकती है।

कन्या — आज अटके हुए कार्यों को पूरा करने का तनाव रहेगा। अचानक पुराने मित्रों से मिलने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। आपकी सलाह से लोगों के काम बनेंगे।

तुला — आज आपको पहले किए गए कठिन परिश्रम का लाभ प्राप्त होगा। बहुप्रतीक्षित कार्यों में आपको सफलता मिल सकती है। विरोधियों के बीच आपका सामर्थ्य बढ़ेगा। माता-पिता आपका मनोबल बढ़ाएंगे और आप से किसी महत्वपूर्ण विषय पर राय भी लेंगे।

वृश्चिक — आज पुराना लोन चुका सकते हैं। बिना मांगे किसी को राय देने से बचें। पिता को लेकर चिंता हो सकती है। अपना दृष्टिकोण सकारात्मक रखें। आपको सभी प्रयासों में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी को दिया हुआ वचन पूरा करें।

धनु — आज दिनचर्या के प्रति लापरवाही न रखें। घर में अकेलापन और बोरियत जैसा महसूस हो सकता है। अधिक काम के कारण पैरों में दर्द हो सकता है। नकारात्मक लोगों की संगत से दूर रहें। मानसिक उदासीनता के कारण परेशान हो सकते हैं।

मकर — आज व्यवसाय में आपका मन लगेगा। जीवनसाथी के प्रति विश्वास बनाये रखें। किसी नए कार्य की योजना बना सकते हैं। आपके ऊपर काम का दबाव बढ़ने वाला है। आप छुट्टी के मूड में हो सकते हैं। आवश्यक कार्य समय से पूर्ण हो जाएंगे।

कुंभ — आज बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है। ससुराल से मान-सम्मान प्राप्त होगा। सरकारी नियमों का कड़ाई से पालन करें। परिजनों के प्रति अच्छा व्यवहार रखें। योजनाओं को उचित तरीके से क्रियान्वित करने का प्रयास करें।

मीन — आज नए व्यवसाय में आपका मन लगेगा। विद्यार्थियों को उन्नति के नए मार्ग मिलेंगे। आपकी बुद्धि और ज्ञान की प्रशंसा होगी। परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे। सेहत का ध्यान रखें, क्योंकि सर्दी की समस्या हो सकती है।

सुडोकू-164

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

					1		3	
		4						
				7				
								1
2								
					2			
			7					
							6	
	5							

सुडोकू - 163 का हल

9	7	1	2	3	4	8	5	6
6	3	5	1	9	8	2	4	7
2	8	4	6	5	7	9	3	1
1	2	3	4	6	9	5	7	8
4	9	7	5	8	1	6	2	3
8	5	6	3	7	2	1	9	4
7	1	2	9	4	6	3	8	5
5	6	8	7	2	3	4	1	9
3	4	9	8	1	5	7	6	2

> घरेलू मैदान पर हर कोई भारत से जीत की उम्मीद करता है। शुभमन गिल पर काफी अधिक दबाव है। वह में सभी प्रारूपों का कप्तान बनने की क्षमता है लेकिन मुझे नहीं लगता कि भारत के पास अब सभी प्रारूपों में एक अलग कप्तान होना चाहिए।
>
> -अभिनव मुकुंद

स्टेडियम

बरेली, मंगलवार 18 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

प्रधानमंत्री ने तीरंदाजी टीम की तारीफ की

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को एशियाई तीरंदाजी चैम्पियनशिप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिये भारतीय तीरंदाजी टीम को बधाई दी। मोदी ने एक्स पर लिखा कि भारतीय टीम ने छह स्वर्ण समेत दस पदक जीते और रिकर्व पुरूष वर्ग में 18 साल बाद ऐतिहासिक स्वर्ण जीता। उन्होंने व्यक्तिगत स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि इस यादगार प्रदर्शन से देश भर में अनगिनत उदीयमान खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी।

एयर पिस्टल में अनुया प्रसाद ने स्वर्ण जीता

नई दिल्ली : युवा अनुया प्रसाद और प्रांजलि प्रशांत धूमल ने टोक्यो में चल रहे बधिर ओलंपिक में सोमवार को महिलाओं की दस मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में क्रमश: स्वर्ण और रजत पदक हासिल किया। अनुया ने अपने जन्मदिन पर बधिर फाइनल विश्व रिकॉर्ड तोड़कर पहला स्थान हासिल किया जबकि प्रांजलि ने क्वालीफिकेशन में विश्व रिकॉर्ड तोड़कर फाइनल में जगह बनाई थी। पुरुषों की दस मीटर एयर पिस्टल में अभिनव देशवाल ने क्वालीफिकेशन विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की और रजत पदक जीता। भारत के दूसरे दिन निशानेबाजी में सात पदक हो गए हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन आज से

सिडनी : भारत की शीर्ष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी मंगलवार से सिडनी में शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में वापसी करते हुए इस सीजन का अपना पहला खिताब जीतने मैदान में उतरेंगे। पुरुष युगल बैडमिंटन रैंकिंग में सातवें स्थान पर मौजूद सात्विक और चिराग बीडब्ल्यूएफ 2025 वर्ल्ड टूर में अपने 14 मुकाबलों में से आठ में सेमीफाइनल तक पहुंचे, लेकिन इस सीजन में अपने किसी भी अच्छे प्रदर्शन को खिताब में नहीं बदल पाए हैं। भारतीय जोड़ी ने साल की शुरुआत में हांगकांग ओपन और चाइना मास्टर्स के फाइनल में जगह बनाई थी, पर दोनों ही मौकों पर उन्हें उपविजेता से संतोष करना पड़ा था।

कोलकाता में हार के बाद उठे सवाल

क्या घरेलू पिच को लेकर एकमत हैं शुभमन और गंभीर? गिल बोले थे- टीम 'टर्निंग' नहीं, अच्छी पिच चाहती है

कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता टेस्ट से पहले कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल ने किया था पिच का निरीक्षण। फाइल फोटो

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में 30 रन से भारत की शर्मनाक हार के बाद उपजे पिच विवाद के बीच बड़ा सवाल यह है कि युवा कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर क्या आदर्श घरेलू पिच को लेकर एक राय हैं? लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम के अपनी सरजमीं पर न्यूनतम स्कोर पर सिमटने के बाद कई सवाल उठने लगे हैं।

एक महीना पहले ही अहमदाबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले गिल ने कहा था कि टीम अब 'टर्निंग' नहीं बल्कि अच्छी पिच पर खेलना चाहती है। उन्होंने कहा था हम ऐसी पिचों पर खेलना चाहते हैं जिनसे गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों को मदद मिले। इसके बावजूद भारत ने विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट ऐसी पिच पर खेला जो उसके ठीक विपरीत थी जिसकी कप्तान गिल ने पैरवी की थी।

ईडन गार्डंस की पिच पर एक सप्ताह से अधिक पानी नहीं दिया गया था और कवर के भीतर रखी गई थी। पिच पूरी तरह से सूखी थी और पहले ही सत्र से टूटने लगी थी। इस पिच पर 38 विकेट गिरे जिनमे स्पिनरों ने 22 और तेज गेंदबाजों ने 16 विकेट लिए।

गंभीर ने हालांकि मैच के बाद कहा था कि पिच वैसी ही थी जैसी टीम प्रबंधन ने चाही थी। उन्होंने कहा अगर आप अच्छा नहीं खेलते तो क्या होगा। विकेट में कोई खराबी नहीं थी। अगर हम जीत गए होते तो पिच पर सवाल ही नहीं उठते। कप्तान गिल पहले ही दिन गर्दन में ऐंठन के कारण बाहर हो गए थे जिनकी गैर मौजूदगी में भारतीय बल्लेबाजी में अनुशासन नजर नहीं आया। भारत ने अपनी सरजमीं पर पिछले छह में से चार टेस्ट गंवाये हैं जिससे अपनी धरती पर अजेय रहने की उसकी छवि को ठेस पहुंची है।

गंभीर के कोच रहते भारत ने 18 में से आठ टेस्ट जीते हैं जिनमे से चार बांग्लादेश और वेस्टइंडीज जैसी कमजोर टीमों के खिलाफ जीते। भारतीय टीम के कोलकाता आने के बाद से पिच पर फोकस बना हुआ था। क्यूरेटर सुजन मुखर्जी से लगातार बैठकें होती रही। आस्ट्रेलिया के खिलाफ 2001 में हुए मैच में लक्ष्मण. द्रविड़ . के चमत्कारिक प्रदर्शन के साक्षी रहे ईडन की पिच पर हरभजन सिंह भी भड़के हुए हैं।

चेतेश्वर पुजारा ने टीम के बदलाव के दौर से गुजरने की बात को खारिज करते हुए कहा अपने देश में हार स्वीकार्य नहीं है। बदलाव का दौर हो या नहीं।

गिल का दूसरे टेस्ट में खेलना संदिग्ध

कोलकाता : भारतीय कप्तान शुभमन गिल का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में खेलना संदिग्ध है। बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) के सूत्रों ने पुष्टि की कि वह बुधवार को टीम के साथ गुवाहाटी नहीं जाएंगे। टीम का मंगलवार को वैकल्पिक ट्रेनिंग सत्र होगा। सूत्र ने पीटीआई से कहा उन्हें गर्दन में तेज दर्द है और हमें चोट के बारे में और विस्तार से बताने की अनुमति नहीं है। उन्हें गर्दन का कॉलर पहनना जारी रखना होगा। सूत्र ने कहा उन्हें तीन-चार दिन आराम करने और हवाई यात्रा नहीं करने की सलाह दी गई है। इस स्थिति में उन्हें गुवाहाटी जाने की सलाह नहीं दी गई है। लेकिन हम उनकी प्रगति पर नजर रख रहे हैं और मंगलवार तक तस्वीर साफ हो जाएगी। भारतीय टीम को शनिवार से शुरू हो रहे दूसरे और अंतिम टेस्ट के लिए बुधवार को गुवाहाटी रवाना होना है। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि गिल की अब भी जांच की जा रही है और फिजियो तथा मेडिकल स्टाफ द्वारा एक और दौर का मूल्यांकन किया जाना है।

टेस्ट क्रिकेट को बर्बाद किया जा रहा: हरभजन

नई दिल्ली, एजेंसी

- पूर्व स्पिनर ने गेंदबाजों के लिए अत्यधिक अनुकूल पिच तैयार करने को विनाशकारी बताया

भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने ईडन गार्डंस जैसी कम तैयार और गेंदबाजों के लिए अत्यधिक अनुकूल पिच को 'टेस्ट क्रिकेट का विनाश' करार देते हुए कहा कि इस तरह की स्थिति खिलाड़ियों के वास्तविक विकास में बाधा डालती है। हरभजन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है। टेस्ट क्रिकेट को भावपूर्ण श्रद्धांजलि।

उन्होंने कहा उन्होंने जिस तरह का काम किया है, जिस तरह की पिचें इतने वर्षों से बनाई जा रही हैं, मैं उसे देखता आ रहा हूं। कोई इसके बारे में बात नहीं करता क्योंकि जब टीम जीत रही होती है तो सब ठीक लगता है। कोई विकेट ले रहा होता है और कोई विकेट लेकर महान बन रहा है। उन्होंने कहा ऐसे में सबको लगता है कि सब ठीक चल रहा है। यह चलन अभी से शुरू नहीं हुआ है। यह कई सालों से चला आ रहा है, और मुझे लगता है कि यह खेलने का गलत तरीका है। इस मैदान पर 2001 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक जीत के दौरान 13 विकेट झटकने वाले हरभजन ने कहा कि अब इस मुद्दे पर विचार करने का समय आ गया है क्योंकि ऐसी पिचें खिलाड़ियों के विकास में योगदान नहीं देतीं। उन्होंने कहा आप किसी भी तरह से आगे नहीं बढ़ रहे हैं, आप बस चक्की में बंधे बैल की तरह चक्कर लगा रहे हैं। आप जीत तो रहे हैं, लेकिन कोई वास्तविक लाभ नहीं है। एक क्रिकेटर के रूप में, आप आगे नहीं बढ़ रहे हैं।

भारत के लिए 103 टेस्ट में 417 विकेट लेने वाले हरभजन ने कहा यह इस बात पर विचार करने का समय है कि ऐसी पिचें आपको कहां लेकर जा रही है। यहां आपके बल्लेबाजों को यह नहीं पता होता है कि रन कैसे बनाने है और वह ऐसे दिख रहे हैं जैसे उन्हें बल्लेबाजी करना ही नहीं आता।

उत्तर प्रदेश के सामने तमिलनाडु की कड़ी चुनौती

- रणजी ट्रॉफी के ग्रुप ए में 455 रनों के जवाब में उप्र ने एक विकेट पर बनाए 87 रन

चेन्नई, एजेंसी

नवोदित जी अजितेश ने तेज तर्रार 86 रनों की पारी की बदौलत तमिलनाडु ने एलीट ग्रुप ए रणजी ट्रॉफी क्रिकेट मैच के दूसरे दिन सोमवार को 455 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

दिन का खेल समाप्त होने के समय उत्तर प्रदेश ने अभिषेक गोस्वामी (नाबाद 54) की अर्धशतकीय पारी के दम पर एक विकेट पर 87 रन बना लिए है। तमिलनाडु ने कल के पांच विकेट पर 282 रन से आगे खेला शुरु किया। कल के शतकवीर बाबा इंद्रजीत ने दूसरे दिन सुबह के सत्र में केवल 21 रन जोड़े, लेकिन उनके आउट होने से पहले अजितेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 86 रन बनाये और तमिलनाडु की टीम 136.3 ओवर में 455 रन पर ऑल आउट हो गई। इससे पहले आज सुबह के सत्र में इंद्रजीत के साथ आए सोनू यादव ने अपने वरिष्ठ साथी का शानदार साथ दिया और दोनों ने छठे विकेट के लिए 10वें ओवर में 49 रन जोड़े। हालांकि, जब उनकी साझेदारी ने गति पकड़नी शुरू की, तो 128 रन पर खेल रहे इंद्रजीत, नवोदित बाएं हाथ के स्पिनर कार्तिक यादव की गेंद पर आउट हो गए। कार्तिक यादव ने पांच विकेट लिए। इस दौरान इंद्रजीत ने अब प्रथम श्रेणी क्रिकेट में छह हजार रन पूरे कर लिए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 88 मैचों की 132 पारियों में हासिल की है, जिसमें 17 शतक और 31 अर्द्धशतक शामिल हैं, जिनमें उनका सर्वश्रेष्ठ 200 रन रहा है।

सिद्धेश लाड के 170 रन के बाद शार्दुल के तीन विकेट से मुंबई ने पुडुचेरी पर कसा शिकंजा

मुंबई : सिद्धेश लाड की करियर की सर्वश्रेष्ठ 170 रन की पारी के बाद कप्तान शार्दुल ठाकुर के तीन विकेट से मुंबई ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मैच के दूसरे दिन सोमवार को यहां पहली पारी पांच विकेट पर 630 रन पर घोषित करने के बाद 43 रन तक पुडुचेरी के चार विकेट चटकाकर दबदबा कायम किया। ठाकुर ने 32 गेंद में 56 रन (रिटायर हार्ट) की आक्रामक पारी खेलने के बाद पुडुचेरी की पारी के शुरुआती तीन गेंद में दो विकेट झटके और दिन का खेल खत्म होते समय उनका आंकड़ा 17 रन पर तीन विकेट था।

मार्करम ने टीम में बनाए रखने के लिए एलएसजी का जताया आभार

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम का मानना है कि आईपीएल टीम लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) को चीजों को ज्यादा जटिल बनाने की जरूरत नहीं है और उन्हें अगले साल अहम मौकों को भुना कर जीत हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। एलएसजी ने अगले महीने होने वाली छोटी नीलामी से पहले दाएं हाथ के बल्लेबाज मारक्रम को टीम में बरकरार किया है।

मार्करम ने 2025 सत्र में 13 मैचों में 34.23 की औसत और 148.83 के स्ट्राइक रेट से पांच अर्धशतकों सहित 445 रन बनाए थे। उन्होंने ने एलएसजी के 'एक्स' पर साझा किये गये वीडियो में कहा यह बहुत अच्छा है। मैंने पिछले साल लखनऊ फ्रेंचाइजी के साथ अपने समय का भरपूर आनंद लिया। मैंने कुछ अच्छे दोस्त बनाये और टीम के साथ कुछ महीने बिताए। ऐसे में मैं रिटेन किए जाने के लिए बहुत आभारी हूं और निश्चित रूप से उनके साथ एक और सत्र का इंतजार कर रहा हूं। एलएसजी पिछले सत्र में छह जीत और आठ हार के साथ सातवें स्थान पर रही थी।

मार्करम ने अगले सत्र की योजना के बारे में पूछे जाने पर कहा, आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आपको एक टीम के रूप में वाकई अच्छा होना होगा। मुझे नहीं लगता कि पिछले सत्र में हम बहुत पीछे थे। हम अगर कुछ अहम मौके को भुनाने में सफल रहते तो नतीजे अलग होते। उन्होंने कहा हम नॉकआउट में जगह बनाने के काफी करीब थे। मुझे लगता है कि हमने जो अच्छा किया है, उसे दोहराने की कोशिश करनी चाहिए और कुछ और मुश्किल मौकों को अपने पक्ष में करना चाहिये। मार्करम टेस्ट और सीमित ओवरों की सीरीज के लिए भारत दौरे पर आई द. अफ्रीका टीम का हिस्सा है।

राजस्थान रॉयल्स ने संगकारा को फिर से कोच नियुक्त किया

नई दिल्ली : भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के मुख्य कोच पद से हटने के बाद राजस्थान रॉयल्स ने सोमवार को श्रीलंका के दिग्गज कुमार संगकारा को 2026 में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए अपना मुख्य कोच नियुक्त किया। द्रविड़ ने इस साल अगस्त में फ्रेंचाइजी छोड़ दी थी। संगकारा 2021 से फ्रेंचाइजी के क्रिकेट निदेशक रहे हैं। वह 2021 से 2024 तक मुख्य कोच की भूमिका भी निभा रहे थे। राजस्थान रॉयल्स ने एक्स पर पोस्ट किया क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा आईपीएल 2026 के लिए मुख्य कोच के रूप में भी कार्यभार संभालेंगे। पूर्व भारतीय कप्तान द्रविड़ का कार्यकाल अचानक समाप्त हो गया, जो 2025 में लंबी अवधि के अनुबंध के साथ फ्रेंचाइज़ी में लौटे थे। टी20 विश्व कप विजेता पूर्व राष्ट्रीय कोच ने इस साल की शुरुआत में टीम के खराब प्रदर्शन की संरचनात्मक समीक्षा के बाद पद छोड़ दिया। राजस्थान रॉयल्स का पिछले सत्र में प्रदर्शन बेहद खराब रहा था तथा उसकी टीम 10 टीमों के इस टूर्नामेंट में 14 मैचों में से केवल चार जीत के साथ नौवें स्थान पर रही थी।

एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के खिताब के साथ इटली के यानिक सिनर (दाएं) व स्पेन के कार्लोस अल्काराज। एजेंसी

सिनर उपाधि बचाने में सफल

- एटीपी फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में अल्काराज को हराया

> मुझे उम्मीद है कि आप (सिनर) अगले साल के लिए तैयार रहोगे क्योंकि मैं आपके खिलाफ और अधिक फाइनल खेलने के लिए तैयार रहूंगा।
>
> -कार्लोस अल्काराज

तूरिन, एजेंसी

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर ने अपने चिर प्रतिद्वंदी और विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर काबिज कार्लोस अल्काराज को 7-6 (4), 7-5 से हराकर एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब बरकरार रखा।

यह इस साल पुरुष टेनिस में दबदबा बनाए रखने वाले इन दोनों खिलाड़ियों के बीच छठी भिड़ंत थी। इटली के सिनर ने अपने घरेलू प्रशंसकों के सामने खिताब का बचाव किया, जो इस वर्ष अल्काराज पर उनकी दूसरी जीत थी। इससे पहले उन्होंने विंबलडन फाइनल में भी इस स्पेनिश खिलाड़ी को हराया था। इस साल दो ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले सिनर ने कहा, ''यह सत्र अविश्वसनीय रहा। इटली के अपने प्रशंसकों के सामने इस तरह से इसे समाप्त करना मेरे लिए बहुत ख़ास है। अल्काराज़ ने पहले ही वर्ष के अंत में नंबर एक रैंकिंग अपने नाम सुरक्षित कर ली थी। वह वर्ष के शीर्ष आठ खिलाड़ियों के बीच खेली गई इस प्रतियोगिता में अपना पहला फाइनल खेल रहे थे। अल्काराज अभी भी सिनर के साथ अपने करियर मुकाबलों में 10-6 से आगे हैं। सिनर और अल्काराज़ पिछले तीन ग्रैंडस्लैम फ़ाइनल में आमने-सामने रहे हैं।

अल्काराज़ ने सिनर को पांचवें सेट के टाईब्रेकर में हराकर फ्रेंच ओपन जीता। सिनर ने विंबलडन में बदला चुकता किया लेकिन अल्काराज़ अमेरिकी ओपन के फाइनल में फिर से जीत हासिल करने में सफल रहे। इस बीच युगल फाइनल में हैरी हेलियोवारा और हेनरी पैटन ने जो सैलिसबरी और नील स्कुप्स्की को 7-5, 6-3 से हराया।

पुर्तगाल और नार्वे ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया

लिस्बन, एजेंसी

जीत के बाद जश्न मनाते नार्वे के खिलाड़ी। एजेंसी

पुर्तगाल और नार्वे ने आसान जीत के साथ अगले साल होने वाले विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा की संयुक्त मेजबानी में होने वाले विश्व कप 2026 में रिकॉर्ड 48 टीमें भाग लेंगी।

पुर्तगाल ने अपने स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की अनुपस्थिति के बावजूद आर्मेनिया को 9-1 से हराकर इस दिग्गज फुटबॉलर को रिकॉर्ड छठी बार विश्व कप में खेलने का मौका दिलाया। रोनाल्डो निलंबन के कारण इस मैच में नहीं खेल पाए थे। नॉर्वे ने चार बार के विश्व कप चैंपियन इटली को 4-1 से हराया। यह नॉर्वे के स्टार खिलाड़ी एर्लिंग हॉलैंड का पहला विश्व कप होगा। कुल 43 टीमें महाद्वीपीय क्वालीफाइंग टूर्नामेंटों के जरिए विश्व कप में जगह बनाएंगी। अन्य दो टीमें मार्च में मैक्सिको में होने वाले छह टीमों वाले अंतरमहाद्वीपीय प्लेऑफ़ से अपनी जगह पक्की करेंगी। तीनों मेज़बान देश स्वतः ही विश्व कप में अपनी जगह सुरक्षित कर चुके हैं।

फिडे विश्व कप में अर्जुन ने ड्रॉ खेला

पणजी। अगले साल कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिये क्वालीफाई करने की कोशिश में जुटे भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अर्जुन एरिगेसी ने फिडे शतरंज विश्व कप के क्वार्टर फाइनल के पहले मैच में चीन के वेइ यि से ड्रॉ खेला। वहीं जर्मनी के अलेक्जेंडर डोंचेंको के लिये मुश्किलें खड़ी होती दिख रही है क्योंकि नोदिरबेक याकूबोएव ने सफेद मोहरों से पहला मुकाबला जीता।

अगर वह दूसरा मुकाबला ड्रॉ कराते हैं तो सेमीफाइनल में पहुंच जाएंगे। अर्जुन ने शुरूआत अच्छी की और लय बनाए रखी। दोनों खिलाड़ियों ने 31 चालों के बाद ड्रॉ पर सहमति जताई। उजबेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव ने मैक्सिको के जोस एडुआर्डो मार्तिनेज से ड्रॉ खेला। वहीं अमेरिका के सैमुअल शैंकलैंड और रूस के आंद्रेइ एसिपेंको का मुकाबला भी ड्रॉ रहा।

विश्व निशानेबाजी

25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल में जीता रजत पदक, भारत तीसरे स्थान पर रहा

गुरप्रीत वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में गोल्ड चूके

काहिरा, एजेंसी

ओलंपियन गुरप्रीत सिंह पुरुषों की 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल स्पर्धा में विश्व चैंपियन बनने के बेहद करीब पहुंच गए थे, लेकिन यहां ओलंपिक निशानेबाजी रेंज में यूक्रेन के पावलो कोरोस्टाइलोव से इनर 10 (10 अंक का अंदरूनी हिस्सा) के अधार पर हारने के बाद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यह विश्व चैंपियनशिप में गुरप्रीत का दूसरा व्यक्तिगत पदक है। उन्होंने इससे पहले 2018 में चांगवोन में 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल स्पर्धा में ही रजत पदक जीत था।

भारत तीन स्वर्ण, छह रजत और चार कांस्य सहित कुल 13 पदक के साथ चीन और दक्षिण कोरिया के बाद तीसरे स्थान पर रहा। चीन ने 12 स्वर्ण, सात रजत और दो कांस्य पदक सहित कुल 21 पदक जीते। दक्षिण कोरिया ने सात स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्य पदक से दूसरा स्थान हासिल किया। गुरप्रीत ने दो दिन की प्रतियोगिता में प्रिसिजन और रेपिड चरणों में कुल 584 अंक जुटाए जिसमें 18 निशाने 10 अंक के अंदरूनी हिस्से में रहे। कोरोस्टाइलोव ने 29 निशाने 10 अंक के अंदरूनी हिस्से में मारे। उन्होंने अंतिम रेपिड दौर में 100 का परफेक्ट स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक जीता। गुरप्रीत प्रिसिजन चरण के बाद 288 अंक (95,97,96) के साथ नौवें स्थान पर थे लेकिन दूसरे दिन वापसी करते हुए रेपिड चरण में 296 (98,99,99) का शानदार स्कोर बनाकर रजत पदक जीता। प्रिसिजन चरण के बाद 291 अंक के साथ शीर्ष रह मौजूद रहे यूक्रेन के निशानेबाज ने रेपिड चरण में 293 अंक हासिल करके गुरप्रीत के स्कोर की बराबरी की और 10 अंक के अंदरूनी हिस्से में अधिक निशाने लगाकर खिताब जीता। प्रिसिजन चरण में हरप्रीत सिंह 291 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए पदक की दौड़ में थे लेकिन रेपिड चरण में 286 अंक ही बना पाए और नौवें स्थान पर रहे। एक अन्य भारतीय निशानेबाज साहिल चौधरी कुल 561 अंक (प्रिसिजन - 272 और रेपिड - 289) के कुल स्कोर के साथ 28वें स्थान पर रहे।

सम्राट, रविंदर ने जीता स्वर्ण पदक

भारत के लिए सम्राट राणा (10 मीटर एयर पिस्टल) और रविंदर सिंह (50 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल और 10 मीटर एयर पिस्टल टीम) ने स्वर्ण पदक जीते। ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर (50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन पुरुष), अनीश भानवाला (25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल), गुरप्रीत सिंह (25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल), ईशा सिंह और सम्राट राणा (10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम, 10 मीटर महिला एयर पिस्टल टीम और 50 मीटर पुरुष स्टैंडर्ड पिस्टल टीम) ने रजत पदक हासिल किए। ईशा (25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल), इलावेनिल वलारिवान (10 मीटर एयर राइफल), वरुण तोमर (10 मीटर एयर पिस्टल) ने लिए कांस्य जीते।